यह पुस्तक यूरोप के प्रसिद्ध नाटककार हेनरिक इब्सन के नाटक "डोल्स हाउस" का अनुवाद है। इब्सन के नाटकों ने अपने समय में बड़ी सनसनी पैदा की थी और यूरोप की आधुनिक नाट्यकला पर उनका विशेष प्रभाव पड़ा है। इस से भी बड़ी बात यह कि उनका यूरोप की विचार धारा पर ही नहीं बल्कि नैतिकता पर भी काफी प्रभाव पड़ा है। इब्सन की रचनाओं की मुख्य विशेषता यह है कि वे भावुकता-प्रधान न होकर बुद्धि-प्रधान है और उनमें से प्रत्येक में किसी न किसी समस्या पर प्रकाश डाला गया है। इब्सन ने ऊपरी सदाचार का परदाफाश करने में संकोच नहीं किया है, परन्तु इसका अर्थ यह नहीं है कि वे सदाचार अथवा नैतिकता के विरोधी है। वे ढोंग और वाह्याडम्बर के विरोधी हैं और सदा सत्य तक पहुँचने के लिए प्रयत्नशील रहते है।

इस नाटक के अनुवादक पंडित लक्ष्मी नारायण मिश्र, बी० ए०, स्वयं आधुनिक शैली के एक सफल नाटककार हैं। इब्सन के मर्म को समझ सकने की उनमें एक विशेष क्षमता है और इस-लिए उन्हे हिन्दी संसार को भेट करने के लिए वे विशेष रूप से उपयुक्त है।

—प्रकाशक

## नाटक के पात्र

तावल्ति हेल्मर

नोरा—उसकी पत्नी

डाक्टर रैंक—उनका मित्र

मिसैज़ लिन्दे—नोरा की लड़कपन की सखी

निल्स क्रोस्ताद्

हेल्मर के तीन बच्चे

ऐन—उनकी धाय

एक नौकरानी

एक दरवान

( सारी घटनाये हेल्मर के घर मे होती है )

# पहला अङ्क

[ दृश्य—एक कमरा आराम और सुरुचि के अनुसार सजा हुआ, लेकिन केवल सजावट के ख्याल से बहुत अधिक नहीं। पीछे की ओर दाईं ओर का दरवाज़ा दालान से लगा है और दूसरा बाईं ओर हेलमर के लिखने-पढ़ने के कमरे से। दरवाज़ों के बीच में पियानो। बाईं ओर की दीवार में बीचोंबीच एक दरवाज़ा और उससे आगे एक खिड़की। खिड़की के पास मेज़, आराम कुर्सियाँ और एक छोटा सोफ़ा। दूसरी ओर की दीवार के दूसरे सिरे पर दूसरा दरवाज़ा, और उसी ओर—फुटलाइट के पास एक अंगीठी, दो आराम कुर्सियाँ और एक 'राकिंग चेयर'। अंगीठी और दरवाज़े के बीच मे एक छोटी सी मेज़। दीवारों पर पच्चीकारी का काम है। एक आलमारी मे चीनी के वर्तन और दूसरी छोटी मोटी चीज़ें। एक छोटी आलमारी में सुन्दर जिल्द की पुस्तकें। फ़र्श पर दरी बिछी है। अगीठी में आग जल रही है। जाड़े का मौसम है।

दालान में घंटी वजती है—थोड़ी ही देर के बाद दरवाज़े के खुलने की आवाज़ होती है। कुछ गुनगुनाती हुई और प्रसन्न चित्त नोरा का प्रवेश। उसके कपड़ों से मालूम हो रहा है कि जैसे वह बाहर से आ रही है। जिस बाहरी दरवाज़े से वह प्रवेश करती है उसे खुला हुआ छोड़ देती है। दरवाजे से एक कुली क्रिसमस ट्री* और एक टोकरी ले जाता हुआ देख पड़ता है जिसे कि वह दरवाज़ा खोलने वाली नौकरानी को दे देता है। ]

नोरा

क्रिसमसट्री को अच्छी तरह से छिपा देना, हेलन। इसका

---

* बनावटी हरे रंग का पेड़, जो बड़े दिन को ईसाइयों के घरों मे, उपहार की चीज़ें लटकाने के लिए खड़ा किया जाता है।

ध्यान रखना कि बच्चे इसे शाम तक न देख सकें, जब तक कि सजावट न हो जाय। [ मनीबेग निकालते हुए, कुली से ] कितना ?

कुली

छः पेन्स।

नोरा

इसमें तो एक शिलिंग है। नहीं, नहीं, कुछ लौटाने की ज़रूरत नहीं। [ कुली उसे सिर झुका कर चला जाता है। नोरा दरवाज़ा बन्द कर लेती है। हैट और कोट उतारते समय वह मन ही मन प्रसन्न हो रही है। जेब में से मैकरून* का पैकट निकाल कर उसमें से एक या दो खा लेती है, तब धीरे धीरे अपने पति के दरवाजे के पास जाती है और आहट लेने लगती है। ] हूँ, तो वह भीतर हैं। [ फिर भी वह गुनगुनाती हुई दायीं ओर मेज़ के पास जाती है। ]

हेल्मर

[ अपने कमरे से बोल उठता है ] मेरी कोयल कूक रही है क्या ?

नोरा

[ कुछ पारसल खोलने में व्यस्त ] जी हाँ !

हेल्मर

इधर उधर मस्त हो कर . ?

नोरा

सरकार !

---

* एक प्रकार की विलायती मिठाई जिसमें बादाम पड़ा रहता है।

हेल्मर

मेरी मैना कब घर आई ?

नोरा

बस अभी। [ मैकरून का पैकट जेब में रख कर मुँह पोछ लेती है। ] यहाँ आओ, देखो तो कैसी चीजे बाजार से ला रही हूँ।

हेल्मर

जरा और ठहरो । [ थोडी देर के बाद वह दरवाज़ा खोलता है और कलम हाथ में लिए हुए कमरे में इधर उधर देखता है। ] खरीदा है तुमने ? कहाँ ? यह सब चीजें ? मेरी 'शाहेदिल' फिर भी रुपये उड़ाती रही है !

नोरा

हाँ, लेकिन तावलित ! इस वर्ष तो हम लोग वास्तव मे कुछ आगे बढ़ सकते है। यह पहला बड़ा दिन है जिसमें कि हम लोगो को तंगदस्ती नही करनी पड़ी है।

हेल्मर

लेकिन तिस पर भी तुम जानती हो कि हम लोग फिजूल-खर्ची नही कर सकते।

नोरा

यह तो ठीक है, लेकिन हम लोग जरा सी फिजूलखर्ची कर सकते है। है कि नहीं ? बहुत जरा सी। अब तो तुम लम्बी तनख्वाह लेने और रुपयो की संदूके भरने चल रहे हो।

हेल्मर

हाँ, बड़े दिन के बाद। लेकिन तनख्वाह मिलते-मिलते पूरे तीन महीने लग जायेंगे।

नोरा

उँह! तब तक किसी से ले लेंगे।

हेल्मर

नोरा! [ उसके पास जाता है और मुस्कराते हुए उसका कान पकड़ लेता है ] फिर वही बेवकूफी की बात! मान लो कि मै आज पचास गिन्नी किसी से लेता हूँ और तुम बड़े दिन के इस सप्ताह मे सब खर्च कर डालती हो और फिर नये वर्ष के मौके पर यह छत मेरे सिर पर गिर पड़ती है और मै मर जाता हूँ ..... और.........

नोरा

[ उसके मुंह पर अपना हाथ रखकर ] ओफ! ऐसी भयंकर बातें मुझसे न कहो।

हेल्मर

यदि ऐसा हो, तब।

नोरा

यदि ऐसा हो, तो मै ..मुझे इस बात की चिन्ता नहीं हो सकेगी कि मैंने किसी से कर्ज लिया है या नहीं ?

हेल्मर

लेकिन जो दिए रहेंगे, वे

नोरा

तो उनके बारे में कौन सिर खपावे ? मुझे यह जानकारी ही नहीं रहेगी कि वे कौन हैं ?

हेल्मर

इसमे नारीपन है तो बहुत, लेकिन वास्तव में, नोरा ! तुम जानती हो इस बारे मे मैं क्या समझता हूँ ? न कर्ज, न उधार। कर्ज और उधार से न तो पारिवारिक जीवन की स्वतन्त्रता ही रह सकती है न उसकी सुन्दरता ही। अब तक तो हम लोग साहस और संयम के साथ इस सीधी सड़क पर रहे है, और थोड़े दिनों के लिए जब तक कि सब झंझट समाप्त नही हो जाते...

नोरा

[ अँगीठी की ओर बढ़ती हुई ] जैसा समझो तुम।

हेल्मर

[ उसके पीछे चलते हुए ] सुनो, सुनो, मेरी कोयल की कूक न बन्द हो। यह क्या ? मेरी मैना रंज हो गई ? [ मनीबेग निकाल कर ] नोरा, मेरे पास इसमें क्या हो सकता है ? बता सकोगी ?

नोरा

[ जल्दी से घूम कर ] रुपये।

हेल्मर

ठीक समझी। [ उसे कुछ रुपये देता है ] तुम समझती हो कि मुझे पता ही नही कि बड़े दिन में घर का ख़र्च कितना बढ़ जाता है ?

नोरा

[ गिन कर ] दस शिलिंग . एक गिन्नी...दो गिन्नी। धन्यवाद है, धन्यवाद तावल्ति ! इतने मे तो मेरा वहुत दिन चलेगा।

हेल्मर

ऐसा होना ही चाहिए।

नोरा

ऐसा जरूर होगा, लेकिन यहां आओ और देख लो मैंने क्या खरीदा है। और यह सब कितना सस्ता ! देखो ये इवार के लिए नये कपड़े और तलवार, घोड़ा और विगुल, वाव के लिये, गुड़िया और उसका पलंग एमी के लिए—ये वहुत मामूली हैं परन्तु इसमे तो शक नहीं कि वह इन्हें जल्दी ही तोड़ डालेगी। और नौकरानियों के लिए ये कपड़े और रूमाल। बुढ़िया ऐन को तो कुछ अच्छी चीजें अब मिलनी चाहिएं।

हेल्मर

और इस पुलिन्दे में क्या है ?

नोरा

नहीं, नहीं, उसे शाम तक तुम नहीं देख सकते।

हेल्मर

अच्छी वात है, लेकिन अब वतलाओ शाहज़ादी ! छोटी रानी ! अपने लिए तुमने क्या पसन्द किया ?

नोरा

मेरे लिए ? मैं तुम्हे विश्वास दिलाती हूँ मुझे किसी चीज़ की ज़रूरत नही है।

हेल्मर

हो सकता है, लेकिन तुम्हे कुछ जरूर चाहिए। दिल से कोई ऐसी चीज़ बताओ जिसे लेना तुम पसन्द करो।

नोरा

नहीं, मै कोई चीजभी नही कह सकती, लेकिन हा, तावल्ति .

हेल्मर

कहो।

नोरा

[ हेल्मर के कोट के बटन के साथ खेलती हुई और उसकी ओर बिना देखे ] अगर तुम मुझे कोई चीज देना ही चाहते हो, तो तुम...

हेल्मर

कहो भी क्या है ?

नोरा

[ तेजो से बोलती हुई ] तुम मुझे रुपये दे सकते हो, जितने दे सको। उसी मे से कुछ अपने लिए भी खरीद लूंगी।

हेल्मर

लेकिन नोरा

नोरा

यही करो प्यारे तावल्ति, ऐसा ही करो। मै उसको चमकीले कागज में लपेट कर क्रिस्मस-ट्री में लटका दूंगी। यह अच्छा तमाशा रहेगा !

हेल्मर

जो लोग बराबर रुपया नष्ट किया करते है, उन्हे क्या कहते हैं ?

नोरा

फिजूलखर्च, मैं जानती हूँ। पहले कुछ रुपया दिलाओ और तब मेरे पास यह सोच लेने के लिए काफी समय रहेगा कि मुझे किस चीज़ की ज़रूरत है ? यह तो बड़ी समझदारी की बात है। है न ?

हेल्मर

[ मुस्कराते हुए ] वास्तव में है। कहने का मतलव यह कि जो रक़म मैं दूँ यदि तुम उसमे से कुछ बचाकर अपने मतलव की चीज ले लो तब तो कोई बात नही, किन्तु मै जो दूँ वह सब तुम घर के कामों मे, अनावश्यक चीजों के खरीदने में, लगा दो तो मुझे फिर भी उसके लिए देना पड़ेगा।

नोरा

लेकिन तावल्ति !

हेल्मर

लेकिन इसे तुम अस्वीकार नहीं कर सकती, प्यारी नोरा !

[उसकी कमर मे हाथ डाल देता है।] तुम सुन्दर, छोटी फिजूलखर्च हो, लेकिन कितना रुपया खर्च कर डालती हो! कोई मुश्किल से विश्वास करेगा कि तुम इतनी नन्ही होते हुए भी इतना अधिक खर्च कर सकती हो।

नोरा

यह कितनी शर्म की बात है! मुझसे तो जहाँ तक हो सकता है बचाने की कोशिश करती हूँ।

हेल्मर

[हसते हुए] यह बहुत सच है, जहाँ तक तुम बचा सकती हो, लेकिन तुम कुछ बचा नही पाती।

नोरा

[धीरे से मुस्कराती हुई और प्रसन्न होती हुई।] तुम को कुछ पता नही है तावल्ति! हम कोयल और मैना कितना खर्च करती है।

हेल्मर

तुम एक विचित्र जीव हो। बिलकुल अपने पिता की तरह। तुम मुझसे रुपया निकाल लेने का नया रास्ता बराबर निकाल लेती हो। और जहाँ तुम्हे वह मिला नही मालूम होता है कि जैसे तुम्हारे हाथ में गल जाता है। तुम्हे पता नही चलता कि वह कहाँ चला गया। लेकिन तुम जैसी हो वैसी हो। वह बात तो रक्त में ही है। नोरा! क्या वास्तव में तुमको यह बातें बरासत मे मिली हैं।

नोरा

ओफ ! अगर मुझे उनके गुण भी मिले होते !

हेल्मर

और मैं, जो तुम हो उसके अतिरिक्त तुम्हे और किसी रूप मे देखना नहीं पसन्द करता। मेरी सुन्दर कोयल ! लेकिन मुझे ऐसा मालूम होता है कि तुम आज कुछ . कुछ बेचैन दिखाई पड़ रही हो।

नोरा

क्या सचमुच ?

हेल्मर

हॉ, जरा मेरी ओर देखो तो।

नोरा

[ उसकी ओर देखती हुई ] कहो।

हेल्मर

कुमारी मधुर-रसना ने आज शहर में परहेज नही किया है ?

नोरा

नहीं जी, तुम ऐसा क्यो सोच रहे हो ?

हेल्मर

क्या तुम किसी मिठाई वाले की दूकान पर नही गईं ?

नोरा

नहीं, मै तुम्हे विश्वास दिलाती हूँ, तावल्ति !

हेल्मर

मिठाइयाँ नही चूसी गयी है ?

नोरा

नहीं, बिल्कुल नही।

हेल्मर

एक या दो मैकरून भी नही ?

नोरा

नहीं तावल्ति, मै तुम्हे विश्वास दिलाती हूँ, वास्तव मे...

हेल्मर

तब, तब, मै केवल हंसी करता था।

नोरा

[ मेज को दायीं ओर जाती हुई ] मै तुम्हारी मर्जी के विरुद्ध चलने की इच्छा नही करूंगी।

हेल्मर

नहीं, मुझे इसका विश्वास है। और फिर तुमने वचन भी दिया है [ उसकी ओर आते हुए ] मेरी रानी, अपना क्रिसमस रहस्य अपने ही तक गुप्त रक्खो। आज रात को तो सब अपने ही से पता चल जायगा, जब क्रिसमस-ट्री मे प्रकाश किया जायगा। इसमे तो कोई सन्देह नही ?

नोरा

तुम्हे डा० रैंक को निमंत्रित करने का ख्याल रहा ?

हेल्मर

नहीं, लेकिन इसकी जरूरत भी नहीं है। वे तो यों ही हम लोगों के साथ भोजन करने आवेंगे। खैर, जब वे सवेरे आवेंगे तो मैं उन से कह भी दूँगा। मैंने कुछ अच्छी शराब के लिए आर्डर दे दिया है। नोरा, तुम समझ नहीं सकती इस संध्या की मैं कितनी प्रतीक्षा कर रहा हूं।

नोरा

वही बात तो मेरे लिए भी है, और बच्चे कैसे प्रसन्न होंगे, तावल्ति!

हेल्मर

आदमी के लिए इसका अनुभव करना ही कितना सुन्दर है कि उसे पूर्ण रूप से निश्चित जगह मिल गई है, और एक अच्छी तनख्वाह भी। इसका विचार ही आनन्दप्रद है—है न?

नोरा

क्या पूछना है? विस्मयजनक!

हेल्मर

तुम्हे पारसाल का बड़ा दिन याद है। तीन सप्ताह पहिले ही से रोज तुम शाम से देर तक रात मे बन्द पड़ी रहती थीं, क्रिसमस ट्री के लिए आभूषण बनाने में और दूसरी दूसरी चीजें जो कि हम सब से इसलिए गुप्त रक्खी गईं थीं कि जब हम उन्हें देखे तो आश्चर्यचकित रह जायँ। मेरे लिए तो वे तीन सप्ताह बहुत ही नीरस थे।

नोरा

मुझे तो वे नीरस नही मालूम हुए।

हेल्मर

[ मुस्करा कर ] लेकिन उसका परिणाम भी बड़ा ही सुन्दर हुआ था ! क्या पूछना ?

नोरा

उसके लिए तुम मुझे चिढ़ाया न करो । भला मैं बिल्ली को उसके भीतर घुस जाने से और सब विगाड़ देने से कैसे रोक सकती थी ?

हेल्मर

सच है तुम कैसे रोक सकती थी ? बेचारी वालिका ! तुम्हारा उद्देश्य अत्यन्त सुन्दर, हम लोगों को प्रसन्न करने का था और वही असल चीज़ है। लेकिन अव यह अच्छी वात हुई कि हम लोगो के तकलीफ के दिन निकल गये।

नोरा

वास्तव मे यह वड़ी सुन्दर वात हुई।

हेल्मर

इस वार मुझे यहाँ अकेले मे वैठकर उदासी में समय नहीं काटना होगा और तुम्हे अपनी प्यारी आंखो और सुन्दर हाथो को भी नही विगाड़ना होगा।

नोरा

[ ताली वजा कर ] नही तावल्ति ! अव मुझे आगे वैसा नहीं

करना पड़ेगा। अब मुझे जरूरत नही । तुम्हारा यह कहना कैसा भला लगता है।

[उसकी बाहँ पकड कर] अब मै तुम से कहूँगी जो मै सोचती रही हूँ कि अब हम लोगों को क्या क्या करना चाहिए, तावल्ति। ज्यो ही क्रिसमस खतम हो [दालान मे घटी बजती है] घंटी बजी। [वह चीजों को करीने से रखने लगती है] कोई दरवाजे पर है। उँह...कैसी मुसीबत है।

हेल्मर

अगर कोई मिलने वाला हो तो याद रखना--मै घर पर नहीं हूँ।

नौकरानी

[दरवाजे से] एक महिला आप से मिलने आई है, श्रीमती जी। मै उन्हे नही पहचानती।

नोरा

उन से भीतर आने के लिए कहो।

नौकरानी

[हेल्मर से] डाक्टर भी उसी समय आए थे; साहब।

हेल्मर

वे सीधे मेरे कमरे मे चले गए ?

नौकरानी

हाँ, सरकार।

[हेल्मर अपने कमरे में जाता है। नौकरानी मिसैज़ लिन्डे के आ जाने पर जो कि यात्रा के कपड़े पहिने है, दरवाज़ा बद कर देती है।]

मिसैज़ लिन्दे

[ धीमे और टूटे स्वर में ] क्या हाल चाल है नोरा ?

नोरा

[ सन्देह में ] आप कैसी है ?

मिसैज़ लिन्दे

मैं अनुमान करती हूॅ तुमने मुझे नही पहचाना।

नोरा

नही, मैं नही पहचान पाई। हॉ, हॉ, मुझे मालूम हो रहा है—( अकस्मात ) हॉ, क्रिस्टाइन ! तुम ही हो न ?

मिसैज़ लिन्दे

हाँ, मै ही हूॅ।

नोरा

क्रिस्टाइन ! तुम्हे न पहचान सकी ! ज़रा देखो तो ! लेकिन मैं पहचान भी कैसे पाती ? [ कोमल स्वर में ] तुम कितनी बदल गई हो, क्रिस्टाइन !

मिसैज लिन्दे

हॉ, ज़रूर वदल गई हूॅ। नौ-दस वरस के लम्बे अरसे मे...

नोरा

इतने दिनो के वाद हम लोग मिल रही है ? वेशाक इतने ही दिन हुए होगे। पिछले आठ वर्ष मेरे लिए तो वड़े आनन्द के रहे हैं—मैं कह सकती हूॅ। हॉ तो तुम शहर मे आ गई हो ?

और यह लम्बी यात्रा तुमने इतने कड़ाके के जाड़े में की यह तो तुम ने बड़े साहस का काम किया।

मिसैज़ लिन्दे

मै स्टीमर से आज ही सबेरे आई हूँ।

नोरा

बड़े दिन में कुछ आनन्द लूटने के लिए! अच्छा किया। बड़ा सुन्दर रहा। हम लोग साथ ही आनन्द लूटेंगी। अपने कपड़े उतार डालो। तुम्हे सर्दी तो नही लग रही है, मैं आशा करती हूँ। [ कपड़े उतारने मे उसकी सहायता करती है ] अँगीठी के पास बैठकर ज़रा सा गरमा लिया जाय। नही, यह आराम कुर्सी ले लो, मै इस राकिंग-चेयर* पर बैठ जाती हूँ। [ उसका हाथ पकड़ कर ] अब तुम पहले जैसी मालूम हो रही हो। तुम्हे पहचानने मे क्षण भर ही कठिनाई हुई थी। तुम कुछ पीली मालूम हो रही हो क्रिस्टाइन! और कुछ दुबली भी।

मिसैज लिन्दे

और बूढ़ी भी, नोरा।

नोरा

हाँ, कुछ बूढ़ी भी, ज़रा सी, अधिक तो नही [ अकस्मात रुक जाती है और गभीर हो कर बोलती है ] मैं कैसी स्वार्थी जीव हूँ! कैसी बक बक कर रही हूँ। मेरी अभागिनी क्रिस्टाइन! मुझे क्षमा करो!

---

*एक प्रकार की हिलने वाली कुर्सी।

मिसैज़ लिन्दे

तुम्हारा मतलब क्या है नोरा ?

नोरा

[नम्रता से] हतभागिनी क्रिस्टाइन! तुम अब विधवा जो हो।

मिसैज़ लिन्दे

हाँ, अब तीन वर्ष हो चुके।

नोरा

हाँ, मै जानती हूँ, अखबारो में मैंने देखा था। मै तुम्हें विश्वास दिलाती हूँ क्रिस्टाइन! मैंने कई वार तुम्हे पत्र लिखने का विचार किया, प्रयत्न किया—लेकिन मै कभी न। लिख सकी, कोई न कोई वात वरावर वाधा डालती रही।

मिसैज़ लिन्दे

मै सव समझ रही हूँ।

नोरा

यह मेरे लिए वड़ी लज्जा की वात है, क्रिस्टाइन! अभागिनी, तुम्हें कितना कष्ट हुआ होगा! और उन्होने तुम्हारे लिए कुछ छोड़ा भी नहीं।

मिसैज़ लिन्दे

नहीं।

नोरा

कोई वच्चा भी नहीं था।

मिसैज़ लिन्दे

नहीं ।

नोरा

तब फिर कुछ भी नहीं ।

मिसैज़ लिन्दे

कोई दुखवाली आह भी नहीं जिसके सहारे जिन्दगी चलती रहे ।

नोरा

[ उसकी ओर अविश्वास से देखती हुई ] लेकिन क्रिस्टाइन ! क्या यह सम्भव है ?

मिसैज़ लिन्दे

[ खेदपूर्वक मुस्करा कर और अपने सिर पर हाथ फेरती हुई ] ऐसा भी कभी कभी हो जाया करता है, नोरा !

नोरा

तो तुम बिल्कुल अकेली हो । यह कितना असह्य होगा । मेरे तीन सुन्दर बच्चे है । इस समय तुम उन्हे नही देख सकोगी, वे धाय के साथ बाहर है । लेकिन अब तुम्हे इसके बारे मे सब कुछ बताना होगा ।

मिसैज़ लिन्दे

नहीं, मै तुम्हारे बारे मे सुनना चाहती हूँ ।

नोरा

नहीं, तुम्हे अपने बारे मे शुरू करना होगा । आज मुझे

स्वार्थी नहीं होना चाहिए। आज तो मुझे तुम्हारी ही बातो का विचार करना चाहिए। लेकिन एक बात मैं जरूर कह दूँ। क्या तुम्हे मालूम है अभी हम लोगो का हाल ही में भाग्योदय हुआ है ?

मिसैज लिन्दे

नहीं, क्या हुआ ?

नोरा

जरा सोचो तो, मेरे पति मैनेजर हुए हैं बैंक के।

मिसैज लिन्दे

तुम्हारे पति ? अहो भाग्य !

नोरा

वास्तव मे बड़ी बात हुई। बैरिस्टरी ऐसी अनिश्चित चीज है, विशेष कर जब कि कोई गन्दे मुकद्मे न लेना चाहे, जैसा कि वे करते थे। और मै भी उन से पूर्ण रूप से सहमत थी। तुम अनुमान कर सकती हो हम लोग कितने प्रसन्न है। वे बैंक मे नये साल की पहली तारीख से चार्ज लेंगे और तब उन्हे लम्बी तनख्वाह और काफी कमीशन मिलेगा। भविष्य मे हम लोग बिल्कुल दूसरी ही तरह से रह सकेंगे, जैसी इच्छा होगी कर सकेंगे। मैं इतना आनन्द अनुभव कर रही हूँ क्रिस्टाइन ! रुपये का ढेर और कोई चिन्ता नहीं। कैसी बात होगी !

मिसैज लिन्दे

हाँ, बेशक। मैं समझती हूँ कि जिस चीज की जरूरत हो उसका मिल जाना बड़े आनन्द की बात होती है।

नोरा

यही नही कि जिस चीज़ की ज़रूरत हो, बल्कि रुपयों का ढेर .

मिसैज़ लिन्दे

नोरा ! [ मुस्करा कर ] नोरा ! तुम्हे बुद्धि अब तक नहीं आई ? स्कूल के दिनों में तुम बड़ी फिज़ूलखर्च थीं ।

नोरा

[ हॅसती हुई ] हॉ, यही बात तावल्ति अब भी कहते है । [ उॅगली हिला कर ] लेकिन नोरा उतनी मूर्ख नही है जितनी कि तुम सोच रही हो । अब तक हम लोगो की स्थिति ऐसी नही रही है कि मुझे फेंकने के लिए रुपये मिले । हम दोनो को काफी परिश्रम करना पड़ा है ।

मिसैज लिन्दे

तुमको भी ?

नोरा

हॉ, यह, वह, सुई का काम, जाली का काम, कसीदे का काम और इसी तरह के दूसरे काम । [ धीमे स्वर मे ] और दूसरे काम भी । तुम जानती हो तावल्ति ने अपनी नौकरी उसी समय छोड़ दी थी जब कि हम दोनो का विवाह हुआ था । वहॉ तरक्की की कोई उम्मीद नहीं थी । उन्हे परिश्रम करना पड़ा क्योंकि अब पहले से अधिक पैदा करने की जरूरत थी । पहले वर्ष उन्होंने हद से अधिक काम किया । समझती हो, जिस किसी भी तरह

से हो सका उन्हे रुपया पैदा करना पड़ा। सवेरे से लेकर रात तक काम करना पड़ता था। और वह इसे सह नही सके और बुरी तरह बीमार पड़ गए। डाक्टरों ने कहा दक्षिण जाना पड़ेगा।

मिसैज़ लिन्दे

तुमने पूरा एक वर्ष इटली में बिताया, है न ?

नोरा

हाँ, मैं तुमसे कह रही थी, यहाँ से चले जाना मामूली काम नही था, इवार के जन्म के थोड़े ही दिन पीछे। लेकिन हम लोगों को जाना तो था ही। वह यात्रा सुन्दर और विस्मयजनक थी। उसने तावल्ति की जान बचा दी। लेकिन उसमे बड़ा खर्च हुआ क्रिस्टाइन।

मिसैज़ लिन्दे

मै भी समझती हूँ।

नोरा

उसमे करीब क़रीब ढाई सौ पाउन्ड खर्च हुआ। है कि नही ज्यादा ?

मिसैज लिन्दे

हाँ, और ऐसी सख्त ज़रूरतो के वक्त रुपया रहना बड़े भाग्य की बात है।

नोरा

मुझे तुमसे कह देना चाहिए कि यह सब रुपया हम लोगो को बाबू से मिला था।

मिसैज़ लिन्दे

हाँ, समझी। करीब उसी समय के वे मरे थे न ?

नोरा

हाँ, और यह भी देखो कि मैं जाकर उनकी सेवा भी नहीं कर सकी। मैं इवार के जन्म की राह रोज़ देख रही थी और उधर तावल्ति की सेवा-सुश्रूषा का भी काम था। मेरे उदार पिता ! मैं उन्हें फिर न देख सकी, क्रिस्टाइन। विवाह के बाद मेरे लिए सबसे अधिक दुःख का समय वही था।

मिसैज़ लिन्दे

मैं जानती हूँ तुम उन्हें कितना चाहती थीं। और तब तुम इटली चली गईं ?

नोरा

हाँ, उस समय हम लोगों के पास रुपया था और डाक्टरों ने जाने पर ज़ोर दिया, इसलिए हम लोग एक महीने बाद चले गए।

मिसैज़ लिन्दे

और तुम्हारे पति बिलकुल अच्छे होकर आये ?

नोरा

बिलकुल घंटे की तरह ठोस होकर।

मिसैज़ लिन्दे

लेकिन डाक्टर तो...

नोरा

कौन डाक्टर ?

मिसैज़ लिन्दे

मुझे ऐसा ख्याल पड़ता है कि तुम्हारी नौकरानी ने, जो महाशय मेरे आने के साथ ही यहाँ आये थे उन्हे डाक्टर कहा था।

नोरा

हाँ, वह डाक्टर रैंक थे, लेकिन वे यहाँ डाक्टरी करने नहीं आते। वे हम लोगो के बड़े मित्र हैं और प्रायः नित्य ही आते हैं, एकाध बार। तावल्ति को तब से कभी एक घंटे की भी वीमारी नही हुई। बच्चे भी हमारे बहुत स्वस्थ और सबल हैं और वैसी ही मै भी हूँ। [खडी होकर ताली पीटती है] क्रिस्टाइन! क्रिस्टाइन! प्रसन्न रहना और बराबर सजीव रहना कितना अच्छा है। लेकिन यह मेरे लिए कितना बुरा है कि मै अपनी बाते छोड़ कर और कुछ नही कह रही हूँ। [उसके पास एक स्टूल पर बैठ जाती है और उसके घुटनों पर अपनी बाँह टेक देती है] मुझसे नाराज न होना। वास्तव मे तुम अपने पति से प्रेम नहीं करती थी? मुझसे सच सच कहना। फिर तुमने उनसे शादी ही क्यो की ?

मिसैज़ लिन्दे

उस समय मेरी माँ जीवित थी, असहाय अवस्था मे चारपाई पर पड़ी पड़ी। मुझे अपने दो छोटे भाइयो के निर्वाह की भी

चिन्ता थी। इसलिए मैंने उनके प्रस्ताव को अस्वीकार करना उचित नहीं समझा।

नोरा

तुमने ठीक किया। उस समय वे धनी थे। फिर ?

मिसैज़ लिन्दे

मुझे विश्वास है उनकी स्थिति काफ़ी अच्छी थी, लेकिन उनका व्यवसाय बड़े जोखिम का था और जब वे मर गये वह यों ही चौपट हो गया और फिर कुछ भी नही बचा।

नोरा

तब ?

मिसैज़ लिन्दे

और तब जहाँ जैसा अवसर मिला वैसा ही काम करना पड़ा। पहिले एक छोटी सी दूकान खोली और फिर एक मामूली स्कूल। इसी तरह चलता रहा। पिछले तीन वर्ष मे कभी भी विश्राम या अवकाश नही मिला। अब उसका भी अंत हो गया नोरा ! मेरी दुखिया माँ को अब मेरी जरूरत नहीं है, वह तो चली गई; और लड़को को भी अब मेरी जरूरत नहीं। उनको भी जगहे मिल गई है और अपनी देख रेख वे कर लेंगे।

नोरा

तुम्हे इस समय कितनी शान्ति मालूम होती होगी !

मिसैज़ लिन्दे

नहीं जी, वास्तव मे मै तो अपने जीवन को इतना सूना पा

रही हूँ कि सहा नहीं जा सकता। अब कोई नहीं है जिस के लिए जीऊँ, जिसके लिए परिश्रम करूं। [ बेचैनी से उठ खड़ी होती है ] इसीलिए वहाँ मुझे अपना जीवन दूभर मालूम होने लगा। मुझे ऐसी आशा है कि यहाँ कोई काम आसानी से मिल जायगा जिसमें मैं भी लगी रहूँगी और मेरा दिल भी लगा रहेगा। अगर संयोग से मुझे कोई नियमित काम मिल जाता—किसी तरह का दफ़्तर का काम

नोरा

लेकिन क्रिस्टाइन, वह तो बड़ा थका देने वाला काम होता है, और इस समय तुम वैसे ही बहुत थकी मालूम हो रही हो। तुम्हारे लिए तो कहीं समुद्र के किनारे चला जाना बड़ा अच्छा होगा।

मिसैज़ लिन्दे

[ खिड़की की ओर जाते हुए ] मेरे पिता नहीं हैं भ्रमण के लिए रुपया देने के लिए, नोरा।

नोरा

[ उठती हुई ] हाँ, हाँ, मुझसे अप्रसन्न न हो।

मिसैज़ लिन्दे

[ उसके पास आकर ] तुमको भी मुझसे नाराज़ नहीं होना चाहिए। मेरी इस स्थिति की सबसे बुरी बात यह है कि यह आदमी को कटु बना देती है। कोई अपना नहीं जिसके लिए कार्य करने में आनन्द का अनुभव हो, लेकिन तब भी मजबूर होकर

चारो ओर अवसर देखते रहना ! जीना तो है ही। इस लिए आदमी स्वार्थी हो जाता है। जब तुमने अपने भाग्य के सुन्दर पलटा खाने की बात कही, तब तुम विश्वास तो शायद न करो लेकिन मैं जितनी प्रसन्न अपने लिए हुई थी उतनी तुम्हारे लिए नहीं।

नोरा

तुम्हारा क्या मतलब है ? हाँ, अब समझी। तुम्हारा मतलब है कि शायद तावरित तुम्हारे लिए किसी जगह की व्यवस्था कर दें।

मिसेज़ लिन्दे

हाँ, मैं यही सोच रही थी।

नोरा

वह जरूर करेंगे क्रिस्टाइन ! यह बात मुझ पर छोड़ दो— मैं चालाकी के साथ यह बात उनके सामने पेश करूँगी। मैं कोई ऐसी बात सोच लूँगी जिससे वह बहुत प्रसन्न होंगे। तुम्हारे किसी काम आने से मुझे सचमुच बड़ी प्रसन्नता होगी।

मिसेज़ लिन्दे

मेरी सहायता करने के लिए तुम्हारी इतनी उत्कंठा, तुम्हारी कृपा है। तुम कितनी उदार हो ! तुम्हारे लिए इस उदारता की मात्रा और अधिक बढ़ जाती है क्योंकि तुमको जीवन के बोझ का और दुःख का कोई पता नहीं है।

नोरा

मुझे ? मैं इस बारे में इतना कम जानती हूँ ?

मिसैज़ लिन्दे

बिटिया, घर की छोटी मोटी चिन्ताएँ और उस तरह की फ़िक्रे दूसरी बात है। तुम अभी बच्ची हो नोरा !

नोरा

[ सिर हिला कर कमरे के दूसरी ओर जाती है ] तुम्हे अपने ही को इतना अधिक अनुभवी नही समझना चाहिए।

मिसैज़ लिन्दे

नही ?

नोरा

तुम भी उन सब की तरह हो जो समझते हैं कि मै किसी भी गंभीर बात के अयोग्य हूँ।

मिसैज़ लिन्दे

जाने भी दो।

नोरा

जैसे मै संसार के झॅझटो मे नही पड़ी हूँ।

मिसैज़ लिन्दे

लेकिन नोरा ! तुम तो अपने सब झँझटो की बात अभी कह चुकी हो।

नोरा

जी हां, वे तो मामूली बातें थी। [ धीमी आवाज मे ] मैंने सब से ख़ास बात तो बतलाई ही नही।

मिसैज़ लिन्दे

खास बात ! इसका क्या मतलब ?

नोरा

तुम मुझे बिलकुल नीची नजर से देखती हो, क्रिस्टाइन ! लेकिन तुम्हें यह मान होना नही चाहिए। तुम्हे गर्व है, है कि नहीं ? अपनी माँ के लिए इतने दिनों तक इतनी मेहनत करने का।

मिसैज़ लिन्दे

वास्तव मे मैं किसी को नीची नजर से देखती नही। लेकिन यह सच है कि मुझे गर्व भी है और हर्ष भी होता है यह सोचने मे कि माँ के अंतिम काल में मुझे ऐसा अवसर मिला कि मैं उसे अंतिम दिनो मे सुखी कर सकी।

नोरा

और तुम्हे इसका भी गर्व है कि तुमने अपने भाइयो के लिए कुछ किया है ?

मिसैज़ लिन्दे

मै समझती हूँ, मुझे इसका भी अधिकार है।

नोरा

मै भी ऐसा ही सोचती हूँ। लेकिन अब मेरी बात सुनो। मेरे पास भी इस तरह की गर्व करने और प्रसन्न होने की बात है।

मिसैज़ लिन्दे

मुझे इसमे सन्देह नहीं कि तुम्हारे पास होगी। लेकिन तुम्हारा अभिप्राय किस बात से है ?

नोरा

धीरे से बोलो। अगर तावल्ति सुन ले तो? उसे किसी भी हालत में नहीं सुनना चाहिए, संसार में किसी को भी मालूम न होना चाहिए, क्रिस्टाइन! तुम्हे छोड़ कर।

मिसैज़ लिन्दे

लेकिन वह है क्या?

नोरा

यहाँ आओ। [ अपनी बगल में उसे सोफा पर खींच लेती है ] मैं अब तुम्हे बतला दूँगी कि मैंने ही तावल्ति की जान बचाई थी। मेरे लिए भी गर्व करने की कोई बात है।

मिसैज़ लिन्दे

तुमने बचाई? किस तरह?

नोरा

मै तुमसे अपनी इटली-यात्रा के बारे मे कह चुकी हूँ। तावल्ति कभी न बचा होता यदि वह वहां न गया होता।

मिसैज़ लिन्दे

हाँ, लेकिन ज़रूरी ख़र्च तुम्हारे पिता ने दिया था।

नोरा

[ मुस्करा कर ] हाँ, यही तावल्ति और दूसरे लोग भी समझते हैं, लेकिन ..

मिसैज़ लिन्दे

लेकिन .

नोरा

उन्होंने एक पैसा भी नहीं दिया। मैंने ही रुपया प्राप्त किया।

मिसैज़ लिन्दे

तुमने ? वह सारी रक़म ?

नोरा

ढाई सौ पाउन्ड ! इसे तुम क्या समझ रही हो ?

मिसैज़ लिन्दे

लेकिन नोरा तुमने यह कैसे पाया ? लाटरी मे इनाम तो नहीं मार लिया ?

नोरा

[ घृणा से ] लाटरी मे ? इसमे कौन सी बहादुरी होती ?

मिसैज़ लिन्दे

तब तुम्हे कहां से मिला ?

नोरा

[ गुनगुनाते हुए और बड़े रहस्यमय ढंग से मुस्कराते हुए ] ऊँ ..

मिसैज़ लिन्दे

क्यो कि तुम्हे कर्ज़ तो शायद न मिल सका होगा ?

नोरा

क्यों नहीं ?

मिसैज़ लिन्दे

पति की राय के बिना स्त्री कर्ज़ नही ले सकती।

नोरा

[ सिर हिलाते हुए ] हाँ, लेकिन अगर स्त्री के पास ऐसी बातों के लिए दिमाग़ है, ज़रा सी चालाक हो जाने की समझ है ?

मिसैज़ लिन्दे

मेरी समझ मे यह बिलकुल नही आ रहा है, नोरा !

नोरा

तुम्हारे समझने की कोई ज़रूरत भी नहीं है। मैंने यह तो कहा नही कि मैंने रुपया कर्ज लिया है। मुझे किसी दूसरे तरीक़े से मिल गया होगा। [ सोफ़ा पर लेट जाती है ] शायद मुझे किसी दूसरे चाहने वाले से मिल गया हो। जब कोई मेरी तरह आकर्षक हो ..

मिसैज लिन्दे

तुम बड़ी नटखट हो।

नोरा

अब तुम बहुत उत्सुक हो रही हो, क्रिस्टाइन ?

मिसेज लिन्दे

नोरा ! मेरी बात सुनो, क्या तुमने ज़रा सी बेवकूफ़ी नहीं की।

नोरा

[ तनकर बैठती हुई ] अपने पति की जान बचाना बेवकूफ़ी है ?

मिसैज लिन्दे

मुझे तो यह बेवकूफ़ी मालूम होती है. उसकी जानकारी के बिना ही...

नोरा

लेकिन यह आवश्यक हो उठा था कि वह न जानने पावे। भली आदमिन, क्या तुम यह नहीं समझ सकती कि यह आवश्यक था कि अपनी भयंकर दशा का उन्हें पता न चले। डाक्टरों ने मुझ से कहा कि उनकी ज़िन्दगी खतरे में है और उनकी रक्षा यदि हो सकती है तो केवल दक्षिण जाने से। तुम समझ सकती हो कि जिस बात की ज़रूरत थी उसे पहले मैं ने अपने बहाने से कराने की कोशिश न की होगी? मैंने उनसे कहा दूसरी युवती पत्नियों की तरह बाहर की यात्रा मुझे कितनी प्रिय होगी। मैंने उनके सामने आँसू बहाए, चाल-बाजियाँ की। मैंने उन्हे अपनी उस समय की हालत का ख्याल कराया और उनसे उदार सहानुभूति के लिए प्रार्थना की। मैंने उन्हे कर्ज लेने के लिए भी इशारा किया। इससे तो वे चिढ़ गये, क्रिस्टाइन! उन्होंने मुझे मूर्ख कहा और यह कि पति की हैसियत से उन्हे मेरी नाज़ुकमिज़ाजी और शौकीनीपन में नहीं फँसना चाहिए, जैसा कि वे मेरे इटली जाने का कारण समझते थे। अच्छी बात है, मैंने भी संकल्प कर लिया कि तुम्हारे प्राणों की रक्षा करूँगी, और इस प्रकार मैंने इस विपत्ति से निकलने के लिए रास्ता निकाल लिया।

मिसैज़ लिन्दे

और तुम्हारे पति को तुम्हारे पिता से भी मालूम नहीं हुआ कि वह रकम उन्हो ने नहीं दी थी।

नोरा

कभी नही। पिता जी तो उसी समय मर ही गये। मै उनसे यह भेद बतलाना चाहती थी और प्रार्थना करना चाहती थी कि वे इस भेद को कभी न खोले। लेकिन वे इतने बीमार थे, क्या कहूँ उनसे कहने की कोई जरूरत ही नही रही।

मिसेज़ लिन्दे

और तब से तुमने यह भेद अपने पति से नही कहा है?

नोरा

ईश्वर जानता है, नही कहा। तुमने यह कैसे सोचा? ऐसा आदमी जिस के विचार इन बातों में इतने कठोर है.. और इसके अतिरिक्त यह तावल्ति के पुरुष स्वभाव के लिए कितने संकोच और असमंजस की बात होगी कि अपने जीवन के लिए वह मेरे ऋणी हैं! यह तो हम दोनों के सम्बन्ध को उलट पलट देगा और फिर यह सुन्दर घर और सुन्दर जिन्दगी नही रहेगी।

मिसेज़ लिन्दे

क्या तुम उनसे यह कभी नही कहोगी?

नोरा

[ गंभीर होकर तनिक मुस्कराहट के साथ ] हाँ, किसी दिन, शायद बहुत वर्षों के बाद, जब मै इतनी आकर्षक और सुन्दर नही रहूँगी। मुझ पर हँसो मत, मेरा मतलब यह है कि जब तावल्ति मुझमे इतने अधिक लीन नही रहेगे जैसे कि वह इन दिनो है, जब मेरा नाचना, कपड़े पहिनना, गाना उन्हे नीरस मालूम

होने लगेगा, तब के लिए कुछ बचा रखना अच्छा ही होगा। [ बात बदल कर ] लेकिन वह समय कभी न आवेगा। मेरे इस बड़े भेद के बारे में अब तुम क्या सोच रही हो, क्रिस्टाइन? अब भी तुम समझती हो कि मै किसी काम की नही हूँ ? मै तुमसे यह भी कह देना चाहती हूँ कि इस झंझट से मुझे बड़ी मानसिक अशान्ति रही है। मौके पर वादा पूरा करना मुझे बड़ा मुश्किल रहा है। लेन देन मे तो तिमाही सूद भी चलता है और इन्स्टालमेएट ( किस्त ) भी। इनकी व्यवस्था करना घोर कठिन है। इधर-उधर से मुझे थोड़ा-बहुत बचाना पड़ा है। कहाँ से बचा सकती हूँ तुम खूब जानती हो। घर के खर्च तो कम नहीं कर सकी हूँ—क्योंकि तावल्ति को अच्छा खाना चाहिए ही, लड़को को गंदे और भद्दे कपड़े भी नही पहिना सकती। मुझे जो कुछ उन्होने दिया होगा मैंने मजबूर होकर उन्ही पर खर्च कर दिया होगा।

मिसैज़ लिन्दे

तो यह सब तुम्हारी अपनी ही ज़रूरतों में से निकला है, नोरा !

नोरा

निस्सन्देह, दूसरे इसके लिए ज़िम्मेदार भी तो मै ही थी। जब कभी तावल्ति ने मुझे नये कपड़ों या ऐसी चीज़ों के लिए रुपया दिया है मैंने कभी उसके आधे से अधिक नही खर्च किया है। मैंने हमेशा सादी और सस्ती चीज़ ख़रीदी है। ईश्वर

की दया से कोई भी कपड़ा मेरे शरीर पर अच्छा मालूम होता है, इसलिए तावल्ति का कभी इस ओर ख्याल नही गया। लेकिन इससे मुझे तकलीफ हुई है क्रिस्टाइन ! क्यों, अच्छे कपड़े हमेशा आनन्द देते है या नही ?

मिसैज़ लिन्दे

बिल्कुल ठीक।

नोरा

हाँ, तो मैने रुपया पैदा करने के दूसरे रास्ते भी निकाले। पिछले जाड़े मे मुझे नकल करने का काफी काम मिल गया था। मै दरवाजा बन्द कर के रोज़ शाम को बैठकर बड़ी देर तक रात को लिखा करती थी। कई बार तो मै थक कर रो पड़ी, लेकिन साथ ही बैठकर लिखना और रुपया कमाना बड़े आनन्द की बात थी। वह एक प्रकार से पुरुष बन जाने की तरह का आनन्द था।

मिसैज लिन्दे

इस तरह तुम अब तक कितना अदा कर चुकी हो ?

नोरा

मै ठीक तो नही कह सकती। इस तरह के लेन देन का हिसाब रखना बड़ा कठिन है। मै इतना जानती हूँ कि मैं जो कुछ जमा कर सकी उसका एक एक पैसा मैने दे दिया। कभी कभी तो घबरा जाया करती थी। मुझे कुछ सूझ नही पड़ता था।

[ मुस्कराती है ] तब मैं यहाँ बैठकर सोचने लगती थी कि कोई बूढ़ा धनी व्यक्ति मेरे प्रेम में फँस गया है ..

मिसेज़ लिन्डे

क्या ? कौन था ?

नोरा

चुप रहो, वह मर गया है। जब उसका वसीयतनामा खुला है तो उसमें बड़े बड़े अक्षरों मे आज्ञा दी गई है कि "मेरे पास जो कुछ है सब कुछ सिक्के के रूप मे मिसेज़ नोरा हेल्मर को मिले।"

मिसेज़ लिन्डे

लेकिन नोरा रानी ! वह आदमी कौन हो सकता है ?

नोरा

तुम नहीं समझ रही हो। वास्तव में कोई ऐसा वृद्ध पुरुष न था न है। यह केवल एक ऐसी बात थी जो मैं यहाँ बैठी बैठी कल्पना किया करती थी जब रुपया मिलने का और कोई तरीका नहीं देख पड़ता था। लेकिन अब यह कुछ नहीं है। वृद्ध महाशय जहाँ हैं शान्ति से पड़े रहें। जहाँ तक मुझसे सम्बन्ध है अब न तो मुझे उनकी चिन्ता है और न उनके वसीयतनामे की। अब मेरे झंझट मिट चुके। [ खड़ी हो जाती है ] यह विचार ही कितना सुन्दर है क्रिस्टाइन ! झंझटों से छुट्टी, चिन्ताओं से छुट्टी; बिल्कुल छुट्टी, बच्चों के साथ खेलना और अपने को भूल जाना। घर को सजा कर सुन्दर रखना और ताबलि की

तबियत के मुताबिक काम करते जाना। और जरा यह तो सोचो थोड़े दिनों में वसन्त और नीला आकाश शायद एक छोटी सी यात्रा। शायद समुद्र फिर देखने को मिले। आह! क्या कहना है! सजीव रहना और प्रसन्न रहना कितनी बड़ी विभूति है।
[दालान में घंटी बजती है]

मिसैज़ लिन्दे

[उठकर] घंटी बजी। शायद मेरा यहाँ से हट जाना ठीक होगा।

नोरा

नहीं, न जाओ। यहां कोई नहीं आयेगा। यह घंटी तावल्ति के लिए बजी है।

नौकर

[दालान के दरवाजे पर] श्रीमती जी क्षमा कीजिए, साहब से मिलने एक महाशय आये हुए है, लेकिन डाक्टर उनके पास है।

नोरा

कौन है?

क्रोस्ताद

[दरवाज़े पर] मै हूँ मिसैज हेल्मर [मिसैज लिन्दे घबरा उठती है, कपड़ों में और उठकर खिड़की की ओर चली जाती है]

नोरा

[एक कदम उसकी ओर आगे बढ़ कर अन्यमनस्क और धीमी आवाज में] आप? क्या है? किस लिए आप उनसे मिलना चाहते हैं।

क्रोस्ताद

एक तरह से बैंक का काम है। बैंक में मैं एक मामूली पद पर नौकर हूँ। सुना है आपके पति उसमे हम लोगों के प्रधान होंगे।

नोरा

तव यह

क्रोस्ताद

कुछ नहीं, रोजगार की छोटी छोटी बातें मिसैज़ हेल्मर! और कुछ नहीं।

नोरा

तव कृपा करके वहाँ उनके कमरे में जाइए। [उपेक्षा से नमस्कार कर दालान का दरवाजा बन्द कर लेती है। लौटकर अंगीठी की आग कुरेदती है]

मिसैज़ लिन्दे

नोरा, यह आदमी कौन था?

नोरा

एक वकील है, क्रोस्ताद नाम है।

मिसैज़ लिन्दे

तव यह वास्तव मे वही था?

नोरा

तुम जानती हो इस मनुष्य को?

मिसैज़ लिन्दे

वर्षों पहले मैं जानती थी। एक समय हमारे नगर में सालिसिटर का मुहर्रिर था।

नोरा

हाँ, था।

मिसैज़ लिन्दे

बहुत बदल गया है।

नोरा

इसका विवाहित जीवन बड़ा दुःखमय रहा।

मिसैज़ लिन्दे

अब तो यह विधुर है न?

नोरा

हाँ, कई बच्चे भी है। अब आग ठीक जल रही है।
[अँगीठी का मुँह बन्द करती है और राकिंग चेयर एक ओर खिसकाती है]

मिसैज़ लिन्दे

लोग कहते हैं यह कई तरह का रोजगार करता है।

नोरा

वास्तव में शायद करता भी है। मै इसके बारे मे कुछ नहीं जानती। अब रोजगार की बात कौन सोचे? तबीयत ऊब रही है।

डा० रैंक

[हैल्मर के कमरे से बाहर निकलता है। दरवाजा बन्द करने के पहले कहता है] नहीं भाई. मै बाधा नहीं डालूंगा। मैं थोड़ी देर के

लिए तुम्हारी स्त्री के पास चला जाऊँगा। [ दरवाज़ा बन्द करता है और मिसैज लिन्दे को देखता है ] क्षमा कीजिए, शायद मैंने आपका एकान्त भंग किया।

नोरा

नहीं, बिल्कुल नहीं। [ उनका परिचय कराती है ] डाक्टर रैंक, मिसैज़ लिन्दे।

डा० रैंक

मैंने मिसैज़ लिन्दे की चर्चा यहाँ प्रायः सुनी है। मैं समझता हूँ आते समय सीढ़ी पर मैं आपके बराबर से होकर निकला था, मिसैज़ लिन्दे।

मिसैज़ लिन्दे

हाँ, मैं धीरे धीरे चढ़ती हूँ, सीढ़ी पर मैं अच्छी तरह से नहीं चल पाती।

डा० रैंक

कोई भीतरी कमज़ोरी है ?

मिसैज़ लिन्दे

जी नहीं, इधर मुझे बड़ा काम करना पड़ा है।

डा० रैंक

इससे अधिक कुछ नहीं ? तो मालूम होता है यहाँ आप शहर में हम लोगों के उत्सव में मनोरञ्जन के लिए आई हैं।

मिसैज़ लिन्दे

मैं किसी काम की खोज में आई हूँ।

डा० रैंक

अधिक काम की दशा यही है क्या ?

मिसैज़ लिन्दे

मनुष्य को किसी न किसी प्रकार जीवित रहना है डा० रैंक।

डा० रैंक

हाँ, साधारण लोगों की राय तो यही है कि यह आवश्यक है।

नोरा

इधर देखिए डा० रैंक, आप जानते हैं आप जीना चाहते हैं ?

डा० रैंक

अवश्य। चाहे जितना कष्ट हो, जहाँ तक सम्भव हो सके मैं दुःखी जीवन को बढ़ाना चाहता हूँ। हमारे ऐसे ही सभी रोगी हैं। और ऐसे ही वे भी हैं जो नैतिक रोगी हैं। इसी तरह का एक रोगी इस समय हेल्मर के पास है।

मिसैज़ लिन्दे

[उदासी से] अरे !

नोरा

आपका मतलब किससे है ?

डा० रैंक

क्रोस्ताद नाम का एक वकील, एक व्यक्ति जिसे आप नहीं जानती। वह नैतिक रोगी है मिसैज हेल्मर। लेकिन उसने भी कहना प्रारम्भ किया है कि उसका जीवित रहना बड़ा आवश्यक है।

नोरा

वास्तव में ? तावल्ति से उसे क्या कहना था ?

डा० रैंक

मैं नही जानता, मैंने इतना ही सुना कि वातचीत बैंक के सम्वन्ध में थी।

नोरा

मै यह नही जानती थी—उसका क्या नाम है—क्रोस्ताद का बैंक से भी कोई सम्वन्ध है।

डा० रैंक

वहाँ उसको कोई जगह मिली हुई है। [ मिसैज़ लिन्डे से ] मैं कह नही सकता कि संसार के अपने भाग में आपने भी ऐसे लोगों को देखा है या नही जो सूंघते चलते हैं नैतिक पतन, और जब उन्हे वह मिल जाता है तो उसे मजे में रुपये की जगह पर बैठा देते हैं, जिससे कि उनकी आँखें उस पर बराबर पड़ती रहे।

मिसैज़ लिन्डे

मेरी समझ में तो रोगी वे है जिन्हे सेवा की सब से अधिक आवश्यकता है।

डा० रैंक

[ अपनी गर्दन मरोडते हुए ] हाँ। आपका कहना ठीक है। यही भावना समाज को अस्पताल बना दे रही है।

[ नोरा जो अभी तक अपने विचारों में लीन रही है, अकस्मात हँसने और ताली बजाने लगती है ]

डा० रैंक

हँस क्यो रही हो ? तुम्हे कुछ भी समाज की जानकारी है ?

नोरा

मै इस नीरस समाज की परवाह क्यों करूँ ? मै किसी दूसरी ही वात पर हँस रही थी, वड़ी हँसी की बात पर । डा० रैंक ! कहिए तो जितने लोग बैंक मे रहेगे, सव तावल्ति के मातहत रहेंगे ?

डा० रैंक

यही तुम्हारी हँसी की वात है ?

नोरा

[ मुस्कराती और गुनगुनाती हुई ] मेरा मतलब यही है । [ कमरे मे इधर उधर टहलती हुई ] कैसी वड़ी वात है ! हम लोगो को तावल्ति को इतना वड़ा अधिकार है ! [ जेब से पैकट निकाल कर ] डा० रैंक ! मैकरून के वारे मे आपके क्या विचार है ?

डा० रैंक

क्या ? मैकरून ? मुझे तो मालूम था कि इस घर में यह चीज नही आ सकती ।

नोरा

हाँ, यह थोड़ा सा क्रिस्टाइन ने दिया है ।

मिसैज लिन्डे

क्या ? मैंने ?

नोरा

अच्छा घबराओ मत। तुमको क्या पता था कि तावल्ति ने इसके लिए मनाही कर रखी है? उनको डर है कि इससे मेरे दाँत बिगड़ जायेंगे। लेकिन ओह! कभी एकाध खा लेने से क्या हो जायगा? ठीक है न डा० रैंक? आपकी आज्ञा से [ उसके मुँह मे एक मैकरून डाल देती है ] एक तुम भी लो क्रिस्टाइन! एक मैं भी ले लूंगी; या अधिक से अधिक दो। [ इधर उधर घूमती हुई ] कितना आनन्द है! संसार मे एक ही काम है जो मैं बड़े प्रेम से कर सकती हूँ।

डा० रैंक

कौन सा काम है वह?

नोरा

अगर तावल्ति सुनते हो, तो मै बड़ी प्रसन्नता से कहूँगी।

डा० रैंक

खैर, कहती क्यो नही?

नोरा

साहस नही होता, बड़ी आपत्तिजनक बात है।

मिसैज़ लिन्दे

आपत्तिजनक?

डा० रैंक

सुनो मै तुम्हे ऐसी बात कह डालने की राय नहीं दे सकता, लेकिन हम लोगो से तुम चाहो तो कह भी सकती हो। तुम

कौन सी बात कहने के लिए इतन उत्सुक हो, अगर तावल्ति सुनते हो तो ?

नोरा

मै कहना ही पसन्द करती हूँ । सुनो, मेरा पतन हो गया है ।

डा० रैंक

पागलपन तो नही सवार है ?

मिसैज़ लिन्दे

प्यारी नोरा !

डा० रैंक

कहो, ये है ।

नोरा

[ पैकट छिपाती हुई ] चुप, चुप, चुप । [ हेलमर अपने कमरे के बाहर आता है, उसकी बाँह पर कोट और हाथ मे हैट है । ]

नोरा

तावल्ति ! प्रियतम, तुमको उससे छुट्टी मिल गई ?

हेल्मर

हां, वह अभी गया है ।

नोरा

मैं परिचय करा दूं, ये क्रिस्टाइन है जो अभी शहर में आई है ।

हेल्मर

क्रिस्टाइन ! क्षमा कीजिए, लेकिन मै नही जानता ।

नोरा

मिसैज लिन्दे, प्रियतम, क्रिस्टाइन लिन्दे।

हेल्मर

निस्सन्देह! मेरी स्त्री की स्कूल की सखी, मैं अनुमान करता हूँ।

मिसैज लिन्दे

हाँ, हम लोग तभी की परिचित हैं।

नोरा

और ज़रा सोचो, इतनी दूर को यात्रा इन्होंने की है तुमसे मिलने के लिए।

हेल्मर

तुम्हारा मतलब ?

मिसैज लिन्दे

नहीं, वास्तव में मैं ..

नोरा

वहीखाते के काम में क्रिस्टाइन वड़ी चतुर हैं और इनकी वड़ी इच्छा है किसी जानकार आदमी की देख रेख में काम करने की, अपने को विशेषज्ञ वनाने के लिए।

हेल्मर

यह तो वड़ी समझदारी की वात है मिसैज लिन्दे!

नोरा

और जव इन्होंने सुना कि तुम वैंक के मैनेजर वनाये गये

हो—यह खबर तार से पहुँची थी—समझे ? तो जितनी जल्दी हो सका इन्होंने यहाँ की यात्रा की। तावल्ति ! मुझे विश्वास है मेरी प्रार्थना पर इनके लिए तुम कुछ कर दोगे। क्या तुमसे इतना भी नहीं हो सकेगा ?

हेल्मर

यह बिल्कुल असम्भव तो नहीं है। शायद आप विधवा हैं, मिसेज लिन्दे ?

मिसेज लिन्दे

जी हाँ।

हेल्मर

हिसाब किताब का कुछ अनुभव भी है ?

मिसेज लिन्दे

अच्छी तरह।

हेल्मर

वाह ! बहुत उम्मीद है कि मैं आपके लिए कोई व्यवस्था कर सकूँ।

नोरा

[ ताली बजाती हुई ] मैंने तुमसे क्या कहा था ?

हेल्मर

आप अच्छे संयोग से आई हैं, मिसेज लिन्दे !

मिसेज लिन्दे

मैं किस प्रकार आपको धन्यवाद दूँ ?

हेल्मर

कोई जरूरत नहीं है। [ कोट पहनता है ] लेकिन आज तो आप मुझे क्षमा करें।

डा० रैंक

क्षण भर ठहरो, मैं भी साथ चलता हूँ। [ दालान में से अपना कोट ले आता है और उसे आग पर गरम करता है ]

नोरा

तावल्ति ! प्रियतम ! बहुत देर न लगाना।

हेल्मर

एक घंटा, ज्यादा नहीं।

नोरा

क्या तुम भी जा रही हो क्रिस्टाइन ?

मिसैज़ लिन्दे

[ कोट पहनते हुए ] हाँ, मुझे जाकर एक कमरा कहीं देखना होगा।

हेल्मर

तब ठीक है, हम लोग सड़क तक साथ साथ चलेंगे।

नोरा

[ उसकी सहायता करते हुए ] कितने खेद की बात है कि जगह की यहाँ कमी है। मुझे डर है हम लोगो के लिए यह सम्भव नहीं ... ...

मिसैज़ लिन्दे

इसका ख्याल न करो। सलाम, प्यारी नोरा! और सैकड़ों धन्यवाद।

नोरा

इस समय के लिए सलाम। शाम को जरूर यहाँ आना, और आप भी डा० रैंक। आप क्या कह रहे हैं? अगर आपकी तबीयत अच्छी रही? जरूर अच्छी रहेगी। शाम को अच्छी तरह कपड़े पहन लीजियेगा। [ बातें करते हुए सब दरवाज़े तक जाते है— बच्चों की आवाज़ ज़ीने पर सुनाई पड़ती है ]

नोरा

ये आ रहे है! ये आ रहे है। [ वह दौड़ कर किवाड़ खोलती है। धाय बच्चों के साथ भीतर आती है ] आओ! आओ! [ झुक कर उन्हें चूमती है ] सुन्दर वरदान! देखो क्रिस्टाइन! इनकी ओर, ये रत्न नही है?

हेल्मर

चलो मिसैज़ लिन्दे! अब इस जगह ठहर सकना केवल माँ का काम है। [ रैंक, हेल्मर और मिसैज़ लिन्दे ज़ीने से नीचे उतरते है। बच्चों के साथ धाय भीतर चली आती है। नोरा दालान का दरवाजा बंद करती है। ]

नोरा

कितने ताजे और सुन्दर तुम देख पड़ते हो? ऐसे लाल गाल, सेब और गुलाब की तरह। [ बच्चे सब एक ही साथ बोलते

है और वह भी उनसे बोलती रहती है ] तुम लोग खूब आनन्द से खेलते रहे न ? यह अच्छा है। क्या कहा इवार ? तुम ऐनी और बाब दोनो को स्लेज पर खीचते रहे। दोनो को साथ ही साथ ? वाह ! तुम चतुर हो इवार। थोड़ी देर मुझे ले लेने दो मेरा लाल। [ वाय से बच्चे को लेकर नीचे ऊपर उछालने लगती है] हाँ, हाँ, बाब के साथ माँ भी नाचेगी। तुम लोग बर्फ की गेंद से खेलते थे ? काश मै भी वहाँ होती ! नही, नही, मै ही उनके वस्त्र उतार दूँगी। ऐन, कृपा कर इतना तो मुझे करने दो। अब भीतर जाओ। तुम्हे ठंड लगी है। अँगीठी पर तुम्हारे लिए कुछ गरम कहवा है।

[ वाय बाई ओर के कमरे में जाती है। नोरा बच्चों की चीजें उठाकर रखती है। बच्चे एक ही साथ उससे बोलने लगते हैं। ]

नोरा

सचमुच कुत्ता तुम लोगो के पीछे दौड़ा था ? लेकिन उसने तुम्हे काटा नही। नही, कुत्ते छोटे छोटे दुधमुँहे बच्चो को नही काटते। इवार, पारसल न देखो। क्या है ? सच कहती हूँ तुम उसे देखना चाहोगे। नही, नही, वह अच्छी चीज़ नही है। आओ हम लोग खेले। क्या खेला जायेगा। लुक्का—छुआ ? हाँ खेलो लुक्का—छुआ। बाब पहले छिपेगा। मै छिपूँ ? अच्छा पहले मै छिपती हूँ। [ वह और बच्चे हँसते है—कमरे मे और बाहर इधर-उधर दौड़ते है। अन्त मे नोरा मेज़ के नीचे छिप जाती है। लड़के इधर-उधर चारों ओर दौड़ते है लेकिन उसे देख नहीं पाते। वे उसकी

खिलखिलाहट सुनते हैं, मेज़ के पास दौड़ते हैं, कपड़ा उठाते हैं और उसे पा जाते है। ज़ोर की हँसी। वह ज़मीन पर रेंग कर चलती है और उन्हें डराना चाहती है। फिर हँसी। इसी बीच में दालान के दरवाज़े पर कोई धक्का देता है। लेकिन कोई भी इस बात पर ध्यान नही देता। दरवाज़ा आधा खुलता है और क्रोस्ताद प्रवेश करता है। वह कुछ देर ठहर जाता है, खेल होता ही रहता है। ]

क्रोस्ताद

क्षमा कीजिएगा, मिसैज़ हेल्मर!

नोरा

[घूम कर घुटनों के बल बैठती है] ऐं? आप? क्या चाहते है?

क्रोस्ताद

क्षमा कीजिए। बाहरी दरवाज़ा खुला था। मेरी समझ में कोई बन्द करना भूल गया।

नोरा

मेरे पति बाहर गये है, मिस्टर क्रोस्ताद!

क्रोस्ताद

मुझे मालूम है।

नोरा

तब आप क्या चाहते है?

क्रोस्ताद

आपसे दो शब्द।

नोरा

मुझसे ? [ लड़कों से धीरे से ] धाय के पास भीतर जाओ। नहीं, अपरिचित आदमी माँ को हानि नहीं पहुँचायेगा। इसके चले जाने पर हम लोग फिर खेलेंगे। [ बच्चों को बाईं ओर के कमरे में ले जाती है और दरवाज़ा बन्द कर देती है ] आप मुझसे कुछ कहना चाहते हैं ?

क्रोस्ताद

जी हाँ।

नोरा

आज ? अभी तो महीने की पहली तारीख़ नहीं आई।

क्रोस्ताद

नहीं, अभी तो कल बड़ा दिन है। बड़ा दिन आप कैसे मनावेंगी, यह आप पर ही निर्भर है।

नोरा

आप का क्या मतलब है ? आज तो मेरे लिए बिल्कुल असम्भव है।

क्रोस्ताद

उसके बारे में फिर देखा जायगा। एक दूसरी बात है। शायद आप थोड़ा सा समय देने की कृपा करेंगी।

नोरा

हाँ, हाँ, दे सकती हूँ गो कि .

क्रोस्ताद

मैं ओलसेन रेस्टरां में था और आपके पति को सड़क की ओर जाते देखा था।

नोरा

हां।

क्रोस्ताद

एक महिला के साथ।

नोरा

तब क्या हुआ ?

क्रोस्ताद

क्या मै साहस कर पूछ सकता हूँ कि वे कोई मिसेज लिन्दे थीं ?

नोरा

वही थी।

क्रोस्ताद

अभी शहर मे आ रही है ?

नोरा

जी हाँ, आजही।

क्रोस्ताद

वे आपकी बड़ी मित्र है ? है न ?

नोरा

हैं तो, लेकिन मैं नहीं समझती कि .

क्रोस्ताद्

एक समय मैं भी उन्हे जानता था।

नोरा

मुझे यह बात मालूम है।

क्रोस्ताद्

आप को ? तो आप इस बारे में सब कुछ जानती हैं। मेरा भी यही अनुमान था। तो इधर उधर न कर के मैं साफ पूछता हूँ कि मिसैज़ लिन्दे को बैंक में जगह दी जायेगी ?

नोरा

आपको क्या अधिकार है, मिस्टर क्रोस्ताद, मुझसे पूछने का ? आप मेरे पति के मातहतो में है। लेकिन जब आप पूछ रहे है तो जान ले कि हाँ मिसैज़ लिन्दे को एक जगह मिलेगी। और मैंने ही उनकी पैरवी भी की है, मिस्टर क्रोस्ताद ! मैं आपसे यह भी कह देती हूँ।

क्रोस्ताद्

तब मेरा विचार ठीक निकला।

नोरा

[कमरे में इधर उधर टहलती हुई] कभी कभी किसी का थोड़ा सा प्रभाव भी होता है, ऐसा मै समझती हूँ। अगर कोई स्त्री है तो इसका मतलब यह नहीं कि...जब आदमी मातहत हो मिस्टर क्रोस्ताद् तो उसे किसी ऐसे व्यक्ति को न चिढ़ाना चाहिए जिसका ..

क्रोस्ताद

जिसका कुछ प्रभाव है ? क्यो ?

नोरा

जी हाँ।

क्रोस्ताद

[ स्वर बदलकर ] मिसेज़ हेल्मर ! क्या आप कृपा कर अपने प्रभाव का उपयोग मेरे हित में नही करेगी ?

नोरा

क्या ? आपका मतलब ?

क्रोस्ताद

कृपा कर मेरी मातहती की जगह बैंक मे बनी रहे, इसका ख्याल आप करेगी ?

नोरा

आपका मतलब क्या है ? कौन आपकी जगह छीन रहा है ?

क्रोस्ताद

न जानने का बहाना करना फिजूल है। इसकी कोई जरूरत नहीं। मै खूब जानता हूँ कि आपकी सखी मेरे साथ एक ही दफ़्तर मे काम करने के लिए बहुत उत्सुक नही है। लेकिन मै यह भी जानता हूँ कि बर्खास्त होने पर मुझे किसका कृतज्ञ होना चाहिए।

नोरा

लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ...

क्रोग्स्ताद

बहुत सम्भव है, लेकिन अब असली बात पर आयें। अब समय आ गया है जब कि मै आपको सलाह दूँ कि आप अपने प्रभाव से यह बात न होने दें।

नोरा

लेकिन मिस्टर क्रोग्स्ताद! मेरा कोई प्रभाव नहीं है।

क्रोग्स्ताद

नहीं है? मुझे याद है आपने अभी कहा है, अभी।

नोरा

वास्तव में मेरा अभिप्राय यह नहीं था कि आप उसका यह मतलब लगावें। आपको यह क्यों मान लेना चाहिए कि मेरा अपने पति पर कुछ उस तरह का प्रभाव है?

क्रोग्स्ताद

अजी मैं आपके पति को अपने विद्यार्थी दिनों से ही जानता हूँ। मै नहीं समझता कि उनपर प्रभाव डालना दूसरे पतियों की अपेक्षा कठिन है।

नोरा

अगर आप मेरे पति की शान के खिलाफ़ बोलेंगे तो मैं आपको अपने घर से निकाल बाहर कर दूँगी।

क्रोग्स्ताद

बड़ा साहस कर रही हैं आप, मिसेज़ हेल्मर।

नोरा

मुझे अब आपका डर नहीं है। ज्यों ही नया वर्ष प्रारम्भ होता है, मैं सारे झंझट से थोड़े ही समय में छुटकारा पा जाऊंगी।

क्रोस्ताद

[ अपने को सम्हालकर ] सुनिये श्री मिसैज हेल्मर! अगर ज़रूरत पड़ेगी तो मै बैंक की अपनी छोटी नौकरी के लिए लडूंगा भी, जैसे अपनी ज़िन्दगी के लिए लड़ता।

नोरा

मालूम तो ऐसा ही हो रहा है।

क्रोस्ताद

वास्तव में रुपये के लिए नहीं, उसका वज़न इस समय कुछ भी नहीं है। इसके दूसरे कारण है, मै आपसे कह भी दूं। मेरी हालत यह है, मै समझता हूँ जैसे और लोग जानते हैं आप भी जानती होंगी कि एक वार कई वर्ष पहले मुझ से एक ग़लती हो गई थी।

नोरा

याद पड़ रहा है, मैने भी कुछ सुना है।

क्रोस्ताद

यह वात अदालत के सामने कभी नहीं आई। लेकिन उसके वाद मेरे लिए जैसे सभी रास्ते वन्द हो गए। इसलिए मैं उस काम मे लगा जिसे आप जानती हैं। मुझे कुछ करना तो था ही। ईमानदारी के साथ, मैं नहीं समझता कि मैं दूसरों

से बुरा रहा। लेकिन अब मुझे उससे छुट्टी ले लेनी है। मेरे लड़के बड़े हो रहे है। उनके लिए मुझे प्रयत्न कर के शहर में जो कुछ सम्मान मिल सके प्राप्त कर लेना चाहिए। बैंक की यह नौकरी उधर।ऊपर चढ़ने की पहली सीढ़ी थी। अब आपके पति मुझे लात मारकर सीढ़ी के नीचे कीचड़ में गिराने जा रहे हैं।

नोरा

लेकिन मिस्टर क्रोस्ताद! मै आपको विश्वास दिला रही हूँ कि आपकी सहायता मेरे वश की बात नहीं है।

क्रोस्ताद

तब यह कि आपकी इच्छा नही है। लेकिन आपको मजबूर करने के लिए मेरे पास हथियार है।

नोरा

आपका मतलब यह तो नहीं कि आप मेरे पति से कह देंगे कि मै आपकी कर्जदार हूँ?

क्रोस्ताद

हूँ! मान लीजिए कि मै कह दूँ?

नोरा

यह आपके लिए लज्जा की बात होगी। [सिसकती हुई] इसकी कल्पना करना ही कि उनपर मेरा वह रहस्य खुल जायेगा जो मेरे लिए आनन्द और गर्व का कारण रहा है, और वह भी इस भद्दे तौर पर आपके द्वारा, यह मेरा बड़ा भयंकर और अरुचिकर परिस्थिति मे पड़ जाना होगा।

क्रोस्ताद

केवल अरुचिकर ?

नोरा

[ विक्षोभ से ] अच्छा यही कीजिए। आपके लिए यह और बुरा होगा। मेरे पति स्वयं देख लेंगे आप कितने पतित हैं और तब बैंक से आप निकल जायेंगे।

क्रोस्ताद

मैंने आपसे पूछा कि आप को केवल घर में ही एक अरुचिकर दृश्य उपस्थित होने का डर है ?

नोरा

अगर मेरे पति को मालूम हो जाता है तो निस्सन्देह आपका रुपया मिल जाता है। जो कुछ भी बाकी है वे आपको दे देते हैं और फिर हम लोगों से आपका कोई प्रयोजन नहीं रहता।

क्रोस्ताद

[ [illegible] ] सुनिए मिसेज हेल्मर ! या तो आपकी यादगार बड़ी अच्छी नहीं है या लेन देन की बात आप बहुत कम जानती हैं। मुझे कुछ छोटी मोटी बातें बतलानी पड़ेंगी।

नोरा

आपका मतलब ?

क्रोस्ताद

जब आपके पति बीमार थे तब आप मेरे यहाँ आई थीं, दो सौ पचास पाउण्ड कर्ज लेने के लिए।

नोरा

मै किसी दूसरे को नही जानती थी, जिसके यहाँ जाती।

क्रोग्स्ताद

मैने आपको वह रकम देने को कहा।

नोरा

हाँ और आपने दी भी।

क्रोग्स्ताद

मैने वह रकम देने को कहा था कुछ ख़ास शर्तों पर...अपने पति की बीमारी से आप इतनी व्यस्त थी और अपने सफर के लिए रुपया पाने को आप इतनी उत्सुक थी कि जैसे आपने मेरी शर्तों का बिल्कुल ख़्याल नही किया। इसलिए अगर मैं आपको याद दिलाऊं तो कोई ग़ैरवाजिबी बात न होगी। मैने रुपया देने का इकरार किया था एक इकरारनामे के आधार पर जिसे मैंने ही तैयार भी किया।

नोरा

हाँ, और जिस पर मैंने दस्तख़त किया था।

क्रोग्स्ताद

ठीक। लेकिन आपके हस्ताक्षर के नीचे कुछ सतरें थी जिनमे आपके पिता इस रकम के लिए ज़ामिन पड़े थे। उन सतरों पर आपके पिता का दस्तखत होना चाहिए था।

नोरा

चाहिए था ? उन्होने दस्तखत किया था।

क्रोस्ताद

मैंने तारीख की जगह खाली छोड़ दी थी। मतलब यह कि दस्तखत के साथ ही आपके पिता उस पर तारीख भी डाल दिये होते। याद है ?

नोरा

हाँ, याद पड़ रहा है।

क्रोस्ताद

तब मैंने इकरारनामा आपको दे दिया, डाक से अपने पिता के पास भेजने के लिए। है या नहीं ऐसा ?

नोरा

हाँ।

क्रोस्ताद

और आपने उसी समय भेजा भी। क्योंकि पाँच छः दिन के बाद ही आपने अपने पिता के हस्ताक्षर के साथ इकरारनामा मुझे लौटा दिया। और तब मैंने आपको रुपया दिया।

नोरा

अच्छा तो क्या मैं उसे नियम से अदा नहीं करती गई हूँ ?

क्रोस्ताद

बिल्कुल ठीक। लेकिन यह अवश्य है मिसेज हेल्मर, कि वह समय आपके लिए बड़े कष्ट का रहा होगा।

नोरा

वास्तव में था।

क्रोस्ताद

आपके पिता बहुत बीमार थे। है न ठीक ?

नोरा

उनका तो अन्तकाल निकट था।

क्रोस्ताद

यह तो बताइए मिसेज़ हेल्मर—किसी तरह मुझे बता सकती हैं—कि अपाके पिता कब मरे थे ? महीने की किस तारीख को ?

नोरा

२९ सितम्बर को।

क्रोस्ताद

ठीक। मैंने भी यह मालूम कर लिया है और अगर ऐसा है तो एक अन्तर है [ जेब से कागज़ निकालते हुए ] जिसके बारे में कि मैं कुछ नहीं कह सकता।

नोरा

कैसा अन्तर ? मैं नहीं जानती।

क्रोस्ताद

अन्तर इस बात में है मिसेज़ हेल्मर ! कि आपके पिता ने इक़रारनामे पर दस्तख़त किया अपने मरने के तीन दिन बाद !

नोरा

क्या कह रहे हैं आप ? मैं नहीं समझती।

क्रोस्ताद

आपके पिता २९ सितम्बर को मरे, लेकिन यहाँ देखिए

आपके पिता ने इस पर तारीख दी है २ अक्टूबर। यह अन्तर है। है या नही ? [ नोरा चुप हो जाती है ] आप यह मुझे समझा सकेगी ? [ नोरा फ़िर भी चुप रहती है ] यह भी एक विचित्र बात है कि ये शब्द '२ अक्टूबर' आपके पिता की क़लम के लिखे नही है, बल्कि उस क़लम के लिखे हैं, जिसे मैं खूब जानता हूँ। खैर यह साबित किया जा सकता है कि आपके पिता तारीख देना भूल गये होगे और उनके मरने पर किसी दूसरे ने तारीख घसीट दी होगी। खैर, इसे जाने दीजिए सब दस्तखत पर मुनह-सर है और जहाँ तक मैं समझता हूँ वह तो असली है मिसैज़ हेल्मर ? यहाँ पर नाम तो आपके पिता ने ही लिखा था ?

नोरा

[ जरा सा हिचक कर सिर ऊपर उठाती है और उसकी ओर निडर होकर देखती हुई ] नही, नही, उनका नाम भी मैंने ही लिख दिया था।

क्रोस्ताद

यह स्वीकार कर लेना कितना भयंकर है ? जानती है आप ?

नोरा

किस तरह ? आप को अपना रुपया जल्दी ही मिल जायेगा।

क्रोस्ताद

मैं आपसे एक बात पूछता हूँ। आपने इक़रारनामा अपने पिता के पास क्यों नही भेजा ?

नोरा

यह असम्भव था। वे बहुत बीमार थे। अगर मैं हस्ताक्षर

के लिए कहती तो यह पूछा जाता कि रुपया क्या होगा। और जब वे स्वयं बीमार थे मैं यह नहीं कह सकती थी कि मेरे पति का जीवन संकट में है। यह असम्भव था।

क्रोस्ताद

लेकिन आपको यह नहीं पता चला कि आप मेरे साथ जाल रच रही हैं।

नोरा

मैं यह सोच नहीं सकी। मैंने आप के बारे में कोई भी चिन्ता नहीं की। मैं आप का व्यवहार सह नहीं सकी। मेरा दुःख देखकर भी आप किस हृदयहीनता के साथ कठिनाई पर कठिनाई रख रहे थे।

क्रोस्ताद

मिसेज हेल्मर ! आप यह नहीं समझ रही हैं कि आपने कैसा जुर्म किया है ' लेकिन मैं आप को विश्वास दिलाता हूँ कि मेरा एक बुरा काम जिसने मेरा सब कुछ बिगाड़ दिया आपके जुर्म के सामने कुछ भी नहीं है।

नोरा

आप का ? आप मुझसे यह कह रहे हैं कि अपनी स्त्री की रक्षा के लिए आपने संकट का सामना किया था; इस लिए आप साहसी हैं ?

क्रोस्ताद

कानून उद्देश्य की ओर नहीं देखता।

नोरा

तव वह मूर्खता का कानून होगा।

क्रोस्ताद

मूर्खता का या समझदारी का, आप का न्याय कानून से ही ्होगा, यदि, मैं यह कागज़ अदालत मे दाखिल कर दूँ।

नोरा

मुझे इसका विश्वास नहीं। क्या लड़की को यह अधिकार नहीं कि वह अपने मरते हुए पिता को झंझट से बचावे? क्या स्त्री को यह अधिकार नही कि वह अपने स्वामी के प्राणों की रक्षा करे? मैं बहुत कानून नही जानती, लेकिन मुझे विश्वास है ऐसे कानून भी होंगे जिनमे इन बातों की आज्ञा मिली होगी। क्या आप को उन धाराओं का ज्ञान नही है, गोकि आप स्वयं वकील हैं? तव तो आप बड़े गये गुजरे वकील होंगे मि० क्रोस्ताद!

क्रोस्ताद

हो सकता है। लेकिन लेन देन का काम, जैसा कि हम लोगों के वीच हुआ है—आप समझती हैं कि मै उसे भी नही जानता? अच्छी वात है, जैसी मर्जी हो कीजिए। लेकिन यह समझ लीजिए कि अगर मुझे अपनी इज्जत दूसरी वार भी खोनी पड़ी तो आपको भी अपनी इज्जत खोनी होगी। [ झुक कर दालान के वाहर चला जाता है ]

नोरा

[ थोड़ी देर के लिए गहरी चिन्ता मे पड जाती है, फिर इधर उधर

सिर हिलाती है ] मूर्ख ! मुझे इस तरह डराना चाहता है ! जैसी समझता है वैसी मूर्ख नहीं हूँ। [ बच्चों के खिलौने ठिकाने से रखने मे लग जाती है ] तिस पर भी नहीं, यह असम्भव है। मैंने यह प्रेम के कारण किया था।

बच्चे

[ बाईं ओर के दरवाजे पर ] माँ, अपरिचित आदमी फाटक के बाहर चला गया।

नोरा

हाँ, मेरे लाल, जानती हूँ। लेकिन किसी से अपरिचित आदमी के बारे मे न कहना। सुना ! बाबू से भी नहीं।

बच्चे

नहीं माँ, लेकिन फिर खेलोगी नहीं ?

नोरा

नहीं, अभी नहीं।

बच्चे

लेकिन माँ, तुमने कहा था।

नोरा

हाँ, लेकिन इस समय नहीं, मुझे बड़ा काम करना है। भीतर जाओ। मेरे लाल चले जाओ भीतर, जाओ—[ एक एक कर उनको कमरे मे रखकर वह दरवाजा बन्द करती है। फिर सोफा पर बैठती है। जाली बुनने बैठती है। लेकिन जल्दी ही छोड़ देती है ] नहीं—[उठती है, दालान के दरवाजे पर जाकर बुलाने लगती है]—हेलन ! क्रिसमस-ट्री

यहाँ लाना। [बाईं ओर की मेज तक जाती है] नहीं, नहीं, असम्भव है।

दासी

[क्रिस्मस-ट्री लकर] इसे कहां रखूं श्रीमतो ?

नोरा

यहीं फर्श पर बीचोबीच।

दासी

और कुछ ?

नोरा

नहीं, धन्यवाद, और जरूरी चीजें यहीं है। [दासी का प्रस्थान। ट्री को सजाने लगती है।] एक मोम वत्ती यहाँ—यहाँ एक फूल—भयंकर पुरुष। सब मूर्खता है, होगा क्या ? ट्री सुन्दर सजेगा। मै सब कर लूँगी, मै तुम्हे प्रसन्न करने की दवा जानती हूँ तावलित! मै तुम्हारी खातिर गाऊँगी, नाचूँगी [बगल मे कुछ कागज़ दवाये हेलमर का प्रवेश] वाह! तुम अभी आ गये ?

हेल्मर

हाँ, कोई यहाँ आया था ?

नोरा

यहाँ ? नहीं।

हेल्मर

आश्चर्य है। मैने क्रोस्ताद को फाटक से वाहर होते देखा है।

नोरा

देखा तुमने ? हॉ, हॉ, भूल गई। क्रोस्ताद एक क्षण के लिए आया था।

हेल्मर

नोरा, तुम्हारे चेहरे से मालूम हो रहा है, वह यहाँ आया था, अपनी वकालत के लिए तुमसे प्रार्थना करने।

नोरा

हॉ।

हेल्मर

और तुम यह ज़ाहिर करना चाहती थी कि तुम स्वेच्छा से कह रही हो ? उसके यहाँ आने की बात तुम्हें छिपानी थी ? क्या उसने तुमसे इसकी भी भिक्षा नहीं माँगी ?

नोरा

हॉ तावल्ति ! लेकिन .

हेल्मर

नोरा ! नोरा ! ऐसी बातो मे तुम फँसोगी ? ऐसे आदमी से बात करना और उसे किसी तरह की आशा देना या प्रतिज्ञा करना और उसके साथ ही मुझसे झूठ बोलना !

नोरा

झूठ ?

हेल्मर

नहीं कहा तुमने कि कोई आदमी नही आया था ? [ उस पर

उगली उठाकर ] मेरी मैना, ऐसा फिर न हो। मैना का मुंह बरा-बर साफ रहना चाहिये ताकि उससे ग़लत राग न निकले। [ उसकी कमर मे हाथ डालता है ] ऐसा ही न? मुझे विश्वास है ऐसा ही। [ उसे छोड कर ] अब इस विषय मे और कुछ कहना-सुनना न होगा। [ अगीठी के पास बैठ जाता है ] कितना अच्छा मालूम हो रहा है। कैसा गरम है। [ अखबार उलटने लगता है ]

नोरा

[ क्रिसमस-ट्री में लगी हुई कुछ देर चुप रहने के बाद ] तावल्ति !

हेल्मर

कहो।

नोरा

परसो स्तेनबरा के यहाँ फैन्सी ड्रेस बाल होगा। मैं भी उसकी उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही हूँ।

हेल्मर

और मै बड़े ज़ोर से उत्सुक हूँ कि तुम किस चीज़ से मुझे विस्मय मे डालोगी।

नोरा

उसकी इच्छा करना मेरी बड़ी मूर्खता थी।

हेल्मर

क्या मतलब ?

नोरा

कोई भी चीज ठीक नही देख पड़ती। जिधर नजर पड़ती है, जो कुछ भी मै सोचती हूँ, सब जैसे बेवकूफी की बाते।

हेल्मर

तो क्या अन्त मे नोरा ने भी इसे मान लिया ?

नोरा

( उसकी कुर्सी के पीछे खडी होकर—उसपर हाथ रखकर ) तुम काम मे बहुत व्यस्त हो ?

हेल्मर

कहो ।

नोरा

यह कागज कैसे हैं ?

हेल्मर

बैंक सम्बन्धी ।

नोरा

अभी से ?

हेल्मर

पुराने मैनेजर ने कर्मचारियो मे आवश्यक परिवर्तन और काम को नये सिरे से संगठित करने का अधिकार मुझे अभी से दे दिया है । इसी सप्ताह मे यह काम मुझे कर लेना है, ताकि नये वर्ष तक सब कुछ ठीक रहे ।

नोरा

इसीलिए बेचारा क्रोस्ताद .

हेल्मर

हूँ ।

नोरा

[ उसकी कुर्सी के पीछे खडी होकर और उसका वाल थपथपा कर ] अगर तुम बहुत व्यस्त न होते तो मै तुमसे एक वहुत . बहुत बड़ी कृपा के लिए प्रार्थना करती, तावल्ति !

हेल्मर

कहो भी क्या है ?

नोरा

कोई भी तुम्हारी ऐसी सुसंस्कृत रुचि का नही है, और मैं फैन्सी ड्रेस बाल मे अत्यन्त आकर्षक दिखाई देना चाहती हूँ। क्या इसी समय तुम निश्चित नही कर सकोगे कि मै किस रूप में जाऊँ ? कैसी पोशाक में ?

हेल्मर

वाह ! वाह। तो मेरी निर्द्वन्द्व मोहिनी किसी की सहायता चाहती है, अपने निर्वाह के लिए।

नोरा

तावल्ति ! मै तो विना तुम्हारी सहायता के एक कदम भी आगे नही वढ़ सकती।

हेल्मर

अच्छी वात है, सोचूँगा। कोई सूरत निकाल ली जायगी।

नोरा

तुम्हारी वड़ी कृपा होगी [ क्रिसमस-ट्री के पास जाती है—थोड़ी

देर तक चुपचाप सन्नाटा] लाल लाल फूल कितने सुन्दर हैं! लेकिन क्यों जी यह क्रोस्ताद किसी बड़े अपराध का दोषी है?

हेल्मर

उसने जालसाज़ी से दूसरे के दस्तखत बनाए थे। तुम समझती हो यह कैसा अपराध है?

नोरा

क्या यह सम्भव नहीं कि उसे आवश्यकता से बाध्य होकर यह करना पड़ा हो?

हेल्मर

हाँ—या, जैसा कि प्रायः होता है, नासमझी से। मैं इतना हृदयहीन नहीं हूँ कि ऐसी केवल एक ग़लती के कारण किसी मनुष्य से घृणा करने लगूं।

नोरा

नहीं, तुम नहीं करोगे। तुमसे ऐसा हो सकेगा तावलित?

हेल्मर

बहुत से लोगों ने अपना अपराध खुले आम मंजूर कर के और उस के लिए दण्ड स्वीकार कर के, अपने चरित्र के कलंक को धो डाला है।

नोरा

दण्ड?

हेल्मर

लेकिन क्रोस्ताद ने यह कुछ नहीं किया। उसने चालाकी

से अपने को बचा लिया, और इसी लिए वह इतना नीचे गिर गया।

नोरा

तुम समझते हो कि इससे

हेल्मर

तुम्हीं सोचो उसके ऐसे अपराधी आदमी को हर एक से कैसे झूठ बोलना पड़ता है और कितना ढोंग करना पड़ता है। अपने सम्बन्धियो के सामने, अपनी स्त्री और बच्चो के सामने भी नक़ाबपोशी ! और बच्चो पर कैसा प्रभाव पड़ता है। इसका सब से भयंकर पहलू तो यही है।

नोरा

यह कैसे ?

हेल्मर

क्योंकि इस तरह के झूठ और ढोंग से घर का समस्त वातावरण दूषित हो जाता है। बच्चो की सांस के साथ जो हवा अन्दर जाती है, उस मे मानो विषैले कीटाणु मिले रहते है।

नोरा

[ उसके नज़दीक जाकर ] प्रियतम ! क्या तुम इसके बिल्कुल क़ायल हो ?

हेल्मर

प्यारी, मैंने अपनी वक़ालत की ज़िन्दगी मे इस तरह

की बातें प्रायः देखी हैं। जो लोग छोटी अवस्था में ही बिगड़ जाते हैं वे प्रायः सब फरेबी माँ से पैदा होते हैं।

नोरा

केवल माँ के लिए ही क्यों कह रहे हो ?

हेल्मर

साधारणतः माता का ही प्रभाव अधिक देखा जाता है गोकि स्वभावतः बुरे बाप का प्रभाव भी वही होगा। प्रत्येक वकील यह बात जानता है। यह क्रोस्ताद जान बूझ कर अपने बच्चों को ज़हर पिला रहा है, झूठ से, दग़ा से, और इसी लिए मैं कहता हूँ कि इसके पास कोई भी नैतिक बल नहीं है। [ उसकी ओर हाथ बढ़ाते हुए ] इसलिए मेरी प्यारी नोरा को वचन देना होगा कि वह उसकी वकालत नहीं करेगी। अपना हाथ लाओ। यह क्या ? हाथ बढ़ाओ। अब यह निश्चित हो गया। विश्वास रक्खो उसके साथ मेरा काम करना नितान्त असम्भव है। मेरी तो ऐसे लोगों का साथ होने से सचमुच तबीयत ख़राब हो जाती है।

नोरा

[ उसके हाथ में से अपना हाथ निकाल कर क्रिसमस-ट्री के दूसरी ओर जाती है ] कितनी गरमी है और कितना काम करना है।

हेल्मर

[ उठते हुए और कागज़ात ठीक करते हुए ] हाँ और भोजन के पहले ही इनमे से मुझे कुछ देख जाना चाहिए। और तुम्हारी पोशाक के बारे मे भी सोचना है। यह भी हो सकता

है कि सुनहले कागज़ मे मेरे पास कुछ ट्री पर टांगने के लिए भी मिल जाय। [ अपना हाथ नोरा के सिर पर रखता है ] मेरी नायाव मुन्नी! [ कमरे में जाकर दरवाजा बन्द कर लेता है ]

नोरा

[ कुछ देर रुक कर धीरे धीरे कहती है ] नहीं, नहीं, यह सच नहीं, असम्भव है, असम्भव है। [ दाईं ओर का दरवाजा खोलती है ]

धाय

बच्चे माँ के लिए उत्पात कर रहे हैं।

नोरा

नहीं, नहीं, उन्हे यहाँ न आने दो। ऐन, तुम्हीं उनके साथ ठहरो।

धाय

अच्छी बात है, श्रीमती जी। [ दरवाजा बन्द करती है ]

नोरा

[ भय से पीली हो कर ] अपने बच्चो का सर्वनाश? अपने घर को जहरीला बनाना? [ कुछ देर चुप—फिर सिर हिलाती हुई ] यह सच नहीं, यह सच हो नहीं सकता।

# दूसरा अंक

[ वही स्थान—क्रिसमस-ट्री पियानो के बगल मे कोने मे रक्खा है। उसकी सजावट विगड़ गई है। मोमवत्तियों के जले हुए हिस्से उसकी टूटी हुई डालियों पर अटक रहे है। नोरा का हैट और कोट सोफा पर पड़े हैं। कमरे मे अकेली वही है। इधर उधर वेचैन होकर टहल रही है। सोफा के पास ठहरकर कोट उठाती है। ]

नोरा

[ कोट रख कर ] कोई आ रहा है। [ दरवाजे के पास जाकर आहट लेती है ] नही, कोई नही। आज कौन आता है ? आज तो वड़ा दिन है और कल भी नही। लेकिन शायद...[दरवाजा खोल कर वाहर की ओर देखती है ] नही, कोई नही है। लेटर वक्स में भी कुछ नही है। यह तो बिलकुल खाली है। [आगे बढ़ती हुई] कैसी मूर्खता है ! निसन्देह उसकी ऐसी मंशा नही होगी। ऐसी बात हो नही सकती। मेरे तीन बच्चे है। [ बाईं ओर के दरवाजे से धाय का प्रवेश, दफ्ती का एक बड़ा सन्दूक लिए ]

धाय

आखिर फैंसी ड्रेस ( नाच के लिए विचित्र पोशाक ) इस सन्दूक मे मिल ही गई।

नोरा

धन्यवाद, मेज पर रख दो।

धाय

[रखती हुई] लेकिन इसकी मरम्मत की बड़ी जरूरत है।

नोरा

मैं तो इसको हजार टुकड़ो मे फाड़ देना पसंद करती।

धाय

कैसी बात करती हो? यह आसानी से ठीक किया जा सकता है, थोड़ी सी मेहनत दरकार है।

नोरा

हाँ, मै जाकर मिसैज लिन्दे को लिवा लाऊँगी। वह इस काम मे मेरी सहायता कर देगी।

धाय

क्या? फिर बाहर जाओगी इस भयङ्कर ऋतु मे? सर्दी लग जायेगी। बीमार पड़ जाओगी श्रीमती जी।

नोरा

अरे इससे भी बुरी बात हो सकती है। बच्चे कैसे हैं?

धाय

बेचारे अल्हड़ बड़े दिन की सौगातो से खेल रहे हैं, लेकिन

नोरा

क्या वे मेरे लिए बहुत उत्सुक है?

धाय

सुनिये, उन्हें माँ के साथ रहने की इतनी आदत पड़ गई है।

नोरा

लेकिन धाय! अब मै उनके साथ उतना न रह सकूँगी जितना पहले रहती थी।

धाय

अच्छी बात है। छोटे बच्चे किसी भी बात के बहुत जल्द अभ्यस्त हो जाते है।

नोरा

मानती हो यह? तुम्हे विश्वास है कि उनकी माँ यदि सदैव के लिए चली जाय तो वे उसे भूल जायेंगे?

धाय

हे ईश्वर! सदैव के लिए चली जाय?

नोरा

धाय! मै जानना चाहती हूँ, जिस बात पर मुझे प्राय: आश्चर्य हुआ है, तुमने किस हृदय से अपने बच्चे को दूसरो के भरोसे छोड़ दिया था।

धाय

मुझे मजबूर होकर ऐसा करना पड़ा था क्योकि मै नन्ही नोरा की धाय बनना चाहती थी।

नोरा

ठीक है, लेकिन तुमको यह पसन्द क्यो पड़ा?

धाय

क्या? मुझे उस त्याग के बदले ऐसी अच्छी जगह मिल

रही थी ! किसी गरीब लड़की से अगर भूल हो गई हो और फिर उसे ऐसी जगह मिल जाय तो उसे प्रसन्न ही होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, वह दुष्ट मेरे लिये कुछ करता भी तो नहीं था।

नोरा

लेकिन तुम्हारी लड़की शायद तुमको बिलकुल भूल गई हो।

धाय

नहीं, भूल नहीं गई है। उसने मुझे पत्र लिखा था, जब उसकी नौकरी लगी थी और जब उसकी शादी हुई थी।

नोरा

[अपनी बाँहे उसके गले में डालती हुई] प्यारी बूढ़ी ऐन ! जब मैं बच्ची थी तुम मेरे प्रति माता के समान दयालु थीं।

धाय

नोरा ! उस समय तुम छोटी सी थीं और मुझे छोड़ कर तुम्हारे लिए कोई दूसरी माँ भी नहीं थी।

नोरा

और अगर मेरे बच्चो के लिए भी दूसरी माँ न रहे तो मुझे विश्वास है कि तुम उनके प्रति भी . क्या व्यर्थ की बातें बक गई मैं ! [ सन्दूक खोलती है ] जाओ उनके पास। तुम कल देखोगी मैं कैसी सुन्दर लगती हूँ।

धाय

श्रीमती जी वहाँ आपसे सुन्दर शायद ही कोई निकले। [ बाईं ओर के कमरे में जाती है ]

नोरा

[ सन्दूक से वस्त्र निकालने लगती है, लेकिन थोड़ी ही देर मे उसे अलग हटा देती है ] अगर मै बाहर जाने का साहस कर सकती ! लेकिन कोई आ न जाय। अगर मुझे विश्वास होता कि इस बीच मे यहाँ कुछ न होगा। कैसी मूर्खता है ! कौन आता है भला ? मुझे इसके बारे में चिन्ता नहीं करनी चाहिए। मफलर ब्रश से साफ कर लूंगी, दस्ताने कितने सुन्दर हैं। मेरे विचार से निकल, निकल मेरे विचार से ! एक, दो, तीन, चार, पाँच, छः [ आह भरती है ] ऐं ! कोई आ रहा है ? [ दरवाजे की ओर जाना चाहती है, लेकिन उद्वेग में खड़ी रह जाती है। मिसैज़ लिन्दे का दालान की ओर से प्रवेश, जहाँ उसने अपना कोट और हैट उतार दिया है ]

नोरा

वाह तुम हो क्रिस्टाइन ! बाहर कोई और तो न होगा। कोई नही है न ? तुमने आ कर बड़ी कृपा की।

मिसैज़ लिन्दे

मैने सुना तुम मुझे बुला रही थी।

नोरा

हाँ, मैं उधर जा रही थी। वास्तव मे एक ऐसी बात है जिसमे तुम मेरी सहायता कर सकती हो। यहाँ सोफा पर बैठो। देखो कल शाम को फैंसी ड्रेस बाल होगा, स्तेनबरा के यहां जो ऊपरी मंजिल मे रहते है। तावल्ति की इच्छा है कि मै उसमे

इटालियन मल्लाह की लड़की के वेश मे जाऊँ और वहाँ वही तारेन्तला का नाच दिखलाऊँ जो मैने कैप्री द्वीप मे सीखा था।

मिसैज लिन्दे

समझ गई।

नोरा

तावल्ति मुझसे यही चाहते है। यह देखो कपड़े जो तावल्ति ने मेरे लिए वहाँ बनवाये थे। लेकिन अब तो यह चिथड़ा हो गये है। मै इन्हे ठीक करना भी नही जानती।

मिसैज लिन्दे

अरे हम लोग इसे आसानी से ठीक कर लेगी। कुछ इधर उधर की सीवन उखड़ गई है। सुई और तागा, बस इसी की तो जरूरत है।

नोरा

तुम्हारी बड़ी कृपा होगी।

मिसैज लिन्दे

[ सीती हुई ] हाँ, तो कल तुम सज धज कर जाओगी नोरा! मै भी थोड़ी देर के लिए आऊँगी, और तुम्हारी सज-धज देखूँगी। लेकिन कल शाम को जैसा आनन्द रहा, उसके लिए धन्यवाद देना तो मै बिलकुल भूल ही गई।

नोरा

[ उठ कर कमरे की दूसरी ओर जाती है ] मै तो नही समझती कि कल का दिन सदैव की तरह आनन्दप्रद रहा। तुमको शहर

मे थोड़ा और पहले आना चाहिए था। हॉ, क्रिस्टाइन! इसमें तो संदेह नहीं कि तावल्ति घर को सजाना जानते हैं।

मिसैज़ लिन्दे

और तुम भी जानती हो, मैं समझती हूँ। तुम में अपने पिता के बहुत से गुण है। लेकिन कहो तो क्या डा० रैंक सदैव ऐसे ही उदास रहते है जैसे कि कल थे?

नोरा

नहीं, कल वे वहुत उदास थे। वह एक बड़े भयंकर रोग के शिकार है। उन्हे यक्ष्मा की बीमारी है, बेचारा अभागा। उनके पिता भयंकर व्यक्ति थे और हर तरह की अति करते थे, इसीलिए उनका लड़का जन्म से ही रोगी हुआ। समझीं?

मिसेज़ लिन्दे

[ सिलाई करती रहती है। थोड़ी देर सन्नाटा ] डा० रैंक यहाँ नित्य आते है?

नोरा

बराबर, नित्य। वह तावल्ति के सब से घनिष्ठ मित्र है, मेरे भी वड़े हितैषी है। वे एक तरह से परिवार के आदमी है।

मिसैज़ लिन्दे

लेकिन यह तो कहो कि वे भद्र है? मेरा मतलब यह कि वे उन लोगो मे तो नही है जो दूसरो को प्रभावित करने के लिए उत्सुक रहते है?

नोरा

बिलकुल नही। किस बात से ऐसा सोच रही हो ?

मिसेज़ लिन्दे

जब तुमने उनसे मेरा परिचय कराया था, तो उन्होने कहा कि इस घर मे उन्होने मेरे नाम की चर्चा प्राय. सुनी थी। लेकिन पीछे मुझे मालूम हुआ कि तुम्हारे पति को भी मेरा पता नही था कि मै कौन हूँ। तो फिर डाक्टर रैंक कैसे . .

नोरा

ठीक कह रही हो क्रिस्टाइन ! तावल्ति मुझे ऐसा अंध प्रेम करते है कि वह मुझे बिलकुल अपनी ही बना लेना चाहते हैं, जैसा कि वह कहा करते है। जब मै अपने लोगो की चर्चा छेड़ती हूँ तो उन्हें ईर्षा होती है। इसलिए मैंने स्वभावतः यह छोड़ ही दिया है। लेकिन ऐसी बातों की चर्चा मै डाक्टर रैंक से बराबर किया करती हूँ, क्योंकि उन्हे यह सब पसन्द आता है।

मिसैज़ लिन्दे

सुनो नोरा ! तुम बहुत सी बातो मे अब भी अबोध हो, बालिका सी। और मै तुम से कई बाते अधिक जानती हूँ, तुम से कुछ अधिक अनुभव भी है। मुझे तुम से यह कहना है कि डाक्टर रैंक के साथ अब इस बात का अन्त कर दो।

नोरा

किस बात का अन्त कर दूँ ?

मि० लिन्दे

मैं समझती हूँ, दो बातों का। कल तुमने एक धनी प्रेमी की बेहूदी चर्चा की थी, जो तुम्हारे लिए धन छोड़कर मरने को था।

नोरा

प्रेमी ? जिसकी अभाग्यवश हस्ती ही नहीं। लेकिन उससे क्या ?

मिसैज़ लिन्दे

डाक्टर रैंक धनी आदमी हैं ?

नोरा

हाँ, हैं तो।

मिसैज़ लिन्दे

और उन्हें किसी का निर्वाह भी नहीं करना है ?

नोरा

नहीं, किसी का नहीं, लेकिन

मिसैज़ लिन्दे

और वह यहाँ नित्य आते हैं ?

नोरा

हाँ, मैंने तो तुम से कहा।

मिसैज़ लिन्दे

लेकिन यह अमीर आदमी इतना संकोचहीन कैसे हो सकता है ?

नोरा

मैंने तुम्हारी बात बिलकुल नही समझी।

मिसैज लिन्दे

बहकाओ मत नोरा ! तुम समझती हो कि मै अनुमान नहीं कर सकती कि तुम्हे रुपया किसने दिया ?

नोरा

पागल हो गई क्या ? ऐसी बात तुम सोच कैसे सकी ? वे हमारे मित्र है, जो यहाँ रोज आते हैं। तुम समझती नहीं हो कि ऐसे व्यक्ति से ऋण लेना कितनी कचोट करने वाली बात होगी ?

मिसैज लिन्दे

तो वास्तव में उन्होने नहीं दिया ?

नोरा

नही, निश्चित रूप से नही। यह बात मेरे मन में क्षण भर के लिए भी नही आयी। और उनके पास उस समय देने के लिए रुपये भी नही थे। रुपया उन्हे पीछे मिला।

मिसैज लिन्दे

ओफ़ ! मै समझती हूँ यह तुम्हारे भाग्य से अच्छा हुआ प्यारी नोरा !

नोरा

नहीं, मिस्टर रैंक से माँगने की बात मेरे मन मे कभी उठती ही नहीं, गो कि मुझे विश्वास है कि मैंने यदि उनसे माँगा होता तो ..

मिसैज़ लिन्दे

लेकिन तुम ऐसा करतीं नहीं ?

नोरा

वास्तव मे नहीं। मै तो सोच भो नहीं सकती कि यह भी कभी आवश्यक हो उठेगा। लेकिन मुझे विश्वास है कि यदि मैं डा० रैंक से कहती तो ..

मिसैज़ लिन्दे

अपने पति से छिपा कर ?

नोरा

दूसरे के साथ भी इस मामले का अन्त हो जाना चाहिए। और यह भी उनके परोक्ष मे होगा। मुझे इसका अन्त कर डालना होगा।

मिसैज़ लिन्दे

यही मैंने तुम से कल कहा था, लेकिन...

नोरा

[ इधर उधर टहलती हुई ] पुरुष इस तरह की बात को स्त्री की अपेक्षा जल्दी सुलझा सकता है, ठीक रास्ते पर ला सकता है।

मिसैज़ लिन्दे

किसी स्त्री का पति ? ठीक है।

नोरा

मूर्खता ! [ खड़ी होकर ] जब तुम कर्ज़ अदा कर देती हो, तो अपना इकरारनामा लौटा लेती हो ? यही न होता है ?

मिसैज़ लिन्दे

हाँ, जैसा कि नियम है।

नोरा

और उस गन्दे कागज़ को सौ, हज़ार टुकड़ो मे फाड़ कर जला सकती हो।

मिसैज लिन्दे

[ तीव्र दृष्टि से उसकी ओर देखती हुई, सिलाई बन्द करके धीरे धीरे उठ खड़ी होती है ] नोरा! तुम मुझ से कुछ छिपा रही हो।

नोरा

क्या तुम्हे मालूम हो रहा है, मुझे देख कर कि मै छिपा रही हूँ?

मिसैज लिन्दे

तुम्हे कल सवेरे से कुछ हो गया है। कोई बात, नोरा! क्या बात है?

नोरा

[ उसके पास जाती हुई ] क्रिस्टाइन! [ वह इधर ध्यान फेरती है ] चुप! तावल्ति घर आ रहे हैं। इस समय तुम बच्चो के पास थोड़ी देर के लिए चली जाओ। बुरा तो न मानोगी? कपड़ो की तैयारी देखना उन से सहन नहीं होता। ऐन से भी कुछ सहायता ले लेना।

मिसैज लिन्दे

[ कुछ चीज़े बटोर कर ] ठीक है, लेकिन मैं यहाँ से तब तक

नहीं जाऊँगी जब तक कि हम दोनो इस मामले मे खुलकर बातें न कर लें। [ वह बाईं ओर के कमरे में जाती है, उसी समय हेल्मर दालान की ओर से आता है ]

नोरा

मैं तुम्हारी उत्सुकता से बाट जोह रही थी, ताविल्त ! प्यारे !

हेल्मर

क्या कोई दर्ज़ी था ?

नोरा

नहीं, क्रिस्टाइन थी। मेरे कपड़े ठीक करने में मदद दे रही है। देखना, मैं कैसी अच्छी लगूंगी।

हेल्मर

तो मेरा विचार अच्छा था न ?

नोरा

क्या खूब ! लेकिन तुम यह नही सोचते कि तुम्हारी इच्छा के अनुसार चलना, यह मेरी कैसी भलमनसाहत है।

हेल्मर

सुन्दर ! तुम वही करती हो जो तुम्हारे पुरुष को इच्छा होती है। अरे, अरे तुम नटखट—मुझे विश्वास है कि तुम्हारा यह मतलब नहीं था। लेकिन मैं तुम्हे परेशान नही करना चाहता। तुम अपने कपड़े पहन कर देखना चाहती होगी, मै समझता हूँ।

नोरा

तो तुम शायद काम पर जा रहे हो ?

हेल्मर

हाँ। [ उसे कागजात का एक पुलिन्दा दिखलाता है ] यह देखो मैं अभी बैंक गया था। [ अपने कमरे में जाना चाहता है ]

नोरा

तावल्ति !

हेल्मर

कहो।

नोरा

अगर तुम्हारी मुन्नी कोई बात तुमसे कहे ? [बड़े नाज से]

हेल्मर

तब ?

नोरा

स्वीकार कर लोगे ?

हेल्मर

वह है क्या ? मैं जानना चाहूँगा पहले।

नोरा

तुम्हारी मुन्नी इधर उधर फुदकती रहेगी. अपनी सारी कलाएं दिखलाती रहेगी. अगर तुम उसकी एक बात मान लो।

हेल्मर

साफ शब्दों में कहो

नोरा

तुम्हारी कोयल कोने कोने में किलोल करती रहेगी, अपनी उठती और बैठती हुई रागिनी से

हेल्मर

वह तो मेरी कोयल किसी न किसी तरह करती ही रहती है।

नोरा

मै परी बन कर तुम्हारे सामने चांदनी मे नाचूँगी, तावल्ति !

हेल्मर

तुम्हारा मतलब उस बात से तो नहीं है जो तुमने सबेरे कही थी।

नोरा

[उसके नजदीक जाकर] हॉ तावल्ति ! मैं तुमसे प्रार्थना करती हूँ।

हेल्मर

वह बात चलाने का साहस तुमको फिर हुआ ?

नोरा

हॉ, प्यारे, जैसा कहती हूँ करना होगा। ऊँ! तुम्हे क्रोस्ताद की नौकरी बैंक मे अछूती छोड़ देनी होगी।

हेल्मर

प्यारी, वही जगह तो मैंने मिसैज लिन्दे के लिए ठीक की है।

नोरा

हॉ, उसके बारे मे तो तुमने बड़ी भारी कृपा की है, लेकिन क्रोग्स्ताद की जगह किसी दूसरे क्लार्क को भी तो बर्खास्त कर सकते हो।

हेल्मर

यह हठ तो विचित्र है। चूँकि तुमने बिना सोचे उसे वचन दे दिया कि तुम उसकी वकालत करोगी, इसलिए अब मैं ..

नोरा

यह अकारण नही है तावल्ति, तुम्हारी ही खातिर कह रही हूँ। तुम्ही ने कहा कि यह व्यक्ति अखबारो में बड़े आक्षेप-पूर्ण लेख लिखता है। वह तुम्हारी इतनी हानि कर सकता है कि बयान से बाहर। मै तो उससे मृत्यु से भी अधिक डरती हूँ।

हेल्मर

हॉ, समझा। तो बीते दिनो की यादगार से तुम हिल गई हो?

नोरा

इसका मतलब ?

हेल्मर

शायद तुम अपने पिता की बात याद कर रही हो।

नोरा

हॉ, तुम्ही सोचो, इन पापियो ने पिता जी के विरुद्ध कितना पत्रो मे लिखा था और कितने भयंकर रूप मे उन्हे बदनाम किया था। मैं तो समझती हूँ कि वे उन्हे बर्खास्त करा के ही

मानते, अगर महकमे की ओर से तुम जाँच पर न भेजे जाते और तुम उन पर इतनी कृपा न करते।

हेल्मर

प्यारी नोरा! तुम्हारे पिता मे और मुझमे बहुत भारी अन्तर है। सरकारी कर्मचारी की हैसियत से तुम्हारे पिता की प्रतिष्ठा में सन्देह की गुञ्जाइश थी। लेकिन मेरी बाबत सन्देह की गुंजाइश नहीं है। और जब तक मैं इस पद पर रहूँगा, यही बात रहेगी।

नोरा

तुम को पता नहीं ये कैसा षड्यन्त्र खड़ा कर सकते है। मै तो यही चाहती हूँ कि हम लोग यहाँ सुख से निश्चिन्त रहे, अपने शान्त घर मे, सब चिन्ताओं से मुक्त होकर, तुम, मै और बच्चे। इसी लिए इतना अधिक मै तुमसे इस बात की सिफारिश कर रही हूँ।

हेल्मर

और उसकी वकालत कर, उसका भय दिखाकर, उसको रख लेना तुम मेरे लिये असम्भव बना रही हो। बैंक में मालूम हो गया है कि मैं क्रोस्ताद को हटाना चाहता हूँ। अब मै लोगो को यह कहने का अवसर दूँ कि नये मैनेजर ने अपनी स्त्री की आज्ञा के कारण अपना विचार बदल दिया?

नोरा

अगर ऐसा हो भी तो क्या हो जायगा?

हेल्मर

क्यो नही ? बस इस हठ की मूर्ति को बात रह जाय और चाहे जो कुछ हो ! तुम समझती हो कि मै सभी कर्मचारियो की दृष्टि मे उपहासास्पद बनना पसन्द करूंगा ? लोगो को यह कहने दूंगा कि मै ऐसा व्यक्ति हूँ जो बाहरी दबाव में आकर रास्ता छोड़ सकता है ? मै तुम्हे विश्वास दिलाता हूँ कि ऐसा हुआ तो इसका नतीजा मुझे बहुत जल्दी भोगना पड़ेगा। और एक बात और है जो मेरे रहते हुए क्रोस्ताद का बैंक मे टिक जाना असम्भव बनाये है।

नोरा

वह कौन सी बात है ?

हेल्मर

उसके नैतिक पतन की तो शायद मै आवश्यकता पड़ने पर अवहेलना भी कर जाता, लेकिन .

नोरा

हॉ, जरूर कर जाते। ठीक है न ?

हेल्मर

और मैने सुना है कि वह काम भी अच्छा करता है। लेकिन मै उसे बचपन से जानता हूँ। वह उस प्रकार की विवेकहीन मित्रता थी जो सयाने होने पर असह्य हो उठती है। मैं तुम से सच कह रहा हूँ कभी हम दोनो अभिन्न थे। लेकिन यह गुस्ताख़ दूसरो के सामने भी अपने ऊपर नियंत्रण नही रखता। बल्कि वह

परिचय का दुरुपयोग करता है। वह समझता है कि उसे प्रत्येक क्षण इस तरह बातें करने का अधिकार है कि ‘ इधर सुनो हेल्मर पुराने खूसट ’ और इसी तरह की बातें। मुझे इससे बड़ी तकलीफ होती है। वह बैंक में मेरी इज्जत बिगाड़ देगा और मुझे वहाँ रहनाकठिन हो जायगा।

नोरा

तावल्ति। मुझे विश्वास नही होता कि वास्तव मे तुम्हारा मतलब वही है जो कि तुम कह रहे हो !

हेल्मर

विश्वास नहीं होता ? क्यो ?

नोरा

क्योकि इस तरह का विचार बड़ी संकीर्ण-हृदयता है।

हेल्मर

तुम कह क्या रही हो ? संकीर्णहृदयता ? तुम समझती हो मै संकीर्ण हृदय हूँ ?

नोरा

नही बिल्कुल इसके प्रतिकूल मैं तो तुम्हे बड़ा उदार हृदय समझती हूँ प्यारे और इसी लिए इस संकीर्णता की बात पर ..

हेल्मर

यह तो वही बात हुई। तुम कहती हो मेरा दृष्टिकोण संकीर्ण है, तो फिर मै वैसा ही हूँगा। संकीर्ण हृदय ? अच्छी

बात है, तो अब मुझे इस किस्से का खातमा ही कर देना चाहिए। (दालान मे जाकर पुकारता है) हेलन।

नोरा

क्या करने जा रहे हो ?

हेल्मर

(कागजात देखते हुए) इसे खतम करने। (दासी का प्रवेश) सुनो, यह पत्र लो और नीचे जाओ...अभी ..अभी .. किसी आदमी को कह देना कि दे आयेगा। पता लिखा है—जल्दी करो—यह पैसा लो।

दासी

बहुत अच्छा, मालिक। [चली जाती है]

हेल्मर

[कागज़ सम्हालते हुए] अब कहिए, श्रीमती हठीली जी!

नोरा

[जोर से सांस लेती हुई] तावल्ति! यह कैसा पत्र था ?

हेल्मर

क्रोस्ताद की बरख्वास्तगी का।

नोरा

उसे लौटा लो, तावल्ति! बुला लो उसे। अब भी समय है। हाय! तावल्ति! बुला लो उसे। मेरी खातिर, अपनी खातिर, अपने बच्चो की खातिर। सुनते हो या नही, तावल्ति ? बुला लो उसे। तुम नही जानते यह पत्र हम पर कैसी आफत ला सकता है।

हेल्मर

अब तो गया।

नोरा

हां, अब तो गया।

हेल्मर

प्यारी नोरा! तुम्हारी चिन्ता को तो मैं क्षमा कर सकता हूँ, गो कि वास्तव में यह मेरा अपमान है। सचमुच अपमान है, यह विचार करना कि मैं डर जाऊंगा एक ग़रीब क़लम घसीटने वाले की प्रतिहिंसा से, क्या यह मेरे लिए अपमान की बात नहीं है? लेकिन मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ क्योंकि यह मेरे प्रति तुम्हारे असीम प्रेम का उद्गार है। [ उसको आलिंगन में जकड़कर ] और यह उचित ही है। प्यारी नोरा! चाहे जो हो, यह विश्वास रक्खो कि यदि जरूरत पड़ी तो साहस और शक्ति दोनों में से किसी की मुझ में कमी न पाओगी। तुम देखोगी कि सारा भार अपने ऊपर ले लेने का पौरुष मुझमें है।

नोरा

[ भय से कांपते हुए स्वर में ] तुम्हारे यह कहने का मतलब?

हेल्मर

सारा भार मैं कहता हूँ।

नोरा

[अपने को सम्हालती हुई] तुमको यह सब नहीं करना पड़ेगा।

हेल्मर

तब तो फिर ठीक है। अरे जैसा कि पति और पत्नी को चाहिए, हम दोनो मिल कर भार सँभालेंगे। इसी तरह होगा। [उसका दुलार करते हुए] अब सन्तोष हुआ? डरी हुई मृगी की आंखों से देखने की जरूरत नही है। भय की बात कोरी कपोल कल्पना है। जाओ, तारेन्तला का अभ्यास करो। मैं भीतरी कमरे मे जाकर दरवाजा बन्द कर लेता हूँ। कुछ सुनाई भी नही पड़ेगा। जितना तबियत चाहे शोर करना [दरवाजे की ओर घूमता है] और जब रैंक आवे कह देना मै वही मिलूंगा। [उसकी ओर सिर झुकाता है। कागजात लेकर अपने कमरे में जाता है और दरवाजा बन्द कर लेता है।]

नोरा

[चिन्ता से बेचैन ऐसी खड़ी रह जाती है, जैसे वही गड़ गई हो] वह यह सब कुछ कर सकता है और करेगा [धीरे से] जरूर करेगा। चाहे जो हो मानेगा नही। नही, यह नही। कभी नही, वह ऐसा कभी नही करेगा और चाहे जो करे, लेकिन ऐसा न करेगा। काश! कोई बचाव का रास्ता होता! कोई सहायक होता! [दरवाजे पर की घंटी बजती है] डा० रैंक? उसके सिवाय और चाहे जो कुछ हो, चाहे जो हो। [हाथों में मुँह छिपा लेती है—फिर अपने को सम्हालकर दरवाजे के पास जाकर उसे खोलती है—रैंक कोट हाथ में लिये बाहर खड़ा है—अँधेरा हो चला है।]

नोरा

अभिवादन, डा० रैंक! मै आपकी घंटी पहचान गई थी।

लेकिन इस समय तावल्ति के पास न जाइये, वे किसी काम में फँसे हैं।

रैंक

और आप ?

नोरा

[ उन्हें भीतर कर दरवाजा बन्द करती हुई ] वाह, आप अच्छी तरह जानते हैं कि आपके लिए मेरे पास सदैव समय रहता है।

रैंक

धन्यवाद। मै उसका अधिक से अधिक उपयोग करूँगा।

नोरा

इसका मतलव ? अधिक से अधिक उपयोग कैसा ?

रैंक

तो क्या इससे आप घवरा गईं ?

नोरा

कहने का तरीका वड़ा विलक्षण था। कोई नई बात होने को है क्या ?

रैंक

कुछ तो नहीं सिवाय उसके जिसके लिए मैं पहले से ही तैयार हूँ। लेकिन इतनी जल्दी इसकी आशंका नहीं थी।

नोरा

[ रैंक की बाँह पकड़ती हुई ] क्या पता लगा लिया है ? डाक्टर रैंक, मुझे वताना पड़ेगा !

रैंक

[ अगीठी के पास बैठते हुए ] जो कुछ होना था, हो गया। अब कोई रोक नही सकता।

नोरा

[ घबराहट से कुछ मुक्ति पाकर ] तो आप अपने विषय मे बात कर रहे हैं ?

रैंक

और किसके बारे मे ? अपने ही से झूठ बोलने से लाभ ? मेरे सभी मरीजो मे सब से बुरी हालत मेरी है, मिसैज़ हेल्मर ! हाल ही मे मैने अपनी भीतरी हालत की जॉच की है। सब दिवाला है। शायद महीने भर मे ही मै कब्र मे पड़ा सड़ता हूँगा।

नोरा

कैसी बुरी बात कह रहे है !

रैंक

यह बात ही इतनी बुरी है, लेकिन सबसे बुरी बात तो यह है कि इसके पहले न मालूम कितनी बुरी बातो का सामना करना पड़ेगा। मै एक बार अपनी और जॉच करूँगा, उसके बाद मुझे ठीक ठीक मालूम हो जायेगा कि तेल कब चुकने लगता है। मैं आपसे एक बात कहना चाहता हूॅ—हेल्मर के साहबी स्वभाव मे बुरी बातो की ओर से बड़ी घृणा है। मेरे बीमारी के कमरे मे वे न आवे।

नोरा

लेकिन डाक्टर रैंक ..

रैंक

मै उन्हे वहाँ न आने दूँगा, किसी भी हालत मे नही। मैं उनके लिए अपना दरवाज़ा बन्द कर लूंगा। मुझे जब विश्वास हो जायेगा कि अब वारंट आ गया, अपने कार्ड पर काला क्रास बनाकर, तुम्हारे पास भेज दूँगा। तब तुम जान जाओगी कि अन्तिम लीला प्रारम्भ हो गई।

नोरा

आज तो आप बिलकुल विक्षिप्त मालूम हो रहे हैं। मुझे आज आपके प्रसन्न रहने की जरूरत थी।

रैंक

मृत्यु को छाती से लगाकर ? दूसरे के पाप के लिए यह दण्ड ! इसमे भी कोई न्याय है ? और प्रत्येक परिवार से किसी न किसी रूप मे कोई न कोई भयंकर दण्ड वसूल किया जा रहा है।

नोरा

[ अपने कान पर हाथ रखती हुई ] भयंकर ! कोई अच्छी बात कहिए।

रैंक

अजो यह सब हँसने की बातें है। मेरी बेचारी निर्दोष रीढ़ मेरे पिता की जवानी की उमगो का दण्ड पा रही है।

नोरा

[ बाईं ओर मेज पर बैठकर ] आपके कहने का मतलब यह कि वे बहुत ज्यादा शराब, कबाब, नशा ..

रैंक

हाँ, और पकौड़ी, कचालू

नोरा

हाँ, सब कुछ, बुरी बात तो यह है कि वे सभी अच्छी चीजें हमारी हड्डियो से बदला लेती है।

रैंक

मजा तो यह कि वे बदला लेती हैं उनकी हड्डियो से जिन्होने उनका स्वाद भी नही लिया।

नोरा

इसका सब से बुरा पहलू यही है।

रैंक

[ उसकी ओर ध्यान से देखते हुए ] हूँ।

नोरा

[ थोडी देर चुप रह कर ] आप मुस्कराये क्यो ?

रैंक

नही, आपही तो हँस पड़ी।

नोरा

नही, डाक्टर रैंक ! आपही तो मुस्करा उठे।

रैंक

[ उठते हुए ] मै जितना सोचता था तुम उससे अधिक शैतान हो।

नोरा

आज मेरी बुद्धि ठिकाने नही है।

रैंक

ऐसा ही मालूम हो रहा है।

नोरा

[ रैंक के कन्धे पर हाथ रखकर ] प्रिय डाक्टर रैंक ! मृत्यु को तुम्हे हम लोगो से छीन न ले जाना चाहिए।

रैंक

आपकी यह हानि बड़ी जल्दी पूरी हो जायेगी। जो चले जाते हैं, जल्द ही भुला दिये जाते हैं।

नोरा

[ उनकी ओर उत्सुकता से देखती हुई ] आप यह मानते है ?

रैंक

लोग नया बन्धन पैदा कर लेते हैं और फिर...

नोरा

नया वन्धन कौन पैदा करेगा ?

रैक

आप और हेल्मर, जव मै चला जाऊँगा । आप तो, मैं

समझता हूँ, अभी से उस सड़क पर तेजी से बढ़ रही हैं। कल रात को मिसैज़ लिन्दे की यहां क्या ज़रूरत थी ?

नोरा

अच्छा। आपके कहने का मतलब यह तो नहीं कि आप को क्रिस्टाइन से ईर्ष्या होती है ?

रैंक

हाँ, होती है। वह इस घर मे मेरी जगह पर आ बैठेगी। जब मेरा सब कुछ हो जायेगा, तब यह स्त्री .

नोरा

हाँ, जोर से न बोलिये, वह उस कमरे में है।

रैंक

आज फिर ? अब तुम्हीं देखो।

नोरा

वह केवल मेरा कपड़ा सीने आई है। आप कितने अनुदार हैं ! [ सोफा पर बैठती है ] अब प्रसन्न हो जाइये डा० रैंक ! कल आप देखेंगे मैं कितना सुन्दर नाचती हूँ। और आप यह कल्पना कर सकते है, मैं यह सब आपकी खातिर कर रही हूँ, और हाँ तावल्ति की खातिर [ सदूक से कई चीजें, निकाल कर ] डा० रैक ! यहाँ आकर बैठिये, मैं आपको कुछ दिखलाऊँगी ।

रैंक

[ बैठते हुए ] क्या है ?

नोरा

इन चीज़ों को देखिये।

रैंक

रेशमी मोज़े।

नोरा

शरीर के रंग के। रक्त-मांस में मिल जाते हैं। बड़े अच्छे लगते है न? इस समय तो अन्धेरा हो गया, लेकिन कल ..नहीं, नहीं, आपको पैरों की ही ओर देखना चाहिए। अच्छा, खैर, आपको टाँगों की ओर देखने की भी इजाज़त मिल सकती है।

रैंक

हूँ!

नोरा

आप इस आलोचना की नज़र से क्यो देख रहे हैं? आप सोचते हैं मुझे जँचेगे नहीं?

रैंक

इस विषय में राय दे सकने के लिए साधन मेरे पास नहीं हैं।

नोरा

(उसकी ओर क्षण भर देख कर) शर्म नहीं आती? (मोजे से धीरे से उनके कान को ठोंक देती है) यही दण्ड है। (मोजे तह करके रखती है)

रैंक

और कौन कौन सी अच्छी चीजें देखने की आज्ञा मुझे मिलेगी?

नोरा

अब कोई चीज़ भी नहीं, इतने उद्धत होने के कारण। ( गुनगुनाती हुई चीज़ें देखने लगती है )

रैंक

( थोड़ी देर के सन्नाटे के बाद ) जब मै यहाँ बैठा हुआ इतनी अभिन्नता के साथ बातें करता हूँ, मै क्षण भर के लिए भी नहीं सोच सकता कि यदि मै इस घर मे न आया होता तो आज मेरी क्या दशा होती।

नोरा

( मुस्करा कर ) विश्वास है आप हम लोगो को अपना ही समझते है।

रैंक

( धीमे स्वर मे, ठीक अपने सामने देखते हुए ) और यह सब छोड़ देने के लिए बाध्य होना!

नोरा

क्या बेवकूफी की बातें करते है? आप यह कुछ भी नही छोड़ने जा रहे है।

रैंक

( उसी हालत मे ) और अपनी कृतज्ञता की कोई साधारण स्मृति भी छोड़ जाने का अवसर न पाना! इतना भी नही कि कभी याद करके क्षणिक खेद भी हो। कुछ नहीं, बस एक खाली जगह जिसे कि पहला आने वाला ही भर देगा या कोई भी दूसरा।

नोरा

और अब यदि मैं आप से माँगू एक . नहीं !

रैंक

क्या ?

नोरा

आपकी मित्रता का एक बड़ा प्रमाण ?

रैंक

हाँ, हाँ, ज़रूर !

नोरा

मेरा मतलब एक बहुत बड़ी कृपा से है।

रैंक

क्या एक वार भी मुझे इतना सुख मिल सकेगा ?

नोरा

लेकिन अभी तक तो आप जानते भी नहीं वह कौन सी चीज़ है।

रैंक

नहीं, लेकिन कहो तो भी।

नोरा

नहीं, डाक्टर रैंक, हो नहीं सकता, ऐसा। मै चाहती हूँ सलाह, सहायता और कृपा। यह सब बड़ी अनुचित बात होगी।

रैंक

जितनी ही वड़ी चीज़ आप माँगेंगी, उतनी ही मुझे अधिक

प्रसन्नता होगी। आपका मतलब ? समझ नहीं पाता। मेरा विश्वास नही है ?

नोरा

किसी से भी अधिक। मैं मानती हूँ आप मेरे सबसे बड़े और सच्चे मित्र है। और इसलिए मै कह दूँगी बात क्या है डाक्टर रैक! इस बात को न होने देने मे आपको मेरी मदद करनी होगी। आप जानते है तावल्ति मुझे कितना अधिक प्रेम करते है। वह मेरे लिए अपनी जिन्दगी दे देने मे भी आगा पीछा नही कर सकते।

रैक

( उसकी ओर झुक कर ) नोरा! तुम सोचती हो कि केवल वही ऐसा कर सकते है ?

नोरा

( चौंककर ) केवल वही ?

रैक

क्या केवल वही एक ऐसे है जो हँसते हँसते तुम्हारे लिए अपना जीवन दे सकते है ?

नोरा

( चिन्ता से ) क्या ऐसा है ?

रैक

मैने निश्चय कर लिया था कि मेरे चले जाने के पहले ही तुम्हे यह बात जान लेनी चाहिए। और इससे अच्छा सुयोग

अब कब आयेगा ? नोरा, अब तुमने जान लिया। और तुम यह भी मानती हो कि तुम मुझसे बढ़ कर किसी का विश्वास भी नहीं कर सकती।

नोरा

[ जान बूझ कर धीरे से उठती है ] जाने दीजिये।

रैंक

[ उसके निकलने को जगह दे देता है किन्तु चुपचाप बैठा रहता है ] नोरा !

नोरा

[ दालान के दरवाजे पर ] हेलन, लैम्प लाना। [ अँगीठी के पास जाती है ] डाक्टर रैंक, यह आपने बुरा किया।

रैंक

जितना कोई भी कर सकता है, उतना प्रेम किया। यह बुरा हुआ ?

नोरा

नहीं, यह नहीं, लेकिन मुझसे कहना ! कोई जरूरत तो नहीं थी।

रैंक

इसका मतलब ? आपको पता था ? [ लैम्प लेकर दासी का प्रवेश और उसे मेज़ पर रखकर प्रस्थान ] नोरा ! मिसैज़ हेल्मर, बतलाओ तुम्हे यह धारणा थी ?

नोरा

अरे, मै कैसे जानूं कि मुझे धारणा थी या नही ? मैं वास्तव मे कह भी नही सकती। यह सोचना भी कि आप इतने असावधान होगे डाक्टर रैंक! कितनी सुन्दरता से हम लोग चले जा रहे थे!

रैंक

अजी हर हालत में अब तुमको मालूम है कि तुम मुझे अपनी मर्जी के मुताबिक चला सकती हो, शरीर और आत्मा से। नही कहोगी अब भी ?

नोरा

[ उसकी ओर देखती हुई ] जो कुछ हो चुका, उसके बाद भी ?

रैंक

मै तुमसे प्रार्थना करता हूँ, बतला दो क्या बात थी ?

नोरा

अब मै कुछ नही कह सकती।

रैंक

इस तरह मुझे सजा न दो। जो कुछ भी पुरुष कर सकता है, तुम्हारे लिए कर सकने की मुझे आज्ञा दो।

नोरा

अब आप मेरे लिए कुछ भी नही कर सकते और फिर मुझे सहायता की जरूरत भी नही है। आप समझ लीजिए, सब कुछ मेरी मिथ्या कल्पना थी। है भी यही, बिलकुल यही। [शकिंग

चेयर पर बैठ कर उनकी ओर मुसकरा कर देखती है] बड़े विचित्र है आप डाक्टर रैंक ! अब लेम्प आ जाने पर भी आपको अपने पर लज्जा नहीं आती ?

रैंक

बिलकुल नहीं। लेकिन अच्छा हो कि मैं चला जाऊँ, सदैव के लिए !

नोरा

नही, कभी नही। जैसे आप अब तक आते रहे हैं वैसे ही आते रहिए। आप अच्छी तरह जानते है तावल्ति का काम आप के बिना नहीं चल सकता।

रैंक

हूँ, लेकिन आप ?

नोरा

मुझे तो सदैव बड़ी प्रसन्नता होती है जब आप आते हैं।

रैंक

यही है, इसी से मैं भ्रम में पड़ गया। आप तो मेरे लिए रहस्य है ! मैंने प्राय: सोचा है कि जैसे आप हेल्मर के साथ वैसे ही मेरे साथ भी रह सकती हैं।

नोरा

ठीक समझे आप, लेकिन किसी को मनुष्य प्रेम करता है और किसी के साथ रहना चाहता है।

रैंक

हाँ, यह बात भी ठीक मालूम देती है।

नोरा

जब मै अपने घर पर थी मै पिता जी को बहुत प्रेम करती थी। लेकिन मुझे बड़ा अच्छा लगता था जब मै दासियो के कमरे मे चोरी से चली जाती थी क्यो कि वे नैतिकता के फेर में नही पड़ी रहती थी और आपस मे ऐसी तबीयत लगने वाली बातें कहा करती थी .

रैंक

समझा, तो मैंने उनकी जगह ले ली है।

नोरा

[ जल्दी से उठ कर उनके पास जाती हुई ] डाक्टर रैंक! मेरा मतलब यह नही था। लेकिन आप समझ सकते हैं कि तावल्ति के साथ रहना थोड़े से अन्तर के साथ पिता जी के साथ रहना है। [ दालान की ओर से दासी का प्रवेश ]

दासी

श्रीमती जी [ धीरे से कुछ कहती है और एक कार्ड देती है ]

नोरा

[ कार्ड देख कर ] ओफ। [ उसे अपनी जेब मे डाल लेती है ]

रैंक

कोई बुरी बात ? .

नोरा

नहीं, कुछ नहीं। मेरे नये कपड़ों की बाबत है।

रैंक

क्या ? कपड़े कहाँ है ?

नोरा

हाँ, मैंने बनवाए हैं लेकिन तावल्ति को पता न चले।

रैंक

हूँ! तो यही वह गुप्त बात थी?

नोरा

हॉ, ज़रा उन्हीं के पास जाइये। भीतर उस कमरे में जितनी देर हो सके उनको रोक रखिए।

रैंक

आप चिन्ता न कीजिए। मै उन्हें निकलने न दूँगा। [ हेल के कमरे मे जाता है ]

नोरा

[ दासी से ] और वह रसोईघर में खड़ा है।

दासी

हॉ, वह पीछे की सीढ़ी से आया था।

नोरा

लेकिन कहा नहीं घर में नहीं हैं?

दासी

कहा तो लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला।

नोरा

जाता नही?

दासी

नही, कहते है हटेंगे नही जब तक कि आप से भेंट कर ले।

नोरा

यही भेज दो, लेकिन धीरे से। हेलन! इस बारे मे किसी से कुछ न कहना। अभी मै अपने पति को नही बताना-चाहती।

दासी

जी हां! श्रीमती जी, मै समझती हूँ। [ प्रस्थान ]

नोरा

वह भयङ्कर बात होने जा रही है। मेरे रोके नही रुकेगी। नही, नहीं, नही, यह हो नही सकता, यह नही होगा।

[ हेल्मर के कमरे का दरवाजा बन्द कर लेती है। क्रोस्ताद के लिए दासी दालान का दरवाजा खोलती है—उसके चले आने पर बन्द कर लेती है। उसकी ओर बढ़ कर ] धीरे से बोलिये, मेरे पति घर मे हैं।

क्रोस्ताद

इसकी क्या चिन्ता है?

नोरा

मुझसे क्या चाहते है?

क्रोस्ताद

कुछ समझना है।

नोरा

कहिए भी क्या है? जल्दी कीजिए।

क्रोस्ताद

मैं अनुमान करता हूँ, आप को मालूम है कि मुझे वरख्वास्तगी का पत्र मिल गया।

नोरा

मैं इसे रोक नहीं सकी, मिस्टर क्रोस्ताद ! जितना हो सका मैं आप के पक्ष में लड़ती रही। लेकिन फल कुछ नहीं हुआ।

क्रोस्ताद

तो आपके पति आपको इतना कम प्रेम करते हैं ? यह जानते हुए कि मैं आपकी कौन सी बात खोल सकता हूँ— उनका यह साहस ?

नोरा

आप यह कैसे मान लेते हैं कि उनको इस तरह की कोई जानकारी है ?

क्रोस्ताद

मै ऐसा मान नही लेता। प्रिय तावल्ति हेल्मर के स्वभाव में इतना साहस नही है कि अगर उन्हे मालूम होता तो ..

नोरा

मिस्टर क्रोस्ताद ! मेरे पति के प्रति कुछ सम्मान के साथ बातें कीजिए।

क्रोस्ताद

निस्सन्देह जितने सम्मान के वे अधिकारी हैं। लेकिन जब आपने सारी बाते इस तरह छिपा कर अपने ही तक रखना ठीक समझा, तो क्या मैं यह समझूँ कि आज आप ने अपनी स्थिति को कल की अपेक्षा अधिक स्पष्टतापूर्वक समझ लिया है ?

नोरा

आप मुझे कभी भी जितना सिखला सकते हैं, उससे कहीं अधिक।

क्रोस्ताद

हाँ, मेरे ऐसा बुरा वकील...

नोरा

आप चाहते क्या हैं ?

क्रो०

केवल यह देखने के लिए चला आया था कि आप की तबीयत कैसी मिसैज़ हेल्मर। मैं दिन भर आपके बारे मे सोचता रहा हूँ। एक मामूली खजांची, कलम घसीटने वाला, मैं गया गुजरा आदमी, मैं भी कुछ हृदय रखता हूँ। समझीं ?

नोरा

तो फिर इसका प्रदर्शन कीजिए। मेरे छोटे छोटे बच्चों का ख्याल कीजिए।

क्रोस्ताद

आपने और आपके पति ने मेरे बच्चों का ख्याल किया है ? लेकिन इसकी चिन्ता न कीजिये। मुझे आपसे केवल यही कहना था कि इसके कारण बहुत अधिक चिन्ता न कीजिएगा। पहले तो मेरी ओर से इसके लिए कोई मुकदमा नहीं चलेगा।

नोरा

नहीं, बिलकुल नहीं, मुझे इसका पूरा विश्वास है।

क्रोस्ताद्

सारी बातें सहूलियत के साथ तै की जा सकती हैं। इसकी ज़रूरत नहीं कि कोई चौथा आदमी इसके बारे में कुछ जान सके। यह हम तीन के बीच ही रहेगा।

नोरा

लेकिन मेरे पति को इस विषय में कभी कुछ न मालूम होना चाहिए।

क्रोस्ताद्

यह आप कैसे रोक सकेंगी? क्या मैं यह समझूँ कि बाक़ी रकम आप स्वयं दे सकती हैं?

नोरा

नहीं, अभी इसी समय तो नहीं।

क्रो०

या आपके पास जल्दी अदा कर देने के लिए धन प्राप्त कर सकने का कोई दूसर भी साधन है?

नोरा

ऐसा तो कोई साधन नहीं जिसका उपयोग करने का मेरा विचार हो।

क्रोस्ताद्

खैर, अगर होता भी तो इससे आपको कोई लाभ नहीं हो सकता था। अब तो अगर आप सारी रक़म अपने हाथ में लेकर

यहाँ खड़ी हो, तब भी मैं आपके इकरारनामे को तो नहीं लौटा सकता।

नोरा

उससे आपका क्या मतलब सधेगा?

क्रोस्ताद

मैं उसे केवल सुरक्षित रखूँगा, अपने पास रक्खूँगा। जिसका इससे कोई सम्बन्ध नहीं, उसे इसका संकेत भी नहीं मिलेगा। इसलिए अगर इसकी चिन्ता आपको किसी भयानक विचार की ओर ले गई हो तो ..

नोरा

हां, ले तो गई है।

क्रो०

अगर आपके मन में घर से भाग जाने की बात उठी हो...

नोरा

हां, उठी तो है।

क्रो०

या कोई इससे भी बुरी बात...

नोरा

आपको कैसे मालूम?

क्रो०

तो उस विचार को छोड़ दीजिये।

नोरा

आप को कैसे मालूम कि मैंने ऐसा सोचा था ?

क्रो०

पहले हम लोगों में से बहुतेरे ऐसा सोचते हैं। मैंने भी सोचा था, लेकिन साहस नहीं हुआ।

नोरा

[ धीमी आवाज़ में ] मुझे भी नहीं हुआ।

क्रो०

[ शान्ति के स्वर मे ] नहीं, आपको भी साहस नही हुआ ?

नोरा

नहीं, मुझे भी नहीं हुआ, नहीं हुआ।

क्रो०

इसके सिवा यह बड़ी मूर्खता होती। एक बार जब घर की आँधी मिट जाती . मेरे पास आप के पति के लिए एक पत्र है।

नोरा

उसमे सब कुछ कह दिया गया है ?

क्रो०

बड़ी नरमी के साथ, जितनी नरमी सम्भवतः मुझमे आ सकी।

नोरा

[ शीघ्रता से ] उन्हे पत्र नही मिलना चाहिए। फाड़कर फेंक दीजिये। मैं रुपया प्राप्त करने का कोई साधन निकाल लूँगी।

क्रो०

क्षमा कीजिये मिसैज़ हेल्मर ! मैंने तो आप से अभी कहा है ..

नोरा

मैंने आप से जो लिया है उसकी बात नहीं कह रही हूँ। मेरे पति से आपने कितना रुपया मांगा है, मै वह भी ला दूँगी।

क्रोस्ताद्

मै आप के पति से एक पैसा भी नही चाहता।

नोरा

तब क्या चाहते है ?

क्रोस्ताद्

सुनिये, बतलाता हूं। मै फिर अपने को स्थिर करना चाहता हूँ मिसैज़ हेल्मर ! मै बढ़ता रहना चाहता हूँ और उसमे तुम्हारे पति को मेरी सहायता अवश्य करनी होगी। डेढ़ वर्ष से इधर मैंने कोई बदनामी का काम नही किया है। सारे समय मै बड़े छोटे मैदान मे युद्ध करता रहा हूँ। मुझे सीढ़ी सीढ़ी चढ़ने मे सन्तोष था। अब मैं निकाल दिया गया हूँ और फिर उस जगह के लिए दुबारा विचार करने या दया दिखाने से मुझे सन्तोष नही होगा। सुनिये, मै बढ़ना चाहता हूँ। मै बैंक मे फिर जाना चाहता हूँ, किसी ऊँची जगह पर। तुम्हारे पति को मेरे लिए एक जगह बनानी होगी।

नोरा

यह तो वे कभी नहीं करेंगे।

क्रोस्तादे

करेंगे, मैं जानता हूँ। विरोध करने का साहस वे नहीं कर सकते। और एक बार जहां मैं उनके पास पहुँचा, फिर देखना साल भर में मै मैनेजर का दाहिना हाथ हो रहूँगा। बैंक की व्यवस्था निल्स क्रोस्ताद करेगा, तावल्ति हेल्मर नहीं।

नोरा

यह आप कभी नहीं देख सकेंगे।

क्रोस्ताद

आप का मतलब कि आप...

नोरा

मुझ में इसके लिए अब साहस आ गया है।

क्रोस्ताद

अजी मुझे आप डरा नहीं सकतीं, कमजोर, आराम मे पली तुम्हारी जैसी नारी...

नोरा

अच्छा देखना! देखना!

क्रोस्ताद

बर्फ के नीचे शायद? नीचे ठंडे काले जल मे? और फिर झरने मे किनारे तक वहकर आने के लिए. सब कुछ भयंकर जो पहचाना न जा सके...गिरे हुए वाल .

नोरा

मुझे भयभीत नहीं कर सकते।

क्रोस्ताद

और न आप मुझे। लोग ऐसा करते नही हैं मिसैज़ हेल्मर ! और फिर इससे लाभ ही क्या ? फिर भी मैं उन्हे बराबर अपनी मुट्ठी में रख सकूंगा।

नोरा

मर जाने के बाद भी ?

क्रोस्ताद

याद नही है, आप की इज्ज़त फिर भी मेरे हाथ में रहेगी। [ नोरा चुपचाप खड़ी होकर उसकी ओर देखती है ] अच्छा, मैंने आप को सावधान कर दिया है। बेवकूफी न कर बैठना। जब हेल्मर को मेरा पत्र मिल जायेगा, मै उनके सन्देश की प्रतीक्षा करूंगा। और यह याद रखिए कि आपके पति ने ही मुझे मजबूर किया है, फिर इस तरह की नीति पकड़ने के लिए। इसके लिए मै उन्हें कभी क्षमा नही करूंगा। सलाम, मिसैज़ हेल्मर ! [ दालान से होकर प्रस्थान ]

नोरा

[ दालान के दरवाजे तक जाती है—धीरे से दरवाजा खोलकर आहट लेती है ] जा रहा है। लेटरबाक्स मे पत्र नही डाल रहा है ? नही—नही—असम्भव—[ आहिस्ते से दरवाज़ा खोलती है ] अरे यह क्या ? बाहर खड़ा है। नीचे नही उतर रहा है। क्या ? आगा पीछा करता है ? ऐसा कर सकता है, वह ? [ लेटरबाक्स में पत्र गिराता है—जब तक क्रोस्ताद नीचे नही उतर जाता उसके पैरों की आवाज़ सुनाई पड़ती है। नोरा हताश होकर आह भरती है

और तेज़ी से कमरे की दूसरी ओर मेज़ तक पहुंचती है—सोफ़ा के पास—थोड़ी देर सन्नाटा। ] पत्र लेटरबाक्स में पहुँच गया। [ दालान के दरवाजे से दबे पैर निकलती है ] वह है पत्र, वह ! तावल्ति ! तावल्ति ! हम लोगों के लिए अब कोई आशा नहीं। [ मिसैज़ लिन्दे कपड़े लेकर बाईं ओर के दरवाज़े से आती है ]

मिसैज़ लिन्दे

अब तो मेरी समझ में कोई चीज़ ठीक करने को नहीं है। इसे पहन कर देखोगी ?

नोरा

[ घबराई हुई मन्द स्वर मे ] क्रिस्टाइन ! यहाँ आओ।

मिसैज़ लिन्दे

[सोफ़ा पर कपड़े फेंककर] तुम्हे क्या हो गया ? इतनी घबराई हुई क्यो हो ?

नोरा

सुनो भी। वह पत्र देख रही हो ? वह देखो, वह शीशे के भीतर से दीख पड़ता है ?

मिसैज़ लिन्दे

नोरा ! क्रोस्ताद ने तुम्हे रुपया दिया था ?

नोरा

हाँ, और अब तावल्ति को सब कुछ मालूम हो जायेगा।

मिसैज़ लिन्दे

मेरा विश्वास करो नोरा ! तुम दोनों के लिए सबसे अच्छी यही बात होगी।

नोरा

तुम सब नहीं जानतीं। मैंने दस्तखत में जालसाजी की थी।

मिसैज़ लिन्दे

हे ईश्वर!

नोरा

मैं केवल तुम्हीं से यह कह रही हूँ क्रिस्टाइन! गवाह रहना।

मिसैज़ लिन्दे

तुम्हारी गवाह? मुझे क्या करना होगा?

नोरा

अगर मेरा दिमाग़ बिगड़ जाय, और ऐसा बड़ी आसानी से हो सकता है.

मिसैज लिन्दे

नोरा!

नोरा

या कोई दूसरी बात मेरे साथ हो जाय, मान लो कोई भी बात, जिसके कारण मैं यहां न रह जाऊँ .

मिसैज़ लिन्दे

नोरा! नोरा! तुम बिलकुल पागल हो गई हो।

नोरा

और अगर कोई ऐसा हो जो सारी बदनामी, सारी जिम्मेदारी ले लेना चाहे तो—समझती हो?

मिसैज़ लिन्दे

हाँ, हाँ, लेकिन तुम यह कैसे माने लेती हो कि...

नोरा

तब तुम गवाह रहना कि यह सच नहीं है। क्रिस्टाइन! मेरा दिमाग़ अभी बिलकुल नही बिगड़ा है। मेरी इन्द्रियाँ सभी ठीक हैं और मै कह रही हूँ तुमसे, अभी तक इस विषय में किसी को कुछ नही मालूम है। मैने ही, केवल मैंने ही सब कुछ किया था, याद रखना।

मिसैज़ लिन्दे

रक्खूँगी वास्तव में, लेकिन मै यह कुछ समझ नही पाती।

नोरा

तुम कैसे समझोगी ? एक विस्मयजनक बात हो रही है।

मिसैज़ लिन्दे

विस्मयजनक ?

नोरा

हां विस्मयजनक, लेकिन कितनी भयंकर! क्रिस्टाइन! यह न हो, अगर मुझे सारी दुनिया मिलती हो तो भी न हो।

मिसैज़ लिन्दे

मैं अभी जाऊँगी और क्रोस्ताद से मिलूँगी।

नोरा

उसके यहाँ न जाओ, वह कोई बुराई कर वैठेगा।

मिसैज़ लिन्दे

कोई समय था जब हँसते हँसते वह मेरे लिए कुछ भी कर सकता था।

नोरा

वह ?

मिसैज़ लिन्दे

हाँ, लेकिन वह रहता कहाँ है ?

नोरा

मुझे क्या पता ? हाँ [ अपनी जेब में टटोलती हुई ] यह उसका कार्ड है, लेकिन पत्र ..पत्र ..

हेल्मर

[ दरवाजे को ठोकता हुआ अपने कमरे से पुकारता है ] नोरा !

नोरा

[ चिन्ताग्रस्त पुकारती है ] क्या है जी ? क्या चाहते हो ?

हेल्मर

डरो मत, हम लोग भीतर नही आ रहे हैं। तुमने दरवाजा बन्द कर लिया है। कपड़ो की जांच शुरू कर दी पहन कर ?

नोरा

हाँ जी, मै बड़ी अच्छी लगती हूँ, तावल्ति !

मिसैज़ लिन्दे

[ कार्ड पढ़ लेने पर ] हाँ, तो वह यही मोड़ पर रहता है।

नोरा

लेकिन कोई लाभ नहीं, कोई आशा नहीं, पत्र तो लेटर-बाक्स में पड़ा है।

मिसैज़ लिन्दे

ताली तुम्हारे पति के ही पास रहती है?

नोरा

हाँ, बराबर।

मिसैज़ लिन्दे

क्रोग्स्ताद को अपना पत्र वापिस माँगना होगा, बिना खुले हुए। उसे कोई बहाना निकालना होगा।

नोरा

लेकिन इसी समय तावल्ति प्रायः .

मिसैज़ लिन्दे

उन्हें रोके रहना। तब तक उनके पास चली जाओ। मैं जहाँ तक हो सकेगा, जल्दी करूँगी [ तेज़ी से दालान से होकर निकल जाती है ]

नोरा

[ हेल्मर के दरवाजे पर जाती है—खोलती है और झाँकती है ] तावल्ति!

हेल्मर

[ भीतर से ] क्यों अब आखिरकार मैं अपने कमरे में फिर आने का साहस कर सकता हूँ? चलो रैंक! अब देखें। [दरवाजे पर अकस्मात् रुककर] लेकिन यह क्या?

नोरा

क्या हुआ ?

हेल्मर

रैंक ने मुझे आशा दिलाई थी भारी कायापलट की।

रैंक

[ दरवाजे पर ] मैंने ऐसा ही समझा था। लेकिन देखता हूँ मेरी भूल थी।

नोरा

हाँ, उस पोशाक में मुझे देखकर मेरी प्रशंसा करने का किसी को भी कल तक मौका नहीं मिलेगा।

हेल्मर

लेकिन प्यारी नोरा ! तुम बहुत परेशान सी मालूम हो रही हो। क्या बहुत अधिक अभ्यास करती रहीं ?

नोरा

नहीं, अभ्यास तो बिलकुल किया ही नहीं।

हेल्मर

लेकिन जरूरत तो पड़ेगी।

नोरा

हाँ, वास्तव में, करूँगी, तारवल्ड ! लेकिन जब तक तुम मेरी मदद नहीं करोगे, मैं कुछ भी नहीं कर सकूँगी। मैं तो सब भूल गई।

हेल्मर

वाह ! हम लोग जल्दी ही ठीक कर लेंगे ।

नोरा

हाँ, मुझे बतलाओ तावल्ति ! कहो कि बतलाओगे । मुझे बड़ा डर मालूम हो रहा है । आज रात बराबर मेरे साथ रहो । कोई जरा सा भी काम नही । तुम्हे हाथ से कलम भी नहीं उठानी होगी । मानते हो तावल्ति ! प्यारे !

हेल्मर

मानता हूँ । आज की रात मैं पूर्ण रूप से, बिलकुल तुम्हारी सेवा में हाज़िर रहूँगा । तुम असहाय, निर्बल प्राणी ! लेकिन पहले मैं जरा [ दालान के दरवाजे की ओर जाता है ]

नोरा

तावल्ति ! न जाओ, वहाँ कुछ नही है ।

हेल्मर

मुझे देख भी लेने दो । [लेटरबाक्स तक जाने के लिए दरवाजे की ओर घूमता है । नोरा पियानो पर तारेन्तला की पहली कड़ियाँ बजाती है, हेल्मर दरवाज़े पर खड़ा हो जाता है ] आह !...

नोरा

मैं कल नाच नही सकती अगर तुम्हारे साथ अभ्यास न कर लूँगी ।

हेल्मर

[ उसके पास जाते हुए ] प्यारी ! तुम वास्तव में इससे इतनी डर गई हो ?

नोरा

हाँ, भयंकर डर, मुझे अभी अभ्यास करने दो। अभी समय है खाने के पहले। बैठो और बाजा बजाओ। तावल्ति! प्यारे! आलोचना न करो। ग़लतियाँ बताते जाओ, बजाने के साथ ही साथ।

हेल्मर

[ प्रसन्न हो कर ] बड़ी प्रसन्नता से, अगर तुम चाहती हो। [ पियानो पर बैठता है ]

नोरा

[ सन्दूक के भीतर से एक खजरी निकाल लेती है और एक कामदार शाल अपने चारों ओर लपेट लेती है और तब पियानो के सामने पहुँच कर बोल उठती है ] अब बजाओ, मैं नाचने जा रही हूँ।

[ हेल्मर बजाता है। नोरा नाचती है। रैंक बगल में हेल्मर के पीछे खड़ा होकर देखता है ]

हेल्मर

[ बजाते हुए ] धीरे, धीरे।

नोरा

मैं तो ऐसे ही नाच सकती हूँ।

हेल्मर

इतने ज़ोर से नहीं, नोरा!

नोरा

यही तो तरीका है।

हेल्मर

[ बजाना बन्द करके ] नहीं, नहीं, यह बिलकुल गलत है।

नोरा

[ हँसती हुई और खजरी हिलाती हुई ] मैंने तुमसे कहा नहीं था ?

रैंक

मैं बजाऊँ ?

हेल्मर

[ उठते हुए ] तब मैं उसे अच्छी तरह सिखला सकूँगा।

रैंक

[ पियानो पर बैठकर बजाने लगता है। नोरा और भी ज़्यादा जङ्गली-पन के साथ नाचने लगती है। हेल्मर अँगीठी के पास बैठा है और रह रह कर उसे बतलाता जाता है। वह जैसे उसका कहना सुनती ही नहीं। उसके बाल बिखर कर कन्धे पर गिर पड़ते हैं। वह इसका कुछ भी ख्याल नहीं करती, नाचती जाती है। मिसेज़ लिन्दे का प्रवेश ]

मिसेज़ लिन्दे

[ दरवाजे पर मन्त्र मुग्ध की तरह खड़ी होकर ] वाह !

नोरा

[ नाचते हुए ] कैसा तमाशा है, क्रिस्टाइन !

हेल्मर

मेरी नोरा रानी ! इस तरह नाच रही हो जैसे इसी पर तुम्हारी जिन्दगी निर्भर है।

नोरा

इसी पर निर्भर है।

हेल्मर

ठहरिये, रैंक, यह बिल्कुल पागलपन है। ठहरो जी कह रहा हूँ। [ रैंक बजाना बन्द करते हैं और नोरा चुपचाप खड़ी हो जाती है। हेल्मर उसके पास जाता है। ] मुझे कभी भी इस का विश्वास न होता कि मैंने तुमको जो कुछ भी सिखलाया था तुमने सब भुला दिया है।

नोरा

[ खजरी फेंक कर ] देखा न ?

हेल्मर

तुम्हें बहुत तैयार करना पड़ेगा।

नोरा

हाँ, देखो, मुझे इसकी कितनी जरूरत है ? तुम्हें आखिरी समय तक मुझे तैयार करना पड़ेगा। कहो, प्रतिज्ञा करते हो ?

हेल्मर

तुम मेरे भरोसे रह सकती हो।

नोरा

तुम किसी भी और काम का ख्याल न करोगे, मेरे सिवाय, आज और कल। तुम्हें एक पत्र भी नहीं खोलना होगा, यहाँ तक कि लेटरबाक्स भी नहीं।

हेल्मर

तुम अब भी उस मनुष्य से डरती हो।

नोरा

हाँ, डरती हूँ।

हेल्मर

नोरा! तुम्हारे चेहरे से मैं कह सकता हूँ कि इस समय उसका एक पत्र उसमें है।

नोरा

मै नही जानती। मैं भी समझती हूँ, है। लेकिन इस समय तो उस तरह की तुम्हे कोई भी चीज़ नहीं देखनी होगी। जब तक कि यह समाप्त न होजाय, कोई भी भयंकर बात हम दोनों के वीच न आने पावे।

रैंक

[ हेल्मर के कान मे ] उसकी बात न काटना।

हेल्मर

[ उसे गोद मे लेकर ] वाह! मुग्धा की वात रहे। लेकिन कल रात को जब तुम्हारा नाच समाप्त हो जायेगा, तब उसके वाद

नोरा

तब तुम स्वतन्त्र होगे। [ दाईं ओर के दरवाजे से दासी का प्रवेश ]

दासी

भोजन तैयार है श्रीमती जी।

नोरा

शैम्पेन पिया जायेगा, हेलन!

दासी

अच्छा, श्रीमती।

हेल्मर

वाह! वाह! तब तो हम लोग दावत खाने चल रहे हैं।

नोरा

हाँ शैम्पेन की दावत कुछ घंटो के लिए और थोड़े से मैकरून हेलन!

हेल्मर

चलो, चलो, इतनी डरपोक और जंगली न बनो। जैसे रहती थी वैसे ही रहो, मेरी मुन्नी!

नोरा

अच्छी बात है, वही सही। लेकिन भीतर चलो। आप भी डाक्टर रैंक! क्रिस्टाइन! जरा मेरे बाल ठीक करा दो।

रैंक

[ जाते समय हेल्मर के कान मे कहता है ] मैं समझता हूँ कोई खास बात तो नही है।

हेल्मर

कुछ नही, भाई, कुछ भी नही। बस बच्चो जैसी घबराहट

है, जैसा कि मैं अभी कह रहा था। [ दायें दरवाजे से दोनों का प्रस्थान ]

नोरा

कहो।

मिसैज़ लिन्दे

शहर के बाहर चला गया है।

नोरा

तुम्हारे चेहरे से ही मालूम होता है।

मिसैज़ लिन्दे

कल शाम को घर आयेगा। मैं उसके लिए एक पत्र छोड़ आई हूँ।

नोरा

इसे यों ही छोड़ दो। तुम न रोको। किसी विस्मयजनक बात की प्रतीक्षा बड़े मज़े की बात होती है।

मिसैज़ लिन्दे

किस बात की प्रतीक्षा कर रही हो ?

नोरा

ओफ ! तुम नहीं समझोगी। उनके पास भीतर जाओ। मैं अभी दो मिनट मे आ रही हूँ। [ मिसैज़ लिन्दे भोजनशाला की ओर जाती है। नोरा थोड़ी देर खड़ी रहती है, जैसे अपने को सम्हाल कर तैयार करने के लिए। अपनी घड़ी देखती है ] पाँच बजे हैं। आधी रात के पहले सात घंटे और तब २४ घंटे दूसरी आधी रात तक। तब

तारेन्तला समाप्त होगा। चौबीस और सात? जिन्दगी के इकतीस घंटे और शेष हैं।

हेल्मर

[ दायें दरवाजे से ] मेरी नुन्नी कहाँ है ?

नोरा

[ अपनी बाहें फैला कर उसकी ओर जाती हुई ) यह रही।

# तीसरा अङ्क

[ वही दृश्य । कमरे के बीच मे मेज़ रख दी गई है । उसके चारों ओर कुर्सियाँ । मेज पर लैम्प जल रहा है । दालान का दरवाजा खुला है, ऊपर के कमरे मे नाच और गाना सुनाई पड़ता है । मिसैज़ लिन्दे मेज पर बैठ कर किसी किताब के पन्ने इधर उधर उलट रही है । पढ़ने का प्रयत्न तो कर रही है, किन्तु अपने चित्त को स्थिर नही कर पाती । बीच-बीच मे बाहरी दरवाज़े की ओर कान लगाकर किसी की आहट लेती है )

मिसैज़ लिन्दे

[ अपनी घडी देखकर ] अब तक नहीं आया और समय बीता जा रहा है । यदि वह न आया ? [ फिर आहट लेती है ] ओ...वह आ रहा है । [ दालान में जाकर बाहरी दरवाजा धीरे से खोलती है .. जीने पर पैरों की हल्की आवाज़ सुनाई पडती है । धीरे से कहती है ] भीतर चले आओ, और कोई नहीं है ।

क्रोस्ताद

( दरवाजे पर से ) मकान पर तुम्हारा एक पत्र मिला । इसका क्या मतलब है ?

मिसैज़ लिन्दे

तुम से कुछ बात करने की भारी जरूरत पड़ गई है ।

क्रोस्ताद

वास्तव मे ? और यह भी ज़रूरी है कि बातचीत यहीं हो ?

मिसैज़ लिन्दे

जहाँ मैं रहती हूँ वहाँ तो मौक़ा है नही। यहाँ और कोई नहीं है। भीतर चले आओ। दासी सो रही है और हेल्मर दम्पति ऊपर नाच मे है।

क्रोस्ताद

( कमरे में प्रवेश करते हुए ) क्या हेल्मर दम्पति सचमुच आज नाच मे गए हुए हैं ?

मिसैज़ लिन्दे

हाँ, क्यो नही ?

क्रोस्ताद

ठीक है, क्यो नही ?

मिसैज़ लिन्दे

अच्छा निल्स ! अब बाते हो।

क्रोस्ताद

हम दोनो के बीच बात करने की भी कोई बात हो सकती है ?

मिसैज़ लिन्दे

हम दोनो को बहुत कुछ कहना सुनना है।

क्रोस्ताद

मैंने तो कभी यह सोचा भी नही।

मिसैज लिन्दे

नही, तुमने मुझे कभी ठिकाने से समझा नहीं।

क्रोस्ताद्

क्या समझने के लिए कुछ और भी था, सिवा उसके जिसका पता सारी दुनिया को है—हृदय-हीन नारी पुरुष को ठुकरा देती है जब उसे दूसरा अधिक धन वाला प्रेमी मिल जाता है ?

मिसेज़ लिन्डे

तुम्हें विश्वास है कि मैं ऐसी निरी हृदयहीन हूँ ? तुम इस पर आसानी से विश्वास कर सकते हो ?

क्रोस्ताद्

तुमने ऐसा नहीं किया ?

मिसेज़ लिन्डे

निल्स ! तुम हृदय से यह विश्वास करते हो ?

क्रोस्ताद्

अगर ऐसी बात नहीं थी, तो उस समय तुमने मुझे इस प्रकार का पत्र क्यों लिखा था ?

मिसेज़ लिन्डे

मैं और कुछ कर ही नहीं सकती थी। जब कि मुझे तुमसे अलग होना ही था, तो मेरा यह भी कर्तव्य था कि तुम्हारे हृदय ने मेरे लिए जो भावना थी उसका भी अन्त कर दूँ।

क्रोस्ताद्

हाँ, तो ऐसा था ! (हाथ मलते हुए) और यह सब केवल धन के लिए ?

मिसैज लिन्दे

तुमको भूलना नही चाहिए कि मेरे साथ मेरी असहाय माँ थी और दो छोटे भाई। हम लोग तुम्हारे भरोसे बैठे नहीं रह सकते थे, निल्स, तुम्हारा भविष्य उस समय आशापूर्ण नही था।

क्रोस्ताद

हो सकता है, लेकिन किसी की भी खातिर मुझे ठुकरा देने का अधिकार तुम्हे नही था।

मिसैज लिन्दे

वास्तव मे मैं नही जानती। मैंने कई बार अपने ही से पूछा है कि मुझे ऐसा अधिकार था या नही।

क्रोस्ताद

[ पहले से अधिक नरमी से ] जब मैंने तुम्हे खो दिया तो ऐसा मालूम हुआ कि मेरे पैरो के नीचे से पृथ्वी निकल गई। अब मेरी ओर देखो। मैं डूबे हुए जहाज़ के मुसाफिर की तरह हूं जो अथाह और असीम जल मे एक तख़्ते को पकड़े है।

मिसैज लिन्दे

लेकिन सहायता नज़दीक हो सकती है।

क्रोस्ताद

वह नजदीक तो थी, लेकिन मेरा रास्ता तुमने आकर बन्द कर दिया।

मिसैज लिन्दे

मैंने ऐसा जान-बूझ कर नहीं किया, निल्स। आज ही मुझे मालूम हुआ है कि मुझे बैंक मे तुम्हारी ही जगह मिल रही है।

क्रोस्ताद

अगर तुम ऐसा कहती हो, तो मैं तुम्हारी बात मान लेता हूँ। लेकिन अब जब तुमको यह मालूम हो गया, तब भी तुम मेरे लिए उसे छोड़ नहीं रही हो ?

मिसैज़ लिन्दे

नहीं, क्योंकि उससे तुम्हारा कुछ भी लाभ नहीं होगा।

क्रोस्ताद

अरे लाभ ? लाभ ? लेकिन अगर मैं तुम्हारे स्थान पर होता तो मैं तो इस तरह आगा-पीछा न करता।

मिसैज़ लिन्दे

मुझे समझदारी से काम लेना आ गया है। ज़िन्दगी के कटु अनुभव और जरूरतों की परेशानी ने मुझे यह सिखला दिया है।

क्रोस्ताद

और ज़िन्दगी ने मुझे भी सिखला दिया है, मीठे शब्दों पर विश्वास न करना।

मिसैज़ लिन्दे

ज़िन्दगी ने तुम्हें यह समझदारी की ही बात सिखलाई है। लेकिन शब्दों पर नहीं तो कार्यों से तो तुम्हें विश्वास करना होगा।

क्रोस्ताद

इससे तुम्हारा मतलब क्या है ?

मिसैज़ लिन्दे

तुमने अभी कहा था तुम डूबे हुए जहाज़ के मुसाफिर हो, एक टूटे हुए तख्ते को पकड़े हो।

क्रोस्ताद

मैंने ठीक कहा है।

मिसैज़ लिन्दे

सुनो, मैं भी डूबे हुए जहाज़ की स्त्री हूँ, एक टूटे हुए तख्ते को पकड़े हूँ। न किसी की चिन्ता करनी है और न किसी के लिए रोना है।

क्रोस्ताद

तुम जो कुछ हो अपनी मरज़ी से हुई हो।

मिसैज़ लिन्दे

तब कोई मरज़ी की बात नहीं थी। दूसरा रास्ता ही नहीं था।

क्रोस्ताद

अच्छा, अब है?

मिसैज़ लिन्दे

यदि हम दोनों डूबे हुए जहाज़ के मुसाफिर अपनी शक्तियों को मिला ले तो कैसा हो?

क्रोस्ताद

तुम कह क्या रही हो?

मिसैज़ लिन्दे

एक ही तख्ते पर दोनों के लिए अधिक आशा रहेगी, अलग अलग तख्तों पर रहने की अपेक्षा।

क्रोग्स्ताद

क्रिस्टाइन ?

मिसैज़ लिन्डे

तुम क्या समझते हो मैं शहर में क्यों आई ?

क्रोग्स्ताद

तुम्हारा मतलब यह है कि तुमने मेरा ख्याल किया ?

मिसैज़ लिन्डे

बिना काम के मुझे जीवन असह्य प्रतीत होता है। मैंने जीवन भर, जब तक की मुझे याद है, काम किया है। यही मेरा सबसे बड़ा और एक मात्र सुख रहा है। लेकिन अब मैं दुनिया में अकेली हूँ, बिलकुल अकेली। मेरी ज़िन्दगी कितनी सूनी है ! मुझे मालूम देता है कि मैं परित्यक्ता हूँ। अपने ही लिए काम करने में कोई सुख नहीं, कोई आनन्द नहीं। निल्स ! मुझे कोई चाहिए जिसके लिए मैं काम कर सकूँ।

क्रोग्स्ताद

मुझे इसमें विश्वास नहीं। यह और कुछ नहीं, भावुक स्त्री की उदारता का झुकाव है, जो तुम्हें इस प्रकार आत्मोत्सर्ग के लिए प्रेरित कर रहा है।

मिसैज़ लिन्डे

तुम्हें कभी भी ऐसी बात मुझमें देखने को मिली है ?

क्रोग्स्ताद

तो तुम यह कर सकोगी ? वास्तव में ? तुम्हें मेरे बीते दिनों की बातें मालूम हैं ?

मिसैज लिन्दे

हाँ।

क्रोस्ताद

और तुम्हे मालूम है यहाँ लोग मेरे बारे मे क्या सोचते हैं ?

मिसैज़ लिन्दे

लेकिन तुम्हारी अभी की बातो से मैंने तुम्हारा यह मतलब समझा था कि मेरे साथ तुम दूसरे ही मनुष्य हुए होते।

क्रोस्ताद

इसमे सन्देह नही।

मिसैज़ लिन्दे

क्या अब भी सम्भव नही है ?

क्रोस्ताद

क्रिस्टाइन ! तुम यह सोच विचार कर कह रही हो ? मुझे विश्वास है, कह रही हो। तुम्हारे मुख के भाव से मालूम हो रहा है। तो फिर साहस है ?

मिसैज लिन्दे

मैं किसी की माँ होना चाहती हूँ और तुम्हारे बच्चो को किसी माँ की जरूरत है। हम दोनो को एक दूसरे की ज़रूरत है। निल्स, मुझे तुम्हारे वास्तविक चरित्र मे विश्वास है। मै तुम्हारे साथ कुछ भी करने का साहस रखती हूँ।

क्रोस्ताद

(इसके हाथ पकड़ लेता है) धन्यवाद, धन्यवाद, क्रिस्टाइन !

अब मुझे संसार की आँखो में अपने को साफ करने का रास्ता मिल जायेगा। ओह! लेकिन मैं यह तो भूल ही गया ..

मिसैज़ लिन्दे

(आहट लेकर) चुप! तारेन्तला! अब जाओ! जाओ।

क्रोस्ताद

क्यों क्या हुआ ?

मिसैज़ लिन्दे

ऊपर की आवाज सुनाई पड़ रही है। उसके समाप्त होते ही उनके आ जाने की सम्भावना है।

क्रोस्ताद

अच्छा, अच्छा, मै जा रहा हूँ। लेकिन अब सब बेकार है। शायद तुमको पता नही मैंने इस हेल्मर परिवार के साथ क्या कार्रवाई की है ?

मिसैज़ लिन्दे

मै उसके वारे मे सब जानती हूँ।

क्रोस्ताद

इतने पर भी तुम साहस कर रही हो ?

मिसैज़ लिन्दे

मै अच्छी तरह जानती हूँ, तुम्हारे जैसा आदमी हताश होने पर निराशा से कहाँ तक जा सकता है।

क्रोस्ताद

काश जो कुछ मैंने किया है उसे मिटा सकता !

मिसैज लिन्दे

अब सम्भव नही है। तुम्हारा पत्र इस समय लेटर-वक्स में पड़ा है।

क्रोस्ताद

तुम्हे यह ठीक पता है।

मिसैज़ लिन्दे

विलकुल, लेकिन .

क्रोस्ताद

[ उसको ध्यान से देख कर ] क्या इसी लिए यह सब हो रहा है ? तुम अपनी सखी की रक्षा जैसे भी हो, करना चाहती हो ? साफ कहो। यही वात है न ?

मिसैज़ लिन्दे

निल्स ! जो स्त्री एक वार अपने को दूसरे की खातिर वेच चुकी हो, वह फिर दूसरी वार वैसा नही कर सकती।

क्रोस्ताद

मैं अपना पत्र वापिस मांगूंगा।

मिसैज़ लिन्दे

नहीं, नही।

क्रोस्ताद

मै जरूर मॉगूंगा। मै हेल्मर के आने तक यहीं ठहरूँगा। उससे कहूँगा कि मेरा पत्र लौटा दे, उसमे केवल मेरी वरख्वास्तगी की वात है, उसे वह न पढ़े।

मिसैज़ लिन्दे

नहीं निल्स! अपना पत्र न लौटाओ।

क्रोस्ताद

लेकिन सच कहना क्या इसीलिए तुमने मुझे यहाँ मिलने के लिए नहीं बुलाया था?

मिसैज़ लिन्दे

मेरी घबराहट के प्रारम्भ मे तो यही बात थी। लेकिन तब से चौबीस घंटे बीत चुके और इस बीच मे मैने इस घर में बहुत सी बाते देखी है जिन पर मुझे विश्वास न होता। हेल्मर को यह सब मालूम होना चाहिए। यह दुःखपूर्ण रहस्य खुल जाना चाहिए। उनको एक दूसरे को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए और जब तक यह झूठ बोलने और छिपाने की क्रिया होती रहेगी, यह असम्भव है।

क्रोस्ताद

अच्छी बात है, अगर तुम इसकी जिम्मेदारी अपने ऊपर लेती हो। लेकिन एक बात तो मुझे किसी भी हालत मे करनी ही चाहिए और उसे मै फौरन ही कर डालूँगा।

मिसैज़ लिन्दे

[ आहट लेकर ] जल्दी करो, जाओ! नाच हो चुका, अब एक क्षण भी हम लोग सुरक्षित नहीं हैं।

क्रोस्ताद

मै तुम्हारे लिए नीचे ठहरूँगा।

मिसैज़ लिन्दे

हाँ, ठहरना। मुझे मेरे दरवाज़े तक पहुँचा देना।

क्रोस्ताद

अपनी ज़िन्दगी में ऐसा आश्चर्यजनक सौभाग्य मुझे कभी नहीं मिला।

[ बाहरी दरवाजे से निकल जाता है। दालान और कमरे के बीच का दरवाजा खुला रहता है ]

मिसैज़ लिन्दे

[ कमरा बन्द कर और अपना कोट और हैट ठीक करके ] कितना अन्तर है! कितना अन्तर है! किसी के लिए काम करना और जीना, एक परिवार को सुखी बनाने के लिए परिश्रम करना! मैं करूँगी, अवश्य करूंगी। ऐसी तबियत चाहती है. वे जल्दी करते. चले आते। [ आहट लेकर ] हाँ! आ तो रहे हैं। कपड़े पहन लेना चाहिए। [ हैट और कोट उठाती है। नोरा और हेलमर की आवाज़ बाहर सुनाई पड़ती है। कहीं ताली घूमने की आवाज़ होती है। हेलमर जबरदस्ती नोरा को कमरे में ले आता देख पड़ता है। नोरा इटैलियन पोशाक पर लम्बा काला शाल डाले हुए है। हेलमर शाम की पोशाक पर काला हैट पहने है। ]

नोरा

[ दरवाजे पर रुकती हुई और हेलमर से छूटने का प्रयत्न करती हुई ] नहीं, नहीं, नहीं, मुझे भीतर न ले जाओ। मैं अभी ऊपर जाना चाहती हूँ। मै इतनी जल्दी चले आना नहीं चाहती।

हेल्मर

लेकिन प्यारी नोरा...

नोरा

दया करो, तावल्ति ! छोड़ दो ! केवल घंटे भर और।

हेल्मर

एक मिनट भी नहीं प्यारी नोरा ! तुम जानती हो यही हम लोगों की शर्त थी। भीतर चलो, यहाँ खड़ी होकर सर्दी खा रही हो। [ उसकी आपत्ति पर भी वह उसे प्रेम से भीतर ले आता है। ]

मिसैज़ लिन्दे

अभिवादन !

नोरा

क्रिस्टाइन !

हेल्मर

आप यहाँ है ? इतनी देर तक, मिसैज़ लिन्दे ?

मिसैज़ लिन्दे

क्षमा कीजिएगा, मैं नोरा को उसकी पोशाक मे देखने के लिए उत्सुक थी।

नोरा

मेरे लिए अब तक यहाँ बैठी थी ?

मिसैज़ लिन्दे

दुर्भाग्यवश मैं बड़ी देर से आई। आप लोग ऊपर चले गए थे, मैंने ठान लिया कि तुम को देखे विना न जाऊँगी।

हेल्मर

[ नोरा का शाल उतार कर ] हाँ, अच्छी तरह देखिये। इस समय यह देखने ही लायक हैं। मिसैज़ लिन्दे, यह मोहिनी बन गई हैं या नहीं ?

मिसैज़ लिन्दे

वास्तव मे बन गई है।

हेल्मर

आज तो और भी आकर्षक हो गई है। नाच में सभी का ऐसा ही ख्याल था। लेकिन इस नन्ही सी सुन्दरी की मनमानी भी हद दर्जे की होती है। हम लोग इसे कैसे क़ाबू मे लावे ? आप शायद विश्वास न करेगी, मुझे जबरदस्ती इसे उठा कर लाना पड़ा है।

नोरा

तावल्ति ! तुम पछताओगे, मुझे कम से कम आध घंटे और न रहने देने के लिए।

हेल्मर

सुनिए मिसैज लिन्दे, यह कह क्या रही है। तारेन्तला का नाच इसने किया और बड़ी खूबी के साथ। बड़ा सफल रहा और सफलता के योग्य वह था भी। गोकि नृत्य मे वास्तविकता आवश्यकता से अधिक थी और जरा वह कला की सीमा के बाहर भी निकल गया था, जरा ही, लेकिन उसकी क्या चिन्ता ? असल बात तो यह कि इसे सफलता मिली, ऊँ

दर्जे की सफलता। क्या आप सोच सकती हैं कि मैं उसके बाद इसे वहाँ रहने देता और वह प्रभाव बिगड़ जाने देता? नहीं, मैंने अपनी मोहिनी को उठा लिया, तेजी से कमरे में एक बार घूम गया, इधर-उधर, कहीं, कहीं सिर भी झुकाता गया और जैसा कि लोग उपन्यासों में पढ़ा करते हैं वह सौन्दर्य की प्रतिभा विलीन हो गई! प्रस्थान सदैव प्रभावशाली होना चाहिए, मिसैज़ लिन्दे! लेकिन यही बात मैं नोरा को समझा नहीं पाता। ओफ! यह कमरा बड़ा गरम है। [अपना नक़ाब कुर्सी पर रख कर अपने कमरे का दरवाज़ा खोलता है] अरे, यहाँ तो अन्धकार है! हाँ, ठीक, क्षमा कीजिए। [भीतर जाकर कुछ मोमबत्तिया जलाता है।]

नोरा

[जल्दी से एक ही साँस में] कहो।

मिसैज़ लिन्दे

[ठंडे स्वर में] मैंने उससे कहा।

नोरा

हाँ, तब?

मिसैज़ लिन्दे

अपने पति को इस विषय में सब कुछ बता दो।

नोरा

[रूखे स्वर में] मैं यह जानती थी।

मिसैज़ लिन्दे

जहाँ तक क्रोस्ताद का सम्बन्ध है, तुम्हे कोई भी डर नही है, लेकिन तुम उनसे कह दो।

नोरा

मै उनसे तो नही कहूँगी।

मिसैज़ लिन्दे

तब पत्र कह देगा।

नोरा

धन्यवाद क्रिस्टाइन। मै जानती हूँ मुझे अब क्या करना चाहिए। ओफ !

हेल्मर

[ फिर वहाँ आते हुए ] क्यो मिसैज लिन्दे, आप इसकी सुन्दरता का निरीक्षण कर चुकी ?

मिसैज़ लिन्दे

हाँ, और मैं अब जा रही हूँ।

हेल्मर

क्या ? अभी से ? यह जाली आपकी बनाई है ?

मिसैज लिन्दे

[ उसे लेकर ] हाँ, धन्यवाद। मै इसे बिलकुल भूल ही गई थी। हाँ तो जा रही हूँ नोरा ! मनमानी फिर न करना।

हेल्मर

यह ठीक है, मिसैज लिन्दे।

मिसैज़ लिन्दे

सलाम, मिस्टर हेल्मर !

हेल्मर

[ उसे दरवाजे के पास तक पहुँचा कर ] सलाम, सलाम । आशा है आप मज़े में घर पहुँच जायेंगी । मुझे बड़ी प्रसन्नता होती आपको पहुँचा आने में, लेकिन आप को बहुत दूर नहीं जाना है । [ वह बाहर चली जाती है । उसके चले जाने के बाद दरवाज़ा बन्द कर वह भीतर आता है । ] ओफ ! अन्त में इससे छुट्टी मिली । इस स्त्री से तबीयत ऊब जाती है ।

नोरा

थकावट नहीं मालूम देती, तावल्ति !

हेल्मर

नहीं, बिलकुल नहीं, ज़रा सी भी नहीं ।

नोरा

नींद भी नहीं मालूम हो रही है ?

हेल्मर

आँख भी नहीं झपती । उल्टी बड़ी सजीवता मालूम हो रही है । और तुम ? तुम तो जैसे थकी सी मालूम हो रही हो, और शायद नींद भी तुम्हे आ रही है ।

नोरा

मै तो बहुत थक गई हूँ, अभी सो जाना चाहती हूँ ।

हेल्मर

अब समझीं तुम्हें वहाँ न छोड़ आना बहुत ठीक हुआ ?

नोरा

तुम जो कुछ भी करते हो सब ठीक ही होता है, तावल्ति !

हेल्मर

[ उसके ललाट को चूमकर ] अब मेरी कोयल समझदारी की बात कर रही है। देखा तुमने आज रैंक कितना प्रसन्न था ?

नोरा

क्या सचमुच वड़े प्रसन्न थे ? मैं तो उनसे एक बात भी नहीं कर सकी।

हेल्मर

मैं भी बहुत कम बात कर सका, लेकिन बहुत दिनों से मैंने उसे इतना प्रसन्न नहीं देखा था। [ कुछ देर तक उसकी ओर देखता रहता है, फिर उसके पास जा कर ] फिर अपने घर का एकान्त है ! कितना मादक है ! अकेले तुम्हारे साथ रहना ! तुम मायाविनी हो, मोहिनी !

नोरा

मेरी ओर इस तरह न देखो, तावल्ति !

हेल्मर

मैं अपनी सब से प्रिय वस्तु की ओर क्यों न देखूँ ? यह सारा सौन्दर्य मेरे लिए है, यह केवल मेरा है।

नोरा

[ मेज़ की दूसरी ओर जाती हुई ] आज की रात इस तरह की बातें मुझसे न करो।

हेल्मर

[ उसके पीछे चलते हुए ] तुम्हारे रक्त में अब तक तारेन्तला व्याप्त है। और इससे तुम पहले से भी अधिक मोहिनी हो गई हो। सुनो, अतिथियों का लौटना शुरू हो गया है। [ धीरे से ] नोरा! थोड़ी देर में मकान बिलकुल शान्त हो जायेगा।

नोरा

हाँ, मैं भी यही समझती हूँ।

हेल्मर

हाँ, मेरी अपनी निधि नोरा! तुम्हे पता है जब मैं तुम्हारे साथ इस तरह की किसी पार्टी में जाता हूँ तो तुम से मैं इतना कम क्यो बोलता हूँ, तुम से दूर क्यों रहता हूँ और क्यो कभी कभी नज़र बचा कर तुम्हे देख लेता हूँ, रह रह कर? जानती हो मै ऐसा क्यो करता हूँ? इसलिए कि मै यह कल्पना किया करता हूँ कि हम दोनों गुप्त रूप से प्रेम में पड़ गये है, तुम.गुप्त रूप मे मेरी निश्चित प्रेयसी हो, और किसी को सन्देह भी नहीं होता कि हम दोनो मे कोई बात है।

नोरा

हाँ, हाँ, मै खूब जानती हूँ तुम्हारा ध्यान बराबर मेरी ओर लगा रहता है।

हेल्मर

और जब हम लोग आने लगते है, और मैं तुम्हारे सुन्दर कन्धो पर शाल रखने लगता हूँ, और तुम्हारी आकर्षक गर्दन पर, तब मै सोचने लगता हूँ कि तुम मेरी मुग्धा वधू हो और हम लोग अभी अभी विवाह-मण्डप से निकले चले आ रहे हैं, और मैं पहली ही बार तुम्हे अपने घर मे ला रहा हूँ, तुम्हारे साथ पहली बार एकान्त सेवन के लिए, अपनी लज्जाशीला प्रियतमा के साथ। शाम से ही तुम्हे छोड़ कर मुझे और कोई चिन्ता नहीं रही है। तारेन्तला मे तुम्हारी आकर्षक आकृतियों की ओर जब मैंने देखा, तो मेरा रक्त खौलने लगा। मेरे लिए वह असह्य हो उठा और इसलिए मै तुम्हे इतनी जल्दी ले कर चला आया।

नोरा

जाओ, तावलित ! तुम्हे मुझे छोड़ना होगा। मैं नहीं .

हेल्मर

यह क्या ? नोरा ! हँसी कर रही हो ! नहीं, नहीं कैसी ? क्या मै तुम्हारा पति नहीं हूँ ?

[ दरवाजे पर धक्का सुनाई पड़ता है ]

नोरा

[ चौंक कर ] सुना तुमने ?

हेल्मर

[ दालान मे जा कर ] कौन है ?

रैंक

[ बाहर से ] मै हूँ। क्षण भर के लिए आ सकता हूँ ?

हेल्मर

[ नाराज़ी से धीमी आवाज़ में ] ओफ ! क्या चाहते हैं अब ! [ जोर से ] ज़रा ठहरिये। [ दरवाजा खोलता है ] आइए। यह आपकी कृपा है जो चुपचाप नहीं निकल गए।

रैंक

मैंने सोचा तुम्हारी आवाज़ सुनाई पड़ रही है। इच्छा हुई एक बार यहाँ आकर देख लूँ। [ एक बार चारों ओर देख कर ] ओ ! वही चिरपरिचित प्रिय कमरे। यहाँ तुम दोनों बड़े प्रसन्न और सुखी हो।

हेल्मर

आज ऊपर खूब मौज में रहे !

रैंक

क्या पूछना ? क्यों न मौज करता ? कोई दुनिया की सभी बातों का आनन्द क्यो न ले ? कम से कम जहाँ तक और जब तक सम्भव हो ? शराब बड़ी अच्छी थी।

हेल्मर

विशेषतः शैम्पेन।

रैंक

तुम्हे भी पसन्द आई ? विश्वास नही होता आज मैं कितनी पी गया।

नोरा

आज रात तावल्ति ने भी बहुत अधिक शैम्पेन पी है।

रैंक

सचमुच ?

नोरा

हाँ, और बाद को तो बराबर उसी मस्ती में रहे है।

रैंक

ठीक है, कोई दिन भर के काम के बाद रात को कुछ आनन्द क्यो न उठावे ?

हेल्मर

दिन भर काम ? इस यश का तो मै भागी नही हो सकता।

रैंक

[ उसकी पीठ ठोक कर ] लेकिन मैं हो सकता हूँ, समझे ?

नोरा

डाक्टर रैंक ! आज तो आप किसी वैज्ञानिक प्रयोग में फंसे रहे होगे।

रैंक

बिलकुल ठीक।

हेल्मर

ज़रा सुनो तो ! नोरा और वैज्ञानिक प्रयोग के विषय की बात-चीत !

नोरा

तो क्या मैं परिणाम के विषय में वधाई दे सकती हूँ ?

रैंक

हाँ, जरूर।

नोरा

तो क्या अनुकूल सिद्ध हुआ ?

रैंक

अधिक से अधिक अनुकूल। डाक्टर और मरीज़ दोनों ही के लिए।

नोरा

[ तेजी से और ध्यान से ] निस्सन्देह ?

रैंक

विलकुल निस्सन्देह। तो आज शाम को उसके वाद मुझे आनन्द मनाने का अधिकार था न ?

नोरा

हाँ, वास्तव में था।

हेल्मर

मै भी ऐसा ही सोचता हूँ वशर्ते कि इसके लिए आपको सवेरे दण्ड न भोगना पड़े।

रैंक

अजी इस जीवन मे कोई भी कुछ नही पा सकता, जव तक कि वह उसके लिए दण्ड भुगतने को तैयार न हो।

नोरा

डाक्टर रैंक ! आपको इस तरह का नाच पसन्द है ?

रैंक

हाँ, अगर सुन्दर पोशाको की काफी लम्वी क़तार हो।

नोरा

तो फिर वतलाइए, दूसरी वार हम दोनो क्या पहनेंगे ?

हेल्मर

उँह, तुम दूसरी वार के लिए अभी सोचने लगी ?

रैंक

हम दोनो ? अच्छा मै तुम्हे वतलाता हूँ। तुम परी वन कर जाना।

हेल्मर

लेकिन उसके लिए उपयुक्त पोशाक क्या होगी ?

रैंक

अपनी स्त्री को उसी वेश मे जाने देना जिसमे वह वरावर रहती है।

हेल्मर

यह तो अच्छी वात वदली ! खैर, आप क्या पहनेंगे ?

रैंक

हाँ, भाई मैंने इस विषय मे अपना विचार निश्चित कर लिया है।

हेल्मर

कहिए भी तो जनाब !

रैंक

अगले नाच के अवसर पर मैं अदृश्य रहूँगा।

हेल्मर

अच्छी दिल्लगी रही !

रैंक

एक काला बड़ा हैट होता है। तुमने ऐसे हैटों के बारे में नहीं सुना है जो सब को अदृश्य बना देते हैं। अगर एक पहन लो तो तुम्हें कोई न देख सकेगा।

हेल्मर

[ मुस्कराहट दबा कर ] बिलकुल ठीक कह रहे हैं।

रैंक

लेकिन मैं जिस चीज़ के लिए आया था उसे तो बिलकुल ही भूल गया। हेल्मर ! एक सिगार तो देना, हवाना वाला बढ़िया।

हेल्मर

बड़ी खुशी से। [ उसे अपना केस देता है ]

रैंक

[ एक सिगार लेकर और उसका एक सिरा काट कर ] धन्यवाद।

नोरा

[ दियासलाई जलाती हुई ] लाइए, मैं जला दूँ।

रैंक

धन्यवाद। [ नोरा सिगार जलाने के लिए दियासलाई ऊपर करती है। ] अब सलाम !

हेल्मर

सलाम, सलाम, प्रिय मित्र !

नोरा

खूब आराम से सोना, डाक्टर रैंक !

रैंक

इस शुभ कामना के लिए धन्यवाद।

नोरा

मेरे लिए भी यही कामना कीजिए।

रैंक

तुम्हारे लिए ? अच्छी बात है चूँकि तुम मेरे सुख से सोने की कामना करती हो। और सिगार जलाने के लिए धन्यवाद। [ दोनों को सिर झुका कर चला जाता है ]

हेल्मर

[दबी ज़बान में] जितना चाहिए था उससे अधिक पी गये हैं।

नोरा

[ अनसुनी सी ] हो सकता है। [ हेल्मर जेब से तालियों का गुच्छा निकाल कर दालान में जाता है। ] तावल्ति ! वहाँ क्या करने जा रहे हो ?

हेल्मर

लेटरबक्स ख़ाली करने के लिए, बिलकुल भर गया है। कल अख़बारों के लिए भी उसमें जगह नहीं रह जायेगी।

नोरा

आज रात को काम करोगे ?

हेल्मर

तुम अच्छी तरह जानती हो कि नहीं करूँगा। किसी ने ताला खोलने की कोशिश की है।

नोरा

ताला खोलने की ?

हेल्मर

हाँ, इसका क्या मतलब है ? मैं नहीं समझता कि नौकरानी . यह एक टूटी हुई हेयरपिन है। नोरा ! यह तो तुम्हारी ही है।

नोरा

[ जल्दी से ] तब बच्चों ने किया होगा।

हेल्मर

तब उनकी यह आदत छुड़ा दो। ख़ैर किसी तरह मैंने खोल तो लिया। [ लेटर बक्स से सभी चीजे निकाल लेता है और रसोई घर की ओर पुकारता है ] हेलन, हेलन, सामने के दरवाज़े की रोशनी बुझा दो। [ कमरे मे लौट कर दालान का दरवाजा बन्द करता है और चिट्ठियां से भरा हाथ उठाता है ] यह देखो ! देखो तो कितने ज्यादा

उसमे भरे थे। [ उनको इधर उधर करते हुए ] अरे यह कौन सो वला है।

नोरा

[ खिड़की से ] वह पत्र ? नहीं, तावल्ति, नहीं।

हेल्मर

रैंक के दो कार्ड।

नोरा

डाक्टर रैंक के ?

हेल्मर

[ उनको देखते हुए ] डाक्टर रैंक के ये सब के ऊपर थे। अभी वाहर जाते समय उन्होंने इन्हे छोड़ा होगा।

नोरा

उन पर कुछ लिखा भी है ?

हेल्मर

एक काला क्रास बना है। यह देखो यह विचार कितना अशुभ है ! ऐसा मालूम होता है जैसे वे अपनी मृत्यु की सूचना दे रहे हो।

नोरा

वह यही कर भी रहे है।

हेल्मर

क्या ? तुम्हे इसके वारे मे कुछ मालूम है ? उन्होंने तुम से कुछ कहा था ?

नोरा

हाँ, उन्होंने कहा था कि इन कार्डों का आ जाना उनका हम लोगों से सदैव के लिए बिदा लेना होगा। वे चाहते है अपने को कमरे में बन्द कर लेना और मर जाना।

हेल्मर

अभागे मित्र! यह तो मै जानता था कि हम लोग उन्हें बहुत दिनो तक साथ रखने में समर्थ नही हो सकेंगे। लेकिन इतनी जल्दी? वे तो अपने को चोट खाए हुए जानवर की तरह छिपाना चाहते है।

नोरा

अगर यह होना ही है, तो सब से अच्छा तो यही है कि किसी से एक शब्द भी न कहना पड़े और यह हो जाय। तुम इसे पसन्द नही करते, तावल्ति?

हेल्मर

[ इधर उधर टहलते हुए ] हम लोगों की जिन्दगी मे वह इस तरह घुल मिल गये थे। उसके भीतर से उनका इस तरह निकल कर चला जाना, मै तो इसका विचार भी नहीं कर सकता। वे अपनी यातनाओं और अपने सूनेपन के साथ हम लोगों की प्रसन्नता के सूर्योदय की दूसरी ओर काले बादलों के क्षितिज थे। क्यो, शायद यह अच्छा भी है। उनके लिए तो, [ चुपचाप खड़े होकर ] और शायद हम दोनों के लिए भी, नोरा।

हम दोनो अब केवल एक दूसरे पर ही आश्रित रहेंगे। [ उसके गले मे बाहें डालता है ] मेरी प्यारी ! पता नही मैं तुम्हे काफी जोर से पकड़े रह सकता हूं या नही। जानती हो नोरा ! मै कभी-कभी इस बात की कामना करने लगता हूँ कि तुम किसी भयंकर खतरे मे पड़ जाती और मै तुम्हारे लिए अपना जीवन, अपना सब कुछ संकट मे डाल सकता।

नोरा

[ अपने को छुडा कर निश्चयपूर्वक गभीर हो कर कहती है ] तावल्ति ! अब पत्रो को पढ़ लो।

हेल्मर

नही, नही, आज रात को नही। इस समय तो प्रियतमे मै केवल तुम्हारे साथ रहना चाहता हूँ।

नोरा

अपने मित्र की मृत्यु के विचार को हृदय मे लिए हुए... ..

हेल्मर

ठीक कह रही हो। इसका प्रभाव हम दोनो पर पड़ा है। कोई बुरी बात हम दोनो के बीच मे आ गई है—मृत्यु की भीषणता का विचार। कोशिश करके उसे हृदय से निकाल देना चाहिए। तब तक के लिए अपने अपने कमरे मे चले।

नोरा

[ उसकी गर्दन मे लटकती हुई ] विदा तावल्ति ! विदा।

हेल्मर

[ उसके ललाट को चूमते हुए ] विदा, मेरी मुन्नो ! सोओ, गहरी नींद सोओ, नोरा ! मैं अब अपने पत्र पढ़ूँगा।

[ पत्र उठाकर दरवाजा बन्द करता हुआ अपने कमरे में जाता है ]

नोरा

[ बेचैन होकर इधर उधर टहलती है। हेल्मर का नकाब उठा कर अपने सिर पर रख लेती है और भर्राई हुई अवाज़ में जल्दी जल्दी धीरे धीरे कहती है ] अब उनसे कभी मुलाक़ात न होगी ! कभी नहीं, कभी नहीं। [ कन्धे पर अपना शाल रख लेती है ] अपने बच्चों से भी अब कभी न मिलना होगा ! नहीं, कभी नहीं, कभी नहीं ! ओफ ! बर्फ सा, काला जल...असीम गहराई . अगर यह खतम हो गया होता ! अब उन्होने पत्र खोल लिया होगा। अब वह पढ़ रहे होंगे। विदा तावल्ति ! और मेरे बच्चो ! [ वह दालान से तेज़ी से निकलना ही चाहती है कि हेलमर अपना दरवाजा जल्दी से खोलता है और हाथ में एक खुला हुआ पत्र लिए आ खड़ा होता है। ]

हेल्मर

नोरा !

नोरा

ओफ !

हेल्मर

यह क्या ? जानती हो इस पत्र में क्या लिखा है ?

नोरा

हाँ, जानती हूँ। मुझे जाने दो, चली जाने दो।

हेल्मर

[ उसे रोक कर ] जा कहाँ रही हो ?

नोरा

[ छुड़ाने का प्रयत्न करती हुई ] तुम मुझे बचा नहीं सकोगे, तावल्ति !

हेल्मर

[ झुक कर ] वास्तव में सच है ? मैं जो पढ़ रहा हूँ यह सच है ? भयङ्कर ! नहीं, नहीं, असम्भव है, यह सच हो नहीं सकता।

नोरा

सच है। मैंने संसार की सभी चीजों से अधिक तुम्हें प्रेम किया है।

हेल्मर

यह व्यर्थ के बहानों का अवसर नहीं है।

नोरा

[ उसकी ओर एक कदम बढ़ कर ] तावल्ति !

हेल्मर

अभागिनी नारी ! तूने यह क्या किया ?

नोरा

जाने दो। मेरी खातिर तुम्हें कष्ट नहीं उठाना पड़ेगा। तुमको इसकी ज़िम्मेदारी नहीं लेनी होगी।

हेल्मर

[व्यंग से] आत्मघात की बातों से काम नहीं चलेगा। [दालान के दरवाजे में ताला बन्द कर देता है] तुमको यहाँ ठहरना पड़ेगा और इसकी सफाई देनी होगी, मेरे सामने। समझती हो तुमने क्या किया है? बोलतीं क्यों नहीं! समझती हो तुमने क्या किया है?

नोरा

[एकटक उसकी ओर देखती है और कहने लगती है। उसके चेहरे पर रूखेपन का भाव आ जाता है] हाँ, अब बात अच्छी तरह से समझ मे आने लगी है।

हेल्मर

[कमरे मे इधर उधर टहलते हुए] कैसी भयङ्कर जानकारी! इन आठ वर्षों से जिससे मुझे आनन्द और गर्व था वह झूठी, पाखंडी, बल्कि अपराधी निकली! ओफ! यह कितनी निन्दनीय, लज्जाजनक बात है! [नोरा चुप चाप एक टक उसकी ओर देखती रहती है, वह उसके सामने आकर खड़ा होता है] मुझे सन्देह होना चाहिए था कि इस तरह की कोई न कोई बात अवश्य होगी। मुझे यह पहले ही समझ लेना चाहिए था। तुम्हारे पिता की आदर्श की कमी—चुप रहो—तुम्हारे पिता की आदर्श की कमी तुम मे पूरी तरह आ गई। न धर्म, न सदाचार, न कर्तव्य...उनके कृत्यों का उन्हे दण्ड न दिलाने का मैं कैसा दण्ड पा रहा हूँ! मैंने तुम्हारी ही खातिर यह सब किया और तुम उसका बदला दे रही हो इस रूप मे!

नोरा

ठीक है, यही बात है।

हेल्मर

अब तुमने मेरा सारा सुख मिटा दिया। तुमने मेरा भविष्य चौपट कर दिया। ओफ! इसका विचार ही कितना भयंकर है! मै अब उस शैतान की मुट्ठी मे हूँ। वह जो चाहे कर सकता है मेरे साथ, जो चाहे मुझ से मांग सकता है, जिस बात के लिए चाहे मुझे आज्ञा दे सकता है—मै नहीं करने का साहस भी नही कर सकता। और मुझे इतनी गहराई मे डूबना पड़ा एक विचारहीन नारी के कारण।

नोरा

मै जब रास्ते से अलग हो जाऊँगी, तो तुम स्वतन्त्र हो जाओगे।

हेल्मर

शब्दजाल से काम नही चलेगा। तुम्हारे पिता के पास भी इसकी कभी कमी नही रहती थी। अगर तुम रास्ते से अलग भी हो जाओ, जैसा कि तुम स्वयं कह रही हो, तो भी मेरा क्या लाभ होगा? ज़रा सा भी नहीं। वह यह बात सब जगह प्रकट कर सकता है और अगर वह ऐसा करे तो लोग मुझ पर भी व्यर्थ सन्देह करने लगेंगे कि मै भी तुम्हारे इस फरेब मे शामिल था। बहुत सम्भव है कि लोग यह भी समझें कि यह सारा काण्ड मेरा है, यह कि मैने ही तुम्हें प्रेरित किया था। और इस सब के लिए

मुझे कृतज्ञ होना चाहिए उसका जिसकी मैंने अपने सारे विवाहित जीवन में उपासना की है। तुमने मेरे लिए क्या कर डाला ? अब समझ में तो आ गया होगा।

नोरा

[ रुखाई के साथ धीरे से ] हाँ, आ गया है।

हेल्मर

यह इतना अप्रत्याशित है कि आसानी से विश्वास नही होता। लेकिन हम लोगो को कुछ समझौता करना होगा। शाल रख दो, कह रहा हूँ, रख दो। मुझे किसी न किसी तरह उसे प्रसन्न करना ही होगा। यह बात चाहे जैसे हो, दबानी पड़ेगी। और जहाँ तक मेरा तुम्हारा सम्बन्ध है, हमारे बीच सब कुछ वैसे ही चलता रहे जैसा पहले था, किन्तु केवल दुनिया की नज़र मे। तुम मेरे घर मे अब भी रहोगी, यह तो मानी हुई बात है। लेकिन बच्चों के लालन पालन का अधिकार मैं तुम्हे नही दे सकता। उनके बारे में तुम्हारा विश्वास करने का मुझे साहस नहीं होता। यह विचार ही कितना भयानक है कि ऐसा उससे कहना पड़ रहा है जिसे मैं अनन्य प्रेम करता रहा हूँ और जिसे मै अब भी...नहीं, वह सब तो बीत गया। इस घड़ी से सुख का तो सवाल ही नहीं है। अब तो जो कुछ बच रहा है उसकी रक्षा करना है—भग्नावशेष, बाहरी ढाँचा। [ सामने के दरवाजे पर घंटी बजती है—घबरा कर ] यह क्या ? इतनी देर को . क्या वह . छिप जाओ नोरा ..कह देना तबीयत खराब है।

[ नोरा चुपचाप खड़ी रहती है। हेल्मर दरवाजा खोलता है ]

दासी

[दरवाजे पर से] श्रीमती के लिए पत्र है।

हेल्मर

मुझे दो। [ पत्र लेकर दरवाजा बन्द कर लेता है। ] हाँ, यह उसी का है। तुमको नहीं दूँगा, मैं पढ़ूँगा।

नोरा

हाँ, पढ़ो।

हेल्मर

[ लैम्प के पास खड़ा होकर ] खोलने का तो साहस नहीं हो रहा है। इसके कारण हम दोनो का सर्वनाश हो सकता है। नहीं, मुझे अवश्य जान लेना होगा। [ फाड़कर पत्र निकालता है और कुछ पंक्तियो पर नजर दौड़ाता है। एक नत्थी किया हुआ कागज़ देखता है और आनन्द से चिल्ला उठता है ] नोरा! [ वह उसकी ओर जिज्ञासा की मुद्रा से देखती है ] नोरा! नहीं, एक बार और पढ़ लूँ। हाँ, सच है। मै बच गया! नोरा! मैं बच गया!

नोरा

और मै?

हेल्मर

तुम भी। हम दोनो बच गये। तुम और मै दोनो। यह देखो तुम्हारा इकरारनामा उसने लौटा दिया है। लिखता है उसे खेद है, पश्चात्ताप है, और यह कि उसके जीवन मे कोई सुखमय परिवर्तन

.. जाने दो जो लिखे, हम लोग बच गये, नोरा! अब तुम्हारा कोई कुछ नही कर सकेगा। नोरा! नोरा! नहीं, पहले इस बुरी चीज़ को नष्ट कर देना चाहिए। देखूँ तो। [ इकरारनामे का एक बार देखता है ] नहीं, नहीं, नहीं देखना चाहिए। यह एक भयंकर स्वप्न सा होगा। [ इकरारनामा और पत्र फाड़कर अंगीठी में फेंक देता है और उनका जलना देखता रहता है ] वह अब वह मिट गया। उसने लिखा है कि बड़े दिन के पहले की शाम से तुम.. यह तीन दिन तुम्हारे लिए बड़े दुःख के रहे होंगे नोरा!

नोरा

मैंने इन तीन दिन घोर युद्ध किया है।

हेल्मर

और भारी व्यथा सहन की है। निकलने का कोई भी रास्ता नहीं देख पड़ता था? लेकिन अब इन बातों को विचार मे लाने की जरूरत नहीं है। अब हम केवल आनन्द से चिल्लायें "अब वह सब मिट गया—वह सब मिट गया"। सुनो नोरा! तुमने जैसे अभी नहीं अनुभव किया कि वह सब मिट गया। यह क्या? इतना उदास मुँह? प्यारी नोरा! मैं समझता हूँ तुम्हे विश्वास नहीं होता कि मैंने तुम्हे क्षमा कर दिया। लेकिन सच है, मैं शपथ लेकर कहता हूँ मैंने तुम्हारा सब कुछ क्षमा कर दिया। मैं जानता हूँ तुमने जो कुछ भी किया मेरे प्रेम के कारण किया।

नोरा

हाँ, यह सच है।

हेल्मर

तुमने मुझको प्रेम किया है जैसा कि स्त्री को पति से करना चाहिए। केवल जिन साधनो का तुमने उपयोग किया उनको समझ सकने की बुद्धि तुममे नहीं थी। लेकिन तुम यह कदापि न सोचना कि तुम्हारे प्रति मेरा प्रेम केवल इसलिए कम हो जायगा कि तुम्हे अपनी ज़िम्मेदारी पर काम करना नहीं आता। नहीं, नहीं, केवल मेरे सहारे खड़ी रहो। मै तुम्हे राय दूँगा और तुम्हे रास्ता दिखलाऊँगा। मेरा पुरुषत्व ही क्या रहा यदि तुम्हारी यह नारी सुलभ असहाय दशा मेरी आँखो के लिए तुम्हारे भीतर दूना आकर्षण पैदा नहीं कर देती ? उन कड़ी बातो को बिलकुल भूल जाओ जो मैंने घबराहट के प्रथम आवेश कह मे डाली हों, जब मै नीचे दबा जा रहा था। मैंने तुम्हे क्षमा कर दिया है नोरा ! तुम्हारी क़सम, मैंने तुम्हे क्षमा कर दिया है।

नोरा

तुम्हारी क्षमा के लिए धन्यवाद। [ दाई ओर के दरवाजे से भीतर जाती है ]

हेल्मर

नहीं, न जाओ। [ भीतर देखता है ] क्या कर रही हो यहाँ ?

नोरा

नाच वाली पोशाक उतार रही हूँ।

हेल्मर

[ खुले दरवाजे पर खड़ा होकर ] हाँ, उतार लो। अपने को शान्त

करने का प्रयत्न करो। अपना मन फिर प्रसन्न कर लो, मेरी भयभीत मुन्नी! विश्राम करो। मेरे डैने तुम्हे छाया देने के लिए काफी चौड़े है। [ दरवाजे के इधर उधर टहलता है ] हमारा घर कितना सुखमय है नोरा! तुम्हारे लिए यहाँ आश्रय है। मैं तुम्हारी बाज़ के पंजे से छुड़ाई हुई बटेर की तरह रक्षा करूंगा। तुम्हारे धड़कते हुए दिल को मै शान्ति दूंगा। शान्ति धीरे धीरे आ जायेगी नोरा! विश्वास करो। कल सवेरे तुम यह सब दूसरी नज़र से देखोगी। थोड़े दिनो मे यह सब भूल कर पहले ऐसा हो जायेगा। कुछ ही दिनो मे तुम्हें इस बात की जरूरत नही रहेगी कि मै तुम्हे विश्वास दिलाऊँ कि मैने तुम्हें क्षमा कर दिया है। तुम स्वयं उसकी सचाई अनुभव करने लगोगी। तुम विश्वास कर सकती हो कि मै कभी भी तुम्हारा परित्याग या कभी भी तुम्हारा अपमान करूँगा? तुमको पता नही है नोरा! सच्चे पुरुष का हृदय कैसा होता है। पुरुष को इस बात मे कि उसने अपनी स्त्री को क्षमा कर दिया है, हृदय से क्षमा कर दिया है, कितना संतोष और कितना उल्लास मिलता है! ऐसा मालूम होता है कि जैसे इससे वह उसकी हो गई है, पहले से भी अधिक उसकी हो गई है, जैसे इससे उसे नई ज़िन्दगी मिली है और वह उसके लिए स्त्री भी है और अबोध बालिका भी। इसके बाद अब तुम मेरी पवित्र असहाय प्रेयसी रहोगी। किसी चीज़ के लिए उत्सुक न हो नोरा! केवल मेरे सामने सरल और साफ बनी रहो। और मै तुम्हारे लिए बुद्धि और अन्तःकरण दोनों का काम

करूँगा। यह क्या ? अभी सोने नहीं गईं ? तुमने अपने वस्त्र बदल लिये ?

नोरा

[मामूली पोशाक में] हाँ तावलित, मैंने कपड़े बदल लिये।

हेल्मर

लेकिन किस लिए ? इतनी रात गये इनकी क्या जरूरत थी ?

नोरा

मै आज की रात सोऊँगी नही।

हेल्मर

लेकिन प्रिय नोरा...

नोरा

[अपनी घडी देख कर] अभी बहुत रात नहीं गई। यहाँ बैठो, तावलित ! हम दोनो को आपस मे बहुत कुछ कहना सुनना है। [ मेज के एक किनारे बैठती है ]

हेल्मर

नोरा यह क्या ? यह रुखाई क्यो ?

नोरा

बैठ जाओ, कुछ समय लगेगा इसमें। मुझे तुमसे बहुत कुछ कहना है।

हेल्मर

[ मेज के दूसरे किनारे बैठते हुए ] डरा रही हो नोरा ! मै तुम्हे समझ नहीं पाता।

नोरा

नहीं, ठीक है। तुम मुझे नही समझते और न मैंने ही आज की रात के पहले तुम्हे समझा है। नहीं, वाधा न डालो, तावल्ति ! जो कहती हूँ सुनते चलो। तावल्ति, मुझे अपना हिसाब-किताब साफ कर लेना है।

हेल्मर

इसका मतलब ?

नोरा

हम लोगो के यहाँ इस तरह बैठने मे तुम्हे कोई विलक्षण बात नही देख पड़ती ?

हेल्मर

क्या है ?

नोरा

हम लोगों का विवाह हुए आठ वर्ष बीत गये। तुम्हें यह नहीं पता चलता कि यह पहला अवसर है जब हम पति पत्नी में कुछ गंभीर बातें हुई हैं।

हेल्मर

गंभीर से तुम्हारा क्या मतलब है ?

नोरा

इन आठ वर्षो मे, बल्कि इससे भी अधिक—हमारी जान-पहचान शुरू होने के समय से ही—हम लोगो में कभी भी किसी गंभीर विषय पर बातें नहीं हुईं।

हेल्मर

हाँ, इसकी क्या जरूरत थी कि मैं तुम्हें दुनिया भर के झंझट बतलाता, जिनके सुलझाने मे तुम मेरी कोई सहायता भी नही कर सकती थी ?

नोरा

मेरा व्यवसाय की बातो से मतलब नही है। मेरा मतलब कि हम दोनो ने कभी भी एक साथ बैठकर किसी बात की तह तक पहुँचने का प्रयत्न नही किया है।

हेल्मर

लेकिन प्रियतमे ! इससे तुम्हारा कुछ भी लाभ होता ?

नोरा

यही तो बात है। तुमने मुझे कभी भी ठीक से नही समझा। मेरे साथ बड़ा अन्याय हुआ है, तावल्ति ! पहले तो पिता जी की ओर से और फिर तुम्हारी ओर से।

हेल्मर

क्या हम दोनो की ओर से ? हम दोनो की ओर से जिन्होंने कि दुनिया की किसी भी चीज से बढ़ कर तुम्हे प्रेम किया है ?

नोरा

[ सिर हिलाते हुए ] तुमने मुझे कभी प्रेम नहीं किया। तुमने मेरे प्रेम मे पड़ा रहना केवल सुख का एक साधन समझा है।

हेल्मर

नोरा ! तुम्हारी कैसी बातें मै सुन रहा हूँ ?

नोरा

बिलकुल सच है तावल्ति ! जब मै पिता जी के साथ घर पर थी तो सभी बातो के बारे मे वे अपने विचार मुझ पर लाद दिया करते थे और इसलिए मेरे भी वही विचार हो गये। और जहाँ मै उनसे विरोध रखती थी, उसे छिपा लेती थी, इस डर से कि उन्हे अच्छा न लगेगा। वे मुझे गुड़िया कहा करते थे और मुझसे उसी तरह खेला करते थे जिस तरह कि मै अपनी गुड़ियों से खेला करती थी। और जब मै तुम्हारे साथ रहने लगी ..

हेल्मर

विवाह की बाबत तुम कैसे शब्दो का प्रयोग कर रही हो ?

नोरा

[ बिना किसी अड़चन के ] मेरा मतलब यह है कि मैं पिता जी के हाथों से बदल कर तुम्हारे हाथों में दे दी गई। तुम सब कुछ अपनी रुचि के अनुसार कराते थे और इस लिए मेरी भी वही रुचि हो गई या मैने वैसी ही रुचि दिखलाने का ढोंग किया। मै ठीक नही कह सकती इनमे से कौन सी बात ठीक है। कभी एक बात ठीक मालूम देती है कभी दूसरी। जब मैं बीते दिनो की ओर देखती हूँ तो मुझे ऐसा मालूम होता है जैसे मैं यहाँ एक दरिद्र स्त्री की तरह रहती रही हूँ, जिसके पास अपना कुछ भी न हो। मेरी हस्ती केवल तुम्हारी मौज के लिए रही है तावल्ति !

लेकिन तुम यही चाहते भी थे। तुमने और पिता जी ने मेरे साथ घोर पाप किया है। तुम्हारी ही वजह से मैं अपनी जिन्दगी का कोई उपयोग नहीं कर सकी।

हेल्मर

कितनी विवेकहीन और कितनी कृतज्ञताहीन हो तुम नोरा! तुम यहाँ सुखी नहीं रही हो?

नोरा

नहीं, मैं कभी सुखी नहीं थी। मैंने समझा था कि मैं सुखी हूँ, लेकिन मैं सुखी कभी नहीं थी।

हेल्मर

नहीं, सुखी नहीं थी!

नोरा

नहीं, केवल प्रसन्न। हाँ, तुम बराबर मेरे प्रति बड़े उदार रहे हो। लेकिन हम लोगों का घर विनोदशाला रहा है। मैं तुम्हारे लिए एक गुड़िया रही हूँ, जैसे कि पहले अपने घर पर मैं पिताजी के लिए गुड़िया थी और यहां बच्चे मेरी गुड़िया रहे हैं। जब तुम मेरे साथ खेलते थे तो मैं इसे बड़ा अच्छा तमाशा समझती थी, जैसे कि बच्चे बड़ा तमाशा समझते थे जब मैं उनके साथ खेला करती थी। यही हम लोगों का विवाहित जीवन रहा है, तावल्ति!

हेल्मर

तुम्हारे कहने में कुछ सचाई का अंश भी है, गोकि तुम्हारा यह विचार बहुत खींचातानी और अतिशयोक्ति से मिला है।

लेकिन भविष्य में ऐसा न होगा। खेलने का समय समाप्त हो जायेगा, पढ़ाई का समय शुरू होगा।

नोरा

किसकी पढ़ाई? मेरी या बच्चों की?

हेल्मर

दोनो की, तुम्हारी भी और बच्चो की भी, प्यारी नोरा!

नोरा

खेद है तावल्ति! तुम वह पुरुष नहीं हो जो मुझे पढ़ा कर अपने लिए योग्य स्त्री बना सकते हो।

हेल्मर

और तुम यह कह सकती हो?

नोरा

और मैं . मै बच्चों के लालन पालन के योग्य कैसे हूँ?

हेल्मर

नोरा!

नोरा

थोड़ी देर पहले तुमने स्वयं ऐसा नहीं कहा था कि बच्चो के लालन पालन मे तुम मेरा विश्वास करने का साहस नहीं कर सकते?

हेल्मर

क्रोध के आवेश मे कह गया था। तुम उसका ख्याल क्यो कर रही हो?

नोरा

वास्तव मे तुम सच कहते थे। इस काम के योग्य मैं नही हूँ। एक दूसरा काम है जो मुझे पहले करना चाहिए। मुझे पहले प्रयत्न करके शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए और उसमे मेरी सहायता तुम नही कर सकते। मुझे वह स्वयं ही अपने लिए करना पड़ेगा और इसी लिए अब मै तुम्हे छोड़ रही हूँ।

हेल्मर

[ चौंक कर ] क्या कह रही हो ?

नोरा

अगर मुझे अपने को और अपने सम्बन्ध की और बातों को समझ लेना है तो मुझे बिलकुल अकेले खड़ा होना होगा। इसीलिए मै अब तुम्हारे साथ नही ठहर सकती ।

हेल्मर

नोरा ! नोरा !

नोरा

मै यहां से अभी जा रही हूँ। मुझे विश्वास है क्रिस्टाइन मुझे आज रात के लिए शरण दे देगी।

हेल्मर

तुम्हारा दिमाग़ बिगड़ गया है। मै तुम्हे नही जाने दूँगा।

नोरा

मुझे किसी बात के लिए मना करने मे अब कोई लाभ

नहीं। मेरा जो कुछ है अपने साथ ले जाऊँगी। तुमसे मैं कुछ भी नहीं लूँगी, न इस समय न कभी पीछे।

हेल्मर

यह कैसा पागलपन है?

नोरा

कल मैं घर चली जाऊँगी, अपने पुराने घर। वहाँ कोई काम ढूँढ़ लेना मेरे लिए आसान होगा।

हेल्मर

तुम अन्धी मूर्ख स्त्री!

नोरा

मुझे प्रयत्न करके कुछ समझ पैदा करनी चाहिए, तावल्ति!

हेल्मर

अपने पति को छोड़ दोगी, अपने पति को और अपने बच्चों को! और यहाँ जानती हो लोग क्या कहेंगे?

नोरा

मैं यह सब नहीं सोच सकती। मैं केवल इतना जानती हूँ कि मेरे लिए केवल यही आवश्यक है।

हेल्मर

कैसे दुःख की बात है! तुम अपने पवित्रतम कर्तव्यों की इस प्रकार उपेक्षा करोगी!

नोरा

तुम मेरे पवित्रतम कर्तव्य किन्हें समझते हो?

हेल्मर

क्या यह भी बताना पड़ेगा ? अपने पति तथा अपने बच्चों के प्रति कर्तव्य ।

नोरा

लेकिन मेरे और भी कर्तव्य है जो कम पवित्र नही है ।

हेल्मर

कदापि नही । अच्छा बताओ वे क्या हैं ?

नोरा

स्वयं अपने प्रति कर्तव्य ।

हेल्मर

सर्व प्रथम तुम एक पत्नी तथा एक माता हो ।

नोरा

अब मुझे इस बात में विश्वास नही रहा । मेरा विश्वास है कि सर्वप्रथम मै एक मनुष्य हूँ, कम से कम मुझे होना चाहिए । मै जानती हूं कि अधिकांश मनुष्य तुम्हारे ही मत का समर्थन करेंगे, और पुस्तको मे भी यही लिखा है । लेकिन अब मुझे न तो अधिकांश मनुष्यो के विचार से सन्तोष हो सकता है और न किताबो की बातो से । मैं तो अब सब बातो पर स्वयं ही मनन करके उन्हे समझ लेना चाहती हूँ ।

हेल्मर

तुम समझ सकती हो कि घर मे तुम्हारा क्या स्थान है ? क्या इस तरह के मामलों के लिए तुम्हारे पास कोई विश्वसनीय पथ-प्रदर्शक नही है ? क्या तुम्हे धर्म मे भी विश्वास नहीं रहा ?

नोरा

मुझे भय है, तावल्ति, मैं ठीक ठीक नहीं जानती कि धर्म क्या है।

हेल्मर

तुम क्या कह रही हो ?

नोरा

जब मेरी दीक्षा हुई उस समय पादरी ने जो कहा था उसके सिवा मै और नही जानती। उसने हम लोगों से कहा था धर्म यह है, वह है, यहाँ है, वहाँ है। जब मैं इन सब बातों से दूर अकेली रहूँगी, तब इस विषय मे भी विचार करूँगी। मैं देखूँगी कि पादरी का कहना कहाँ तक सच था या कम से कम मेरे लिए वह सच है या नहीं।

हेल्मर

तुम्हारी अवस्था की स्त्री की बाबत ऐसी बात कहीं सुनी नहीं गई। लेकिन यदि धर्म तुम्हे ठीक रास्ते पर नहीं ले चल सकता तो अपने अन्तःकरण से पूछो। मुझे विश्वास है तुम में उचित-अनुचित का कुछ न कुछ ध्यान है। या मैं यह समझ लूँ कि यह भी तुममे कुछ नही है ?

नोरा

मै तुम्हे विश्वास दिलाती हूँ, तावल्ति, इसका जवाब देना आसान नही है। मैं वास्तव मे नही जानती। यह बात मुझे उलझन मे डाल देती है। मै केवल इतना ही समझती हूँ कि हम

दोनों, मै और तुम, इसे भिन्न भिन्न दृष्टिकोण से देख रहे हैं। मै यह भी समझती जा रही हूँ कि मैं जो कुछ समझती थी कानून और व्यवस्था उससे भिन्न चीज़ है। लेकिन मेरे लिए यह विश्वास कर लेना असम्भव हो रहा है कि कानून ठीक है। उसके अनुसार स्त्री को यह भी अधिकार नही कि वह अपने बूढ़े मरते हुए पिता को तंग न करे या अपने पति के जीवन की रक्षा करे। मै यह मान नही सकती।

हेल्मर

बच्चो की तरह बातें कर रही हो। जिस दुनिया में तुम रहती हो उसकी बातो का तुम्हे पता नही।

नोरा

नही, मुझे नहीं है, लेकिन मै अब जानने का प्रयत्न करने जा रही हूँ। मै यह देखने जा रही हूँ—अगर यह पता लगा सको—कि कौन ठीक रास्ते पर है, मै या यह दुनिया ?

हेल्मर

तुम्हारी तबीयत ठीक नही है नोरा! तुम सन्निपात की अवस्था मे हो। मै समझता हूँ कि तुम्हारा दिमाग ठिकाने नही है।

नोरा

मेरा मस्तिष्क कभी भी इतना साफ या स्वस्थ नही रहा जितना कि आज है।

हेल्मर

और तुम साफ और स्वस्थ मस्तिष्क के साथ अपने पति और बच्चो को छोड़ रही हो ?

नोरा

हाँ, यही बात है।

हेल्मर

तब सम्भवत: केवल एक ही बात कही जा सकती है।

नोरा

क्या ?

हेल्मर

तुम्हारा प्रेम अब मुझ पर नहीं रहा।

नोरा

नहीं रहा, सच है।

हेल्मर

नोरा ! और तुम यह कह भी सकती हो ?

नोरा

इसका मुझे बड़ा दुःख है तावल्ति ! क्योंकि तुम सदैव मुझ पर बड़ी कृपा रखते रहे हो। लेकिन अब कोई उपाय नहीं। तुम्हारे लिए मेरे भीतर अब प्रेम नहीं है।

हेल्मर

( अपने को सम्हाल कर ) तुम्हें इस बात पर स्पष्ट और निश्चित विश्वास हो गया है ?

नोरा

हाँ, बिलकुल स्पष्ट और निश्चित। इसी लिए मैं अब यहाँ नहीं रहूँगी।

हेल्मर

यह भी बता सकोगी कि मैने किया क्या जिससे मै तुम्हारे प्रेम का अधिकारी नही रह गया ?

नोरा

हाॅ। बेशक, मै बतला सकती हूॅ। इसी रात को वह विस्मयजनक बात नही हुई, और तब मैने समझा कि मै तुम्हे जो समझती थी वह तुम नहीं हो।

हेल्मर

साफ शब्दो मे कहो, मै तुम्हारा मतलब समझ नही पाया।

नोरा

मै इतने धीरज के साथ आठ वर्षों से इसी प्रतीक्षा मे रही हूॅ। ईश्वर जानता है मै यह भली भांति समझती थी कि विस्मयजनक बातें रोज नही हुआ करती। और जब यह भयानक आपत्ति मेरे ऊपर आई तो मुझे विश्वास हो गया कि वह विस्मयजनक बात अब आखिर होना ही चाहती है। जब वहाॅ क्रोस्ताद का पत्र बाहर पड़ा था, मै क्षण भर के लिए भी यह कल्पना नही कर सकी थी कि तुम उस आदमी की शर्तें मान लेने के लिए तैयार हो जाओगे। मेरी धारणा थी कि तुम उससे कह दोगे कि 'दुनिया भर मे यह बात फैला दो' और जब यह हो जाता .

हेल्मर

हाँ ठीक है। जब मै अपनी स्त्री को घृणा और लज्जा की चीज बना देता, तब उसके बाद क्या होता ?

नोरा

जब यह हो जाता तब—मुझे पूरा विश्वास था कि—तुम आगे बढ़ कर सब कुछ अपने ही ऊपर ले लोगे और कहोगे कि "अपराध मेरा है।"

हेल्मर

नोरा !

नोरा

तुम्हारा मतलब यह है कि मैं कभी भी तुम्हे यह त्याग न करने देती ? नही, कभी नहीं। लेकिन तुम्हारे मुकाबिले मे मेरे कथन का मूल्य ही कितना रह जाता ? इसी महान विस्मय-जनक बात की मुझे आशा थी और इसी को आशंका थी। और इसी को रोकने के लिए मैं आत्महत्या कर लेना चाहती थी।

हेल्मर

मैं खुशी से तुम्हारी खातिर रात दिन परिश्रम करता, दुःख उठाता, परेशान रहता नोरा ! लेकिन कोई भी पुरुष प्रेम के लिए आत्म-सम्मान की बलि नही दे सकता।

नोरा

लेकिन यही बात लाखो स्त्रियों ने करके दिखला दी है।

हेल्मर

तुम बच्चो की तरह सोचती हो और बाते करती हो।

नोरा

सम्भव है। लेकिन तुम न तो उस पुरुष की तरह सोचते

ही हो और न बातें ही करते हो जिसके साथ मैं अपने को बांध देना पसन्द करती। जब तुम्हारा भय दूर हो गया—वह भय भी ऐसा नही जिसका सम्बन्ध मेरे हित से था बल्कि यह कि तुम्हारा क्या होगा—तुम्हारा जहाँ तक सम्बन्ध था वहाँ तक जब सभी बाते मिट गई, तो तुम्हें ऐसा मालूम हुआ जैसे कुछ हुआ ही नही। बिलकुल पहले की तरह मैं तुम्हारी कोयल बन गई, तुम्हारी खिलौना जिसके साथ कि तुम भविष्य मे और भी अधिक दया के साथ पेश आते क्योंकि वह इतना सुकुमार और कोमल है। [ उठ कर खड़ी होती हुई ] तावल्ति ! तब मेरे सामने यह प्रकट हुआ कि आठ वर्षों तक मै यहां एक अपरिचित व्यक्ति के साथ रहती रही हूँ और उससे तीन बच्चे भी पैदा कर चुकी। ओफ ! इस पर विचार नही करते बनता। इच्छा होती है इस शरीर के टुकड़े टुकड़े कर डालूँ।

हेल्मर

[ दु:खपूर्वक ] समझा, समझा। हम लोगो के बीच एक गहरी खाई तैयार हो गई है, यह अस्वीकार नहीं किया जा सकता। लेकिन नोरा ! क्या इसको भर देना सम्भव नही है ?

नोरा

मैं इस समय जिस हालत मे हूँ उसमें तुम्हारे लायक स्त्री नही हूँ।

हेल्मर

मेरे भीतर भी भिन्न पुरुष बन जाने की इच्छा है।

नोरा

शायद, यदि तुम्हारा खिलौना तुमसे अलग कर दिया जाय।

हेल्मर

लेकिन अलग होना! तुमसे अलग होना! नहीं! नहीं! नोरा! यह विचार समझ मे नहीं आता।

नोरा

[ दाईं ओर से बाहर जाती हुई ] इससे और भी निश्चित हो जाता है कि यह अवश्य होना चाहिए [ अपना कोट, हैट और छोटा सा बेग लेकर लौटती है और यह सब मेज के पास एक कुर्सी पर रख देती है। ]

हेल्मर

नोरा! नोरा! अभी नहीं। कल तक मान जाओ।

नोरा

[ कोट पहनती हुई ] मैं यह रात अपरिचित पुरुष के कमरे में नहीं बिता सकती।

हेल्मर

लेकिन क्या हम दोनो यहाँ भाई बहिन की तरह नहीं रह सकते?

नोरा

[ हैट पहन कर ] तुम खूब जानते हो यह बहुत दिनो तक नहीं निभेगा। [ शाल ओढ लेती है ] विदा तावल्ति! बच्चों को नहीं देखूँगी। मै जानती हूँ वे मेरे हाथो से योग्य हाथो मे

है। जिस हालत में मैं इस समय हूँ उसमे उनके किसी काम की नहीं हो सकती।

हेल्मर

लेकिन किसी दिन ? नोरा ! किसी दिन .. ..

नोरा

मै क्या जानूं ? मेरा क्या होगा मै नही जानती।

हेल्मर

लेकिन तुम मेरी पत्नी हो, चाहे जो हो जाय।

नोरा

सुनो तावल्ति ! मैंने सुना है कि जब स्त्री पति का घर छोड़ जाती है, जैसा कि मैं इस समय कर रही हूँ, तो उसके प्रति सभी बन्धनों से वह कानूनी तौर पर छूट जाता है। खैर, कुछ भी हो, मैं तुम्हे सभी उत्तरदायित्वो से मुक्त किए देती हूँ। तुम ज़रा सा भी बन्धन न अनुभव करना। और मैं भी नही करूँगी। दोनों ओर पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए। यह लो अपनी अंगूठी, मेरी भी लौटा दो।

हेल्मर

यह भी ?

नोरा

हाँ, यह भी।

हेल्मर

यह लो।

नोरा

अब ठीक है। अब सब समाप्त हो गया। यह तालियों का गुच्छा मैंने रख दिया है। नौकरानियों को घर के भीतर की सब बातें मालूम हैं, मुझसे अधिक। कल जब मैं उसके यहाँ से चली जाऊंगी, तब क्रिस्टाइन यहाँ आयेगी और मेरा सब सामान जो कि मैं घर से लाई थी बँधवा कर मेरे यहाँ भेज देगी।

हेल्मर

सब समाप्त! सब समाप्त, नोरा! फिर तुम कभी मेरा स्मरण न करोगी ?

नोरा

मैं जानती हूँ मैं अक्सर तुम्हारी, बच्चों की और इस घर की बाबत सोचूंगी।

हेल्मर

मैं तुम्हें पत्र लिख सकता हूँ नोरा ?

नोरा

नहीं, कभी नहीं। यह न करना।

हेल्मर

लेकिन कम से कम मैं तुम्हें कुछ भेज तो सकता हूँ।

नोरा

कुछ नहीं, कुछ नहीं।

हेल्मर

अगर जरूरत पड़े तो मुझे मदद करने का अवसर देना।

नोरा

नहीं, जिससे मेरा कोई सम्बन्ध नहीं उससे मैं कुछ ले नही सकती।

हेल्मर

नोरा। क्या मैं तुम्हारे लिए अपरिचित के अतिरिक्त और कुछ कभी नहीं हो सकता ?

नोरा

[ अपना वेग उठा कर ] आह ! तावल्ति ! इस सब से विस्मय-जनक बात तो अब होगी।

हेल्मर

कहो तो क्या होगा ?

नोरा

हम को, तुम को, हम दोनों को इस तरह बदल जाना होगा कि और तावल्ति ! अब मुझे विस्मयजनक बातो के होने में विश्वास नहीं रहा है।

हेल्मर

लेकिन मुझे है। बतलाओ, इतना बदलना होगा कि

नोरा

कि हम लोगो का साथ साथ रहना वास्तविक विवाहित जीवन हो सके। विदा। [ दालान से हो कर बाहर चली जाती है। ]

[ दरवाजे पर कुर्सी पर बैठ कर दोनो हाथों में अपना मुँह छिपा लेता है।] नोरा! नोरा! [ चारों ओर देख कर उठता है ] सब सूना है! चली गई! [ अचानक उसके मस्तिष्क मे आशा की बिजली चमक उठती है। ] सब से विस्मयजनक बात ..ऐं? [ नीचे दरवाजा बन्द होने की आवाज़ होती है। ]